आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.47
सूर्यास्त 06.42

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 11:48 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

रविवार, 24 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 274, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है : केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल - 12

चावल सस्ता गेहूं और चीनी महंगे, दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार चढ़ाव - 12

अमेरिकी व्यापार समझौते में भारत के समक्ष हैं कुछ सीमाएं : जयशंकर - 13

विश्व कप में भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ महिला टीम : रीमा मल्होत्रा - 14

कालिदास संस्कृत विवि के वीसी, पत्नी की हादसे में मौत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मऊ के दोहरीघाट में शनिवार सुबह सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराई इनोवा
- ड्राइवर को नींद आने पर खुद संभाली स्टेयरिंग इसी दौरान हो गया हादसा

अमृत विचार : मऊ जिले के दोहरीघाट में वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर शनिवार सुबह खड़े ट्रेलर में इनोवा घुस गई। हादसे में कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक नागपुर के कुलपति (वीसी) प्रो. हरेराम त्रिपाठी व उनकी पत्नी बादामी देवी की मौत हो गई। वहीं घायल चालक को सीएचसी दोहरीघाट पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक मूलतः कुशीनगर के फाजिलनगर स्थित चकिया निवासी प्रो. हरेराम त्रिपाठी संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। वह वर्तमान में कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक नागपुर के कुलपति थे। शनिवार को वह पैतृक गांव चकिया जा रहे थे। इनोवा से नागपुर से निकले थे। गोपालगंज निवासी चालक वैभव मिश्रा के मुताबिक उसे नींद आने लगी तो खुद प्रो. त्रिपाठी गाड़ी चलाने लगे। बगल की सीट पर पत्नी बादामी देवी बैठी थीं। मऊ दोहरीघाट के अहिरानी के पास पेट्रोल पंप के सामने खड़े ट्रेलर में इनोवा जा घुसी। एसओ दोहरीघाट राजकुमार सिंह ने बताया कि परिजन को सूचना दे दी गई है।

न्यायिक व्यवस्था सुगम और सुलभ होगी तभी सुशासन : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब हमारी न्यायिक व्यवस्था सुगम, त्वरित और सुलभ हो। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश का निर्माण आवश्यक है और इसके लिए मजबूत और त्वरित न्यायिक व्यवस्था अनिवार्य है। योगी ने न्यायिक सेवा संघ के लिए 50 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड देने की घोषणा भी की।

सीएम योगी शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच परिसर में आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संघ की स्मारिका का अनावरण भी किया। सीएम ने जिला न्यायालयों में लंबित मामलों के निस्तारण के लिए डिस्पोजीशन क्लर्क की नियुक्ति के लिए आउटसोर्सिंग पर सैद्धांतिक सहमति देने की जानकारी भी दी। योगी ने कहा कि संविधान की मूल थीम 'न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता' इस आयोजन का आधार है। कहा कि देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय प्रदेश का गौरव है। मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया। डिजिटल बुनियादी ढांचे और आधुनिक तकनीक को न्यायिक व्यवस्था में शामिल करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि ई-कोर्ट, ई-पुलिसिंग, ई-प्रिजन, ई-प्रॉसीक्यूशन और ई-फोरेंसिक के एकीकरण के लिए इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर काम चल रहा है।

डेटा-बेस्ड विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से लंबित मामलों को कम करने और न्याय प्रक्रिया को तेज करने की योजना है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति राजन राय, न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, सभी जिलों न्यायाधीश समेत अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति गण आदि मौजूद रहे।

लखनऊ की जिला जज बबीता रानी को पौध भेंट करते मुख्यमंत्री योगी।

- उप्र न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने संघ के लिए 50 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड देने की घोषणा की

1.15 करोड़ से अधिक लंबित मामले चुनौती

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वर्ष में 72 लाख मामलों का निस्तारण बड़ी उपलब्धि है। लेकिन 1.15 करोड़ से अधिक मामले लंबित होना एक चुनौती भी है। कहा कि हमारी गति जितनी तेज होगी, आम जनमानस में विश्वास उतना ही मजबूत होगा। सरकार सहयोग को तैयार है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, डिजिटल युग में महिला समानता के मायने व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

2929 करोड़ की धोखाधड़ी में अनिल अंबानी पर मामला दर्ज

सीबीआई ने ऑरकाम और अंबानी के आवासीय परिसर की ली तलाशी

- एसबीआई ने अंबानी और उनकी कंपनी पर दर्ज कराया था मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक से 2929.05 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के संबंध में मामला दर्ज करने के बाद शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के निदेशक अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास की तलाशी ली। सीबीआई ने कहा कि एजेंसी की टीम ने मुंबई में दो जगहों- रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) के आधिकारिक परिसर और अनिल अंबानी के आवासीय परिसर पर तलाशी ली।

सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत के आधार पर गुरुवार को आरकॉम मुंबई, इसके निदेशक अनिल अंबानी, अज्ञात लोक सेवकों और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। यह छापेमारी मुंबई के कफ परेड स्थित अंबानी के आवास सी विंड पर हुई। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अनिल अंबानी की ओर से एक प्रवक्ता ने कहा कि अनिल अंबानी सभी आरोपों से इनकार करते हैं और अपना बचाव करेंगे।

एसबीआई की शिकायत के अनुसार, कंपनी पर विभिन्न ऋणदाताओं का 40,000 करोड़ रुपये से अधिक बकाया है, जिसमें अकेले एसबीआई को 2018 के आंकड़ों के अनुसार 2929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि एसबीआई द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत 10 वर्ष से अधिक पुराने मामलों से संबंधित है। उस समय अनिल अंबानी कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे और दैनिक प्रबंधन में उनकी कोई भागीदारी नहीं थी। यह तथ्य ध्यान देने योग्य है कि एसबीआई ने अपने आदेश से पहले ही पांच अन्य गैर-कार्यकारी निदेशकों के खिलाफ कार्यवाही वापस ले ली है। इसके बावजूद, अंबानी को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया गया है। बयान में कहा गया कि वर्तमान में रिलायंस कम्युनिकेशन का प्रबंधन एसबीआई के नेतृत्व वाली ऋणदाताओं की समिति की देखरेख में किया जा रहा है।

कहा गया कि यह मामला पिछले छह वर्षों से राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और उच्चतम न्यायालय सहित अन्य न्यायिक मंचों पर विचाराधीन है। सीबीआई ने अंबानी और आरकॉम पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह आरोप लगाया गया है कि 13667.73 करोड़ रुपये (44 प्रतिशत) का उपयोग बैंकों और एफआईआई को ऋण और अन्य दायित्वों के पुनर्भुगतान के लिए किया गया, और 12692.31 करोड़ रुपये (41 प्रतिशत) का उपयोग संबंधित पक्षों को भुगतान करने के लिए किया गया।

मुंबई के कफ परेड स्थित अनिल अंबानी का आवास सी विंड, जहां हुई छापेमारी।

ऋण का दुरुपयोग व हेरफेर किया गया

सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि आरोपियों पर आपराधिक साजिश के तहत गलत जानकारी देने का आरोप है। यह भी कि आरकॉम के पक्ष में एसबीआई से ऋण सुविधाएं स्वीकृत करवाईं। ऋण की राशि का दुरुपयोग और हेरफेर किया गया। एसबीआई की शिकायत के अनुसार, आरकॉम, आरआईटीएल और आरटीएल ने बैंकों से कुल मिलाकर 31,580 करोड़ रुपये प्राप्त किए। वर्ष 2020 में फॉरेंसिक ऑडिट में बैंकों से प्राप्त धन के इस्तेमाल का पता लगाया गया।

अंतरिक्ष के गहन अन्वेषण के लिए तैयार रहें वैज्ञानिक

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने किया आह्वान

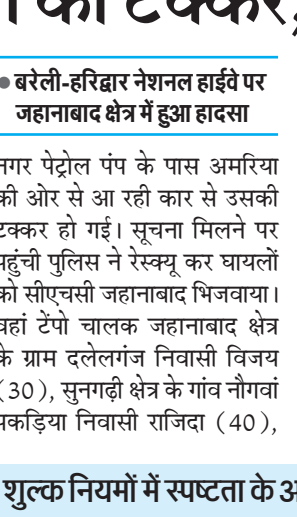

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से मानवता के उज्ज्वल भविष्य से जुड़े रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए एक गहन अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन की तैयारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर एक वीडियो संबोधन में मोदी ने घोषणा की कि भारत भविष्य के मिशनों के लिए अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह बनाने की तैयारी कर रहा है और उन्होंने युवाओं से इस समूह का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम चंद्रमा और मंगल तक पहुंच चुके हैं। अब हमें गहरे अंतरिक्ष में झांकना है, जहां मानवता के भविष्य के लिए लाभकारी कई रहस्य छिपे हुए हैं।

मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद दूसरी उपलब्धि हासिल करना अब भारत और उसके वैज्ञानिकों की स्वाभाविक विशेषता बन गई है। प्रधानमंत्री ने देश भर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों, छात्रों और नीति निर्माताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारा क्षितिज आकाशगंगाओं से भी परे है। अनंत ब्रह्मांड हमें बताता है कि कोई भी सीमा अंतिम सीमा नहीं है।

अंतरिक्ष...निजी क्षेत्र भी आगे आएं

उन्होंने कहा कि आप वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत की बदौलत, भारत जल्द ही गगनयान मिशन लॉन्च करेगा और अपना अंतरिक्ष स्टेशन भी बनाएगा। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से यह प्रश्न किया कि क्या अगले पांच वर्षों में पांच स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन सकते हैं। उन्होंने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से कहा कि मैं चाहूंगा कि निजी क्षेत्र आगे आएं... क्या हम उस मुकाम तक पहुंच सकते हैं जहां हम हर साल 50 रॉकेट प्रक्षेपित कर सकें? मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू करने की मंशा और इच्छाशक्ति दोनों हैं। उन्होंने कहा कि भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को न केवल वैज्ञानिक अन्वेषण के एक साधन के रूप में बल्कि इसे जीवन सुगमता के साधन के रूप में भी देखता है।

भारत 15 वर्षों में 100 से अधिक उपग्रह भेजेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत अगले 15 वर्षों में 100 से अधिक उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। ये उपग्रह सरकारी प्रौद्योगिकी अभियानों और निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले परिचालन मिशनों के तहत प्रक्षेपित किए जाएंगे। सिंह ने दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में यहां आयोजित समारोह के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए अगले 15 वर्षों के वास्ते एक प्रारूप भी जारी किया। इस समारोह में इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन, आईएनएसपीएसी के अध्यक्ष पवन गोयनका और गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्री भी मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज

कर्नाटक के विधायक केसी वीरेंद्र गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी को अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी मामले में धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत शनिवार को सिक्किम से गिरफ्तार किया गया। ईडी ने शुक्रवार को कई राज्यों में छापेमारी शुरू की थी जिसमें 12 करोड़ रुपये, छह करोड़ के सोने के आभूषण, लगभग 10 किग्रा चांदी और चार वाहन जब्त किए। ईडी द्वारा जारी की गई तस्वीर में कैसीनो की मेज पर नोटों की बड़ी-बड़ी गड्डियां रखी हुई दिखाई दे रही हैं।

दिल्ली से नवीन बाली गिरोह के तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बाहरी-उत्तरी दिल्ली के बवाना स्थित एक होटल से नवीन बाली गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। यहां एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस बरामदगी और गिरफ्तारी से पुलिस ने गैंगवार को टाल दिया। अधिकारी ने बताया कि राजेश बवानिया और नवीन बाली गिरोहों के बीच मौजूदा समय में प्रतिद्वंद्विता है, जिसके तहत आरोपी हत्या की साजिश रच रहे थे।

देह व्यापार गिरोह के तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- शनिवार रात पुलिस ने मुख्य आरोपी सचिन व दो साथियों को पकड़ा
- बरेली के थाना बिसारतगंज के रहने वाले हैं सचिन ठाकुर और हसीन

अमृत विचार : लड़कियों और महिलाओं को बंधक बनाकर देह व्यापार कराने और मानव तस्करी गिरोह के सरगना सचिन समेत तीन आरोपियों से मझोला थाना पुलिस की शनिवार की रात 10:30 बजे मुठभेड़ हो गई। तीनों के पैरों में गोली लगने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से फरार सदस्य पिंकी को पुलिस की टीमें तलाश कर रही हैं।

शनिवार की रात थाना मझोला पुलिस की देह व्यापार गिरोह के सरगना समेत तीन आरोपियों से सोनकपुर ओवरब्रिज के पास मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में तीनों के पैर में गोली लगी। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सचिन ठाकुर, हसीन निवासी अतरछेड़ी बिसारतगंज बरेली और विकास चौहान निवासी रुस्तमगढ़ चंदौसी संभल बताया। एसएसपी सतपाल अंतिल, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता भी पहुंच गए। पुलिस ने आरोपी पिंकी की तलाश की, लेकिन वह हत्थे नहीं लगी। तीनों आरोपी कई सालों से कांशीरामनगर में रह रहे थे और देह व्यापार में लिप्त थे। एसएसपी ने बताया कि पिंकी की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं।

कार और टेंपो की टक्कर, 5 की मौत, सात घायल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर जहानाबाद क्षेत्र में हुआ हादसा

अमृत विचार : बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर कार और सवारियों से भरे टेंपो की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया।

शनिवार दोपहर पीलीभीत से एक टेंपो सवारियां लेकर अमरिया की तरफ जा रहा था, बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर गांव सरदार नगर पेट्रोल पंप के पास अमरिया की ओर से आ रही कार से उसकी टक्कर हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर घायलों को सीएचसी जहानाबाद भिजवाया। वहां टेंपो चालक जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम दलेलगंज निवासी विजय (30), सुनगढ़ी क्षेत्र के गांव नौगवां पकड़िया निवासी राजिदा (40), उसकी नाती हमजा (3), पश्चिम बंगाल के मदनापुर निवासी जानेसार (10), फरीदा बी (32) को मृत घोषित कर दिया गया। सात अन्य घायल हुए। सभी को मेडिकल कॉलेज पीलीभीत भेजा गया। वहां से एक घायल को गंभीर होने पर बरेली रेफर कर दिया गया। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी आदि अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। हादसे की वजह वाहनों की तेज रफ्तार बताई जा रही है। फिलहाल इसे लेकर पड़ताल कराई जा रही है।

चमोली में बादल फटा, युवती की मौत, बुजुर्ग लापता, 30 घायल

संवाददाता, चमोली

- अतिवृष्टि से बरसाती नाले में आई बाढ़ बाजारों-मकानों में मलबा भरा
- मुख्यमंत्री धामी ने दिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचार : चमोली जिले में बादल फटने से फिर तबाही का मंजर देखने को मिला है। तहसील थराली में अतिवृष्टि के कारण बरसाती नाले टूनरी गधेरे में आई बाढ़ से बाजारों और मकानों में मलबा भर गया। इस आपदा में एक युवती की मौत हो चुकी है जबकि एक बुजुर्ग लापता है।

करीब 30 लोग घायल हुए हैं। छह गंभीर घायलों को हेलीकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है जबकि दो दर्जन से अधिक का उपचार किया गया। मुख्यमंत्री धामी ने युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। घटना शुक्रवार मध्यरात्रि के बाद की है। अतिवृष्टि के कारण बरसाती नाला उफान पर आ गया जिससे थराली के तहसील, चेपड़ों बाजार, कोटदीप बाजार तथा आसपास के क्षेत्रों के कई मकानों में दो फीट तक मलबा भर गया। सागवाड़ा गांव में मलबा में दबकर कविता नाम की युवती की मौत हो गई। चेपड़ों बाजार में लापता बुजुर्ग की तलाश की जा रही है। कुछ वाहन दब गए, एसडीएम आवास भी क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रभावित क्षेत्र में बचाव कार्य में जुटी पुलिस और अन्य लोग।

असमंजस अमेरिकी सीमा शुल्क नियमों में स्पष्टता के अभाव में कंपनियों का डाक ले जाने से इनकार

टैरिफ का असर... अमेरिका की डाक सेवा रोकी

नई दिल्ली, एजेंसी

- 100 अमेरिकी डॉलर तक की वस्तुओं के लिए सेवाएं जारी रहेंगी

संचार मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी नए मानदंडों में स्पष्टता के अभाव के कारण हवाई वाहक कंपनियों ने अमेरिका जाने वाली डाक ले जाने से इनकार कर दिया है। इस वजह से अमेरिका के लिए डाक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। हालांकि, 100 अमेरिकी डॉलर तक के पत्रों, दस्तावेजों और उपहार वस्तुओं के लिए सेवाएं जारी रहेंगी।

अमेरिकी प्रशासन ने 30 जुलाई, 2025 को जारी एक कार्यकारी आदेश में कहा था कि 100 अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के सामान पर 29 अगस्त से अमेरिका में सीमा शुल्क लागू होगा। कार्यकारी आदेश के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय डाक नेटवर्क के जरिए खेप पहुंचाने वाले परिवहन वाहकों को डाक पर शुल्क लेना और उसका भुगतान करना आवश्यक है। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा ने 15 अगस्त, 2025 को कुछ दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन योग्य पक्षों के पदनाम और शुल्क संग्रह व प्रेषण से संबंधित कई प्रक्रियाएं अनिर्धारित हैं। ऐसे में अमेरिका जाने वाली एयरलाइनों ने परिचालन तैयारी कमी का हवाला देते हुए 25 अगस्त, 2025 के बाद डाक खेप स्वीकार करने में असमर्थता जताई है। इसके बाद, डाक विभाग ने 25 अगस्त, 2025 से अमेरिका जाने वाली सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

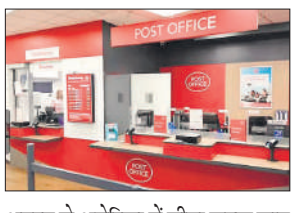

वस्तुएं न भेज पाने पर ग्राहकों के शुल्क वापस कर रहा डाक विभाग

मंत्रालय ने कहा कि सीबीपी और संयुक्त राष्ट्र डाक सेवा से आगे स्पष्टीकरण के आधार पर इन छूट प्राप्त श्रेणियों को स्वीकार किया जाएगा और अमेरिका भेजा जाएगा। डाक विभाग उन ग्राहकों को डाक शुल्क वापस कर रहा है, जिनकी वस्तुएं नहीं भेजी जा सकीं। जिन ग्राहकों ने पहले ही ऐसी सामग्री बुक कर ली है, और जो इन परिस्थितियों के कारण अमेरिका नहीं भेजी जा सकती, वे डाक शुल्क वापसी की मांग कर सकते हैं। डाक विभाग ने कहा कि अमेरिका के लिए पूर्ण सेवाएं जल्द से जल्द बहाल करने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं।

नई व्यवस्था के तहत आने वाले सभी पार्सल पर लगेगा शुल्क

आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था के तहत सभी आने वाले पार्सल पर शुल्क लगेगा, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय डाक खेप तब तक शुल्क मुक्त रहेगी, जब तक कि अमेरिकी सीबीपी एक नई प्रवेश प्रक्रिया स्थापित करके उसे प्रकाशित नहीं कर देता। उन्होंने कहा कि इस निलंबन से वाशिंगटन के नए व्यापार उपायों से होने वाले तत्काल असर का पता चलता है, जिनसे वैश्विक ई-कॉमर्स बाधित हो सकता है। साथ ही भारत तथा अन्य देशों के निर्यातकों पर असर पड़ सकता है।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,24 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

आईएटीओ सम्मेलन में यूपी बना आकर्षण का केंद्र

अमृत वितार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पर्यटन ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। ओडिशा के पुरी में चल रहे भारतीय पर्यटन ऑपरेटर संघ (आईएटीओ) के 40वें वार्षिक सम्मेलन में कन्नौज की सैकड़ों साल पुरानी इत्र बनाने की परंपरा, काशी-अयोध्या-प्रयागराज का आध्यात्मिक त्रिकोण और दीपोत्सव व रंगोत्सव जैसे भव्य आयोजन की झलक प्रस्तुत की गई। कन्नौज के इत्र और परफ्यूम टूरिज्म ने प्रतिनिधियों का मन मोह लिया। 22 से 25 अगस्त तक आयोजित इस सम्मेलन का विषय "रीजुवेनेट इनबाउंड @2030" है और इसमें लगभग 1000 प्रतिनिधि (टूर ऑपरेटर, ट्रैवल मीडिया, होटल उद्योग और नीति निर्माता) शामिल हुए हैं। इस मौके पर यूपी के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे विविधतापूर्ण पर्यटन गंतव्य बनाया जा रहा है।

विमुक्त जाति दिवस कार्यक्रम का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : 31 अगस्त को लखनऊ के गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में 'विमुक्त जाति दिवस' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से विमुक्त जाति समुदाय के लोग हिस्सा लेंगे, जो सामाजिक समावेश और सशक्तीकरण का प्रतीक होगा। 'विमुक्त जाति दिवस' का ऐतिहासिक महत्व है। 31 अगस्त 1952 को भारत सरकार ने अंग्रेजों द्वारा थोपे गए काले कानून 'क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट' को समाप्त किया था, जिसने कई समुदायों को अपराधी घोषित कर उनके अधिकार छीन लिए थे।

एमडीएस में 27 तक छोड़ सकते हैं सीट

अमृत विचार,लखनऊ : नीट पीजी 2025 की संपन्न तीन काउंसिलिंग अंतर्गत एमडीएस में सीट प्राप्त कर चुके अभ्यर्थी अगर सीट छोड़ना चाहते हैं तो वह 27 अगस्त शाम 5 बजे तक छोड़ सकते हैं। इसके लिए उन्हें संबन्धित नोडल सेंटर जाना होगा, अन्यथा धरोहर राशि वापस नहीं होगी। यह निर्देश चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है।

कांग्रेस गठित करेगी रैपिड एक्शन फोर्स

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग में रैपिड एक्शन फोर्स का गठन किया जाएगा। यह पूरे प्रदेश में गरीबों व प्रताड़ित किए जा रहे लोगों को न्याय दिलाने का कार्य करेगी। मतदाता सूची की देखरेख भी करेगी। राष्ट्रीय महासचिव शनिवार को प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय 'विधि विभाग प्रतिनिधि चिंतन कार्यशाला' को संबोधित कर रहे थे।

दिनेश गुप्ता को विशिष्ट राष्ट्रीय सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : स्वर्ग विभा परिवार, मुंबई की ओर से हिन्दी

साहित्य सेवा के लिए उप्र सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मुख्यालय में उप संपादक हिंदी दिनेश कुमार गुप्ता को डॉ. तारा सिंह विशिष्ट राष्ट्रीय सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। उप संपादक के सम्मानित होने पर प्रदेश की विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं, लेखकों, कवियों व पत्रकारों ने हार्दिक बधाई दी है।

अब यूपी में हावी नहीं हो सकती माफिया प्रवृत्ति : योगी

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में दो कल्याण मंडपम का किया लोकार्पण, कहा- बहनों और व्यापारियों के लिए खतरा नहीं बन सकते गुंडे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में कल्याण मंडपम के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जनसमूह को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ वर्ष पूर्व तक कोई सोच भी नहीं सकता था कि यूपी दंगामुक्त और माफियामुक्त होगा। पर, आज दंगामुक्त, माफियामुक्त यूपी हकीकत है। अब यहां माफिया प्रवृत्ति हावी नहीं हो सकती। माफिया प्रवृत्ति को जड़मूल से उखाड़ दिया गया है। अब गुंडे यहां बहन, बेटियों और व्यापारियों के लिए खतरा नहीं बन सकते और न ही यहां के नौजवानों को रोजगार के लिए भटकना पड़ता है।

सीएम योगी शनिवार को गोरखपुर में दो कल्याण मंडपम (मानबेला व राप्तीनगर विस्तार योजना) का लोकार्पण करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कहा कि उत्तर प्रदेश में सकारात्मक बदलाव इसलिए आया है कि 2017 से जनता ने अच्छी सरकार चुनी। अच्छी सरकारें अच्छे के लिए सोचती हैं। मुख्यमंत्री ने जनता के बीच कुछ सवाल रखे और फिर उसका जवाब भी दिया। कहा कि प्रदेश में निवेश, फोरलेन कनेक्टिविटी, बंद खाद कारखाने को दोबारा चलाने, नए उद्योग लगवाने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। पर आज देश में सबसे ज्यादा निवेश यूपी में हो रहा है। बड़े-बड़े उद्योग लग रहे हैं। हर तरफ फोरलेन सड़कों की कनेक्टिविटी हो रही है। गोरखपुर का बंद खाद कारखाना दोबारा चालू हो गया है।

बीमार मानसिकता का भी किया इलाज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ वर्ष पूर्व इस सीजन में नवकी बीमारी (इंसेफेलाइटिस) से बहुत सारे बच्चे काल के गाल में समा जाते थे। सरकार ने इंसेफेलाइटिस और उसके कारकों का इलाज तो किया ही, प्रदेश को बीमार हाल पर छोड़ देने वाली बीमार मानसिकता का भी इलाज किया। यहां उनका इशारा पूर्व की सरकार की तरफ था। वे मानबेला में इंसेफेलाइटिस के दौर को याद कर भावुक हो उठे। कहा कि पूर्व की सरकार में योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर दिया जाता था। पर, अब योजनाओं का लाभ चेहरा देखकर नहीं बल्कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के अनुरूप सबको दिया जाता है।

योगी सरकार में बने रिकॉर्ड 39 कल्याण मंडपम

अमृत विचार : प्रदेश में अब तक 66 कल्याण मंडपम् परियोजनाओं को 260 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इनमें से रिकॉर्ड 39 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 27 निर्माणाधीन हैं, जिन्हें जल्द ही जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इससे कमजोर वर्ग के परिवारों को महंगे मैरिज हॉल या बैंक्वेट हॉल की बुकिंग का भारी भरकम बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

मोदी के जन्मदिन से 2 अक्टूबर तक चलेगा विशेष सफाई अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन से 2 अक्टूबर तक प्रदेश भर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने अगले तीन माह तक व्यापक सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सफाई में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी दंडित किये जाएंगे। नगर विकास मंत्री शनिवार को विभाग की वर्चुअल समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। नगर विकास मंत्री ने सभी बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 'फ्लड मैनुअल' तैयार करने के निर्देश दिए ताकि बाढ़ प्रबंधन व राहत कार्य समयबद्ध और प्रभावी ढंग से किए जा सकें। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय डोर-टू-डोर शत-प्रतिशत कचरा संग्रहण सुनिश्चित करें।

छात्रवृत्ति घोटाले में ऑपरेटर गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ईओडब्ल्यू के आपरेशन शिकंजा के तहत 50वीं गिरफ्तारी

चंद्रमणि सिंह

अमृत विचार : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने ऑपरेशन शिकंजा के तहत 50वीं गिरफ्तारी शनिवार को की। गिरफ्तार कंप्यूटर ऑपरेटर नोएडा में हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा दी जाने वाली 11.33 करोड़ की छात्रवृत्ति घोटाले का आरोपी है। उसके खिलाफ 2014 में नोएडा के सूरजपुर थाने में एफआईआर दर्ज थी। इस मामले में कुल 34 आरोपी थे। जिनमें एक की मौत हो गई थी। वहीं, 24 आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके हैं। 9 की तलाश की जा रही है।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी चंद्रमणि सिंह लखनऊ में चिनहट के पूर्वांचल एन्क्लेव सिमरा में रहता है। वह पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, बैंक अधिकारियों से मिलीभगत कर फर्जी खाते खोलकर अपात्र लोगों को रुपये बांट दिये गये।

ट्रेन में महिला यात्री से छेड़छाड़ का आरोपी कांस्टेबल निलंबित

प्रयागराज,एजेंसी: ट्रेन में एक महिला यात्री से छेड़खानी करने के आरोपी राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक (जीआरपी) प्रशांत वर्मा ने बताया कि प्रयागराज से नई दिल्ली जा रही एक ट्रेन में एक महिला यात्री से छेड़खानी की घटना शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से संज्ञान में आई जिसके तुरंत बाद आरोपी कांस्टेबल आशीष गुप्ता को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि वीडियो में आरोपी कांस्टेबल महिला से माफी मांगते हुए नजर आ रहा है।

मुठभेड़ में एक लाख का इनामी शंकर कनौजिया ढेर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आजमगढ़ के जहानागंज थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के हुई मुठभेड़
- शंकर कनौजिया पर दर्ज हैं हत्या लूट, अपहरण के 10 मामले

शंकर कनौजिया

अमृत विचार : एसटीएफ और आजमगढ़ पुलिस से शनिवार को जहानागंज इलाके में हुई मुठभेड़ में इनामी बदमाश शंकर कनौजिया की गोली लगने से मौत हो गई। उसके पास से एक कार्बाइन, पिस्टल, खुखरी और कारतूस बरामद किए गए हैं। एक लाख के इनामी कनौजिया पर हत्या, लूट, हत्या के प्रयास जैसे 10 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक, वाराणसी यूनिट के इंस्पेक्टर पुनीत परिहार की टीम रौनापार के हाजीपुर गांव निवासी एक लाख के इनामी बदमाश शंकर कनौजिया की तलाश में जुटी थी। टीम को सूचना मिली कि कनौजिया जहानागंज इलाके में वारदात को अंजाम देने आने वाला है। टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर उसे पकड़ने का ऑपरेशन शुरू किया। सुबह 4 बजे नरेहथा पुलिया के पास बाइक से दो लोग आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर फायरिंग करने लगे। टीम की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में कनौजिया घायल हो गया, जबकि साथी भाग निकला। कनौजिया को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर के मुताबिक, कनौजिया हत्या कर पिकप लूटने की वारदात के बाद से फरार था। कनौजिया पर वाराणसी के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने एक लाख रुपये इनाम घोषित किया था।

दो चालकों का सिर काटकर लूटी थीं दो पिकअप

एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक 11 जुलाई 2024 को आजमगढ़ के रौनापार में सिर कटी लाश मिली। मृतक की पहचान शैलेंद्र के रूप में हुई। एक वर्ष बाद भी सिर नहीं मिला। हत्या में शामिल तीन में दो आरोपियों रामछवि उर्फ दबिया और छांगुर को पुलिस ने 15 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। कनौजिया फरार था। आरोपियों ने गोरखपुर से फर्जी कागजों के सहारे पिकअप बुक कर वारदात की साजिश रची थी। 3 जुलाई को शैलेंद्र को लाटघाट बुलाकर खाद्य पदार्थ में जहरीला पदार्थ खिलाया कर अचेत कर दिया था। वहीं, वर्ष 2011 में कनौजिया ने अनिरुद्ध व अरविंद यादव के साथ मिलकर विंध्याचल पांडेय का सिर काट कर हत्या कर लोडर लूटा था। विंध्याचल का धड़ घाघरा नदी में फेंका था। कनौजिया फरार हो गया था, जबकि उसके साथी अनिरुद्ध व अरविंद गिरफ्तार कर लिए गए थे।

अपना दल कमेरावादी ने किया प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : अपना दल (कमेरावादी) विधायक पल्लवी पटेल ने महिला उत्पीड़न और अपना दल के नेता सोनेलाल पटेल की हत्या की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर राजधानी में शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन बलिंगटन चौराहे से शुरू किया और विधानभवन की ओर प्रदर्शन करते हुए बढ़ने लगे, कुछ दूरी ही रास्ता तय किया था कि रतन स्क्वायर के पास से पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उनके साथ प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लेकर ईको पार्क में छोड़ दिया।

महिला उत्पीड़न और अपना दल के नेता सोनेलाल पटेल की हत्या की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर राजधानी लखनऊ में कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन करतीं अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल। ● अमृत विचार

चित्रकूट में मां ने दो बच्चों के साथ जहर खाकर जान दी

चित्रकूट कार्यालय

- गृह कलह के बाद विवाहिता ने उठाया आत्मघाती कदम

अमृत विचार : मारकुंडी थाना क्षेत्र के इटवां डुडैला गांव में शनिवार को एक विवाहिता ने गृहकलह से ऊबकर अपनी तीन संतानों के साथ जहर खा लिया। इससे मां और दो पुत्रियों की मौत हो गई, जबकि बेटा सतना के अस्पताल में भर्ती है।

गांव में बब्बू अपनी पत्नी ज्योति यादव (38) और तीन बच्चों के साथ रहता है। बब्बू किसी की गाड़ी चलाता है। दंपती में रोज कलह होती थी। शनिवार सुबह बब्बू काम पर चला गया तो ज्योति ने जहरीला पदार्थ खा लिया, अपने तीन बच्चों दीपचंद्र (8), चंद्रमा (6), बुलबुल (1) को भी जहर खिला दिया। शाम को बब्बू लौटा तो दरवाजा काफी देर खटखटाने के बाद भी नहीं खुला। इस पर वह बगल के घर से अपने घर की छत पर गया तो अंदर आंगन में चारों लोग बेसुध पड़े थे। सभी को मझगवां अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मां और दोनों बेटियों को मृत घोषित कर दिया। बेटे को सतना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रायबरेली के क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी निलंबित

लखनऊ, अमृत विचार : ईंट-भट्ठों के संचालन के लिए सहमति दिए जाने में अनियमितता करने के आरोप में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रायबरेली के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप कुमार विश्वकर्मा को निलंबित कर दिया गया है।

प्रदीप कुमार के खिलाफ अनिमितता की शिकायतें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली थीं। बोर्ड के अध्यक्ष ने इसकी जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति में पर्यावरण अभियंता प्रवीण व राधेश्याम और मुख्य विधि अधिकारी अनुज चौबे शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय खरीदार देखेंगे 'मेड इन यूपी' की ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. इंटरनेशनल ट्रेड शो में 75 देशों के 340 से ज्यादा बायर्स ने कराई बुकिंग

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की समृद्ध परंपरा, उद्यमिता और कारीगरों का हुनर अब वैश्विक मंच पर और अधिक चमकने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में करीब 80 देशों से 500 से अधिक बायर्स के आने की उम्मीद है। इनमें से अब तक 75 देशों के 340 से ज्यादा बायर्स ने आने की पुष्टि भी कर दी है। यूरोप, एशिया, अमेरिका और अफ्रीका समेत दुनियाभर में फैला यूपीआईटीएस का नेटवर्क है।

योगी सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना पहले ही प्रदेश को अलग पहचान दिला चुकी है। यूपीआईटीएस में इन उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी लगाकर इन्हें वैश्विक खरीदारों से सीधे जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आयोजित यह शो उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय व्यापार का हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। इस मेगा इंटरनेशनल शो को खास बनाने के लिए 17 प्रमुख सेक्टर्स के उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा।

महिला को जिंदा जलाने में पति गिरफ्तार

नोएडा,एजेंसी

- ससुराल पक्ष के अन्य आरोपी फरार, वीडियो वायरल

नोएडा में महिला के साथ मारपीट कर उसे कथित तौर पर जिंदा जला दिया गया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में आरोपी पति को शनिवार शाम को गिरफ्तार कर लिया जबकि ससुराल पक्ष के अन्य आरोपी फरार हो गए हैं।

पुलिस ने बताया कि थाना कासना क्षेत्र के सिरसा गांव में महिला की आग से जलने की वजह से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में आरोपी पति विपिन को गिरफ्तार कर लिया गया है और इस मामले में वांछित तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। वहीं, इस मामले को लेकर आज समाजवादी पार्टी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष मोहित नागर कासना थाने पर विरोध-प्रदर्शन करने पहुंचे, जिन्हें पुलिस ने समझा बूझकर लौटा दिया। मृतका की बहन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया और कहा कि अगर दो दिनों के भीतर सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए तो थाने पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि 21 अगस्त की रात्रि को ग्रेटर नोएडा स्थित एक निजी अस्पताल से कासना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सिरसा गांव की रहने वाली निक्की (28) को जलने की वजह से अस्पताल लाया गया है, जिसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि महिला की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। इस मामले में मृतका की बड़ी बहन कंचन ने उसके पति विपिन, जेठ रोहित, सास दया तथा ससुर सतबीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार शाम को आरोपी पति विपिन को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। वहीं, मोहित नागर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करके कहा कि उन्होंने इस घटना को लेकर आज मृतका के परिजनों से मुलाकात की इस घटना से जुड़ी कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

लोगों के अधिकार छीन रही भाजपा सरकार : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों के अधिकार छीन रही है। वोट की चोरी की, चुनावी प्रक्रिया पर डकैती डाली है। जनता के वोट की लूट की। आने वाला चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। यह फिर एक बार आजादी का चुनाव है। संविधान और अधिकार बचाने का चुनाव है।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पीडीए समाज के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में सभी की भागीदारी रहेगी। सभी को न्याय और सम्मान मिलेगा। प्रदेश में अवरुद्ध हुए विकास के कार्य फिर से शुरू किए जाएंगे। प्रदेश और केन्द्र की भाजपा सरकार ने सब कुछ बर्बाद कर दिया है। केन्द्र सरकार ने अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दिया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। विदेश नीति फेल हो गयी है।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार बड़े-बड़े दावे करती थी कि दुनिया में डंका बज रहा है, लेकिन जब जरूरत पड़ी तो कोई देश भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ।

पेच स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर सेवाएं देने में डॉक्टरों की आयु सीमा बढ़ाने का मामला

सही प्रस्ताव की कमी से अटका चिकित्सकों का पुनर्नियोजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विशेषज्ञ पदों का विवरण स्वास्थ्य विभाग भेजे तो 70 वर्ष आयु सीमा पर बने बात

अमृत विचार : राज्य सरकार सेवानिवृत्त होने वाले चिकित्सकों को संविदा (पुनर्नियोजन) पर सेवाएं देने के लिए अधिकतम उम्र 65 से बढ़ाकर 70 वर्ष करना चाह रही है, मगर स्वास्थ्य विभाग से सही से प्रस्ताव नहीं मिल रहा है। शासन द्वारा दोबारा स्वास्थ्य विभाग से ग्रेड वन से ग्रेड सात तक विशेषज्ञों के रिक्त पदों के सापेक्ष विवरण मांगा जा रहा है, जबकि प्रशासनिक पदों पर डटे विशेषज्ञ चिकित्सक अधिकारी मामले को ठंडे बस्ते में डाले हैं।

स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव अनिल कुमार सिंह द्वारा स्वास्थ्य महानिदेशक को जारी आदेश से स्पष्ट है कि विभाग विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त 4331 पदों को भरने के लिए प्रयासरत है, कैबिनेट में स्वीकृत प्राप्त करने के लिए उसे मजबूत प्रस्ताव चाहिए, जिसकी अपेक्षा स्वास्थ्य महानिदेशक से की गयी थी, मगर विभाग द्वारा बिना विस्तृत विवरण प्रस्तुत किए, पुनर्नियोजन पदों के लिए आयु सीमा 70 वर्ष किए जाने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। जिसे शासन द्वारा न केवल खारिज कर दिया गया है, बल्कि प्रस्ताव को सतही बताते हुए एक सप्ताह में लेवलवार रिक्त पदों को भरने के लिए फ्लो चार्ट की कार्य योजना संबन्धी प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के उक्त पत्र के बाद निदेशालय में तैनात विशेषज्ञ चिकित्सकों को पसीना आना शुरू हो गया है, महानिदेशालय समेत स्वास्थ्य विभाग के अधिकांश कार्यालयों में प्रशासनिक पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सक ही तैनात हैं, ग्रेडवार रिक्त पदों के सापेक्ष तैनाती दिखाने पर, तैनाती पर संकट भी आ सकता है, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में निर्देश जारी हो चुके हैं कि विशेषज्ञ चिकित्सकों को किसी भी सरकारी अस्पताल में सप्ताह में दो दिन चिकित्सकीय सेवाएं देनी होंगी।

273 विशेषज्ञों की बनी रहेगी उपलब्धता

पुनर्नियोजन के 1000 पद के सापेक्ष मात्र 349 डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं, गौरतलब है कि इनमें 273 विशेषज्ञ चिकित्सक हैं, जिनमें हर माह 65 साल आयु पूरी करने वाले चिकित्सक सेवामुक्त हो रहे हैं। इन्हें सेवाओं में बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य महानिदेशालय ने पुनर्नियोजन के पदों पर आयु की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 साल किए जाने का प्रस्ताव भेजा था।

> पुनर्नियोजन के पद पर आयु सीमा बढ़ाकर 70 साल किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया था, दोबारा पत्र में ग्रेड वार फ्लो चार्ट, यानि ग्रेड वन में चार साल की सेवाएं देने के बाद ग्रेड दो में प्रमोशन दिया जाता है, इसी तरह ग्रेड दो में छह साल सेवाएं देने के बाद, ग्रेड थ्री में पदोन्नति मिलती है। यही क्रम ग्रेड सात तक निर्धारित है। जिसे दोबारा के प्रस्ताव में अंकित करते हुए भेजा जाएगा।
>
> -डॉ.रतन पाल सिंह 'सुमन'
> स्वास्थ्य महानिदेशक उप्र.

खाद की किल्लत को लेकर प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी ने किया प्रदेशव्यापी आंदोलन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते आप पार्टी के कार्यकर्ता।

अमृत विचार : प्रदेश में खाद की भारी किल्लत को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को राजधानी में स्वास्थ्य भवन चौराहे समेत प्रदेशभर के सभी तहसील मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश में किसानों को अविलंब खाद उपलब्ध हो, इसके लिए जिलाधिकारी कार्यालय में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे लखनऊ के जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने बताया कि किल्लत के कारण किसानों को घंटों लाइन में लगने के बावजूद खाद नहीं मिल पा रही है। यह सरकार की घोर नाकामी और किसानों के साथ किया जा रहा अन्याय है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की लापरवाही ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेती का मौसम चल रहा है और किसानों को खाद उपलब्ध न कराना सीधे-सीधे उनकी आजीविका पर हमला है। यह शर्मनाक है कि किसान अपनी ही धरती पर अन्न उपजाने के लिए बुनियादी सुविधा के लिए तरस रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में स्पाइडर-मैन बना युवक गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी : शहर के ऐतिहासिक घंटाघर पर 'स्पाइडर-मैन' की ड्रेस पहनकर चढ़ने और खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो बनाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान फराज निवासी अबरार नगर, मेरठ के रूप में हुई है। वह सोशल मीडिया पर स्पाइडर फराज नाम से सक्रिय है और कई ऊंची इमारतों पर स्टंट कर वीडियो बना चुका है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ के आदेश पर थाना देहली गेट पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के स्टंट जानलेवा होने के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहरों के साथ खिलवाड़ भी हैं। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मूल सिक्किम कैडर में लौटेंगे मंडलायुक्त आंजनेय सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्र ने नहीं दिया यूपी में प्रतिनियुक्ति में विस्तार

अमृत विचार : मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह अपने मूल सिक्किम कैडर में लौटेंगे। केंद्र सरकार ने प्रदेश में प्रतिनियुक्ति के लिए उन्हें विस्तार नहीं दिया। राज्य सरकार ने उन्हें रिलीव कर दिया है।

2005 बैच के आईएएस अधिकारी आंजनेय सिंह ने 16 फरवरी 2015 को प्रदेश में कार्यभार ग्रहण किया था। उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि 2020 में पूरी होने के बाद उन्हें पहला विस्तार दिया गया। इसके बाद एक-एक साल के चार विस्तार और 6-6 माह के दो विस्तार दिए गए। इस दौरान वह बुलंदशहर, फतेहपुर और रामपुर के जिलाधिकारी रहे। वह 2 मार्च 2021 से मुरादाबाद के मंडलायुक्त थे। बीती 14 अगस्त को उनकी प्रतिनियुक्त विस्तार अवधि खत्म हो गई। आंजनेय मुख्यमंत्री योगी के करीबी और भरोसेमंद अफसरों में माने जाते रहे हैं। मऊ जिले के रहने वाले आंजनेय जब रामपुर के डीएम थे तो 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान सपा नेता आजम खां ने उन्हें लेकर कई तल्ख टिप्पणी की थी।

दुधवा में अन्य हाथियों के साथ रखकर किया जाएगा ट्रेंड, जिससे रेस्क्यू में मिले मदद

पीटीआर से दुधवा भेजा जाएगा निसर्गा समेत चारों हाथियों का कुनबा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ढाई साल में भी हाथियों के चुस्त-दुरुस्त न होने पर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने लिया फैसला

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व के कैंप में रही हथिनी निसर्गा समेत चारों हाथियों के कुनबे को दुधवा टाइगर रिजर्व भेजा जाएगा। दरअसल यह चारों हाथी कर्नाटक से इसलिए मंगाए थे, ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के दौरान होने पर रेस्क्यू ऑपरेशनों में इनकी मदद ली जा सके, मगर ढाई साल गुजरने के बाद भी हाथियों का कुनबा आपात परिस्थितियों में कोई खास दमखम नहीं दिखा पा रहा है। ऐसे में अब टाइगर रिजर्व प्रशासन ने इन सभी हाथियों को दुधवा टाइगर रिजर्व भेजने का निर्णय लिया है। जहां यह सभी हाथी एक्टिव रहने के साथ-साथ बाघों से मुकाबला करने का भी गुर सीख सकें।

जनपद के जंगलों को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बाद यहां बाघ समेत अन्य वन्यजीवों में खासी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। बढ़ती आबादी और जंगल का दायरा कम पड़ने के साथ ही बाघ समेत अन्य वन्यजीवों ने जंगल से बाहर निकलकर आबादी क्षेत्रों की ओर दस्तक देनी शुरू कर दी। जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में इजाफा होने लगा। जंगल से बाहर घूम रहे बाघ-तेंदुओं को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए गए। हालांकि रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान प्रयुक्त होने वाले संसाधन तो जैसे-तैसे जुटा लिए गए, मगर इन सबके बीच रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान आक्रामक बाघों से निपटने के लिए हाथियों की कमी खासी महसूस की जा रही थी।

माला रेंज स्थित कैंप में हाथियों को भोजन खिलाते महावत। ● अमृत विचार

अक्सर रेस्क्यू ऑपरेशनों के दौरान दुधवा टाइगर रिजर्व से हाथियों को लाया जाता रहा है। ऐसे में देश के अन्य राज्यों से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में हाथियों को लाने की कवायद शुरू हुई, जोकि लंबे अंतराल तक चली। आखिकार नवंबर 2022 में लाखों रुपये खर्च कर कर्नाटक से चार हाथियों को पीलीभीत टाइगर रिजर्व लाया गया था।

इन हाथियों में एक मादा जबकि तीन नर हाथी हैं। माला रेंज में कैंप बनाकर इन हाथियों को रखा गया। शुरूआती दौर में भाषाई दिक्कत के चलते कर्नाटक से महावतों को भी बुलाया गया था। वक्त बीतने के साथ हाथियों ने स्थानीय भाषा भी सीख ली और अब चारों हाथी टाइगर रिजर्व के महावतों की देखरेख में कैंप में रह रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग से रोज 5-10 करोड़ की ठगी, 10 शातिर गिरफ्तार किए

तीन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर, 13 मोबाइल, 2 कार व पौने दो लाख रुपये बरामद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार: ऑनलाइन गेमिंग के जरिये लोगों से साइबर ठगी करने वाले गैंग के 10 शातिर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गैंग योजनाबद्ध ढंग से रोज 5-10 करोड़ की ठगी करता था। इनके कब्जे से मोबाइल, क्रेडिट व डेबिट कार्ड, कार तथा नगदी सहित ठगी में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की गई है।

सदर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान जीटी रोड तिखवा कट से 02 कारों में सवार ऑनलाइन गेमिंग के जरिये लोगों से ठगी करने वाले गैंग के 10 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी विनोद कुमार ने सदर कोतवाली में खुलासा करते हुए बताया कि इस साइबर गिरोह का कुल चार स्तर पर विभाजन है। पहले निचले स्तर पर काम करने वाले लोगों को मीडिया का नाम दिया है जिनका काम जनता के बीच से ऐसे व्यक्तियों

को चिन्हित करना होता है जो कार्पोरेट अकाउन्ट धारक होते हैं। उनसे सम्पर्क करके द्वितीय स्तर के होल्डर से सम्पर्क कराया जाता है जो खाताधारक को पूरी तरह समझाकर इस बात पर सहमत करते हैं कि वह अपना खाता इनको दे देंगे।

उसमें गेम और ट्रेडिंग के जरिये पैसा मंगाएंगे। इसका 20-25 प्रतिशत पैसा खाताधारक को मिलेगा। तीसरे स्तर पर किट होल्डर होता है जिसको किट प्रदान की जाती है। किट के अन्तर्गत खाते की पासबुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधारकार्ड, सिम कार्ड, चेक बुक, आनलाईन बैंकिंग डिटेल्स होती हैं। मीडिया खाता होल्डर एवं किट प्रदाता तीनों स्तरों को 02 – 02 प्रतिशत कमीशन मिलता है। किट होल्डर अपने से ऊपर स्तर पर सारी सूचनायें व सामग्री उपलब्ध कराता है।

सामग्री उपलब्ध कराने वाले को पैनल के नाम से सम्बोधित किया जाता है। पैनल ग्रुप द्वारा एक एपीके फाइल उपलब्ध करायी जाती है जैसे ही खाता धारक का सिम फोन में लगाकर एपीके फाइल रन की जाती है तो तुरन्त ही वह बैंक अकाउन्ट पूरी तरह से पैनल के कन्ट्रोल में हो जाता है और पैनल द्वारा उस अकाउन्ट नम्बर को फर्जी आनलाइन गेमिंग ऐप से कनेक्ट कर दिया जाता है। इससे जनसामान्य द्वारा आनलाइन गेम में लगाया गया पैसा इसी खाते में आने लगता है और लोगों के साथ ठगी हो जाती है। इस प्रकार प्रतिदिन 05-10 करोड़ रुपये की ठगी की जाती है। एसपी ने बताया कि यह गैंग अनुभव गुप्ता व मोहम्मद साहब से करोड़ों रुपये की इसी तरह से ठगी कर चुका है।

इस गैंग की ओर से जो कॉल की जाती है वह फिलीपिंस व नेपाल की शो करती है। खास बात यह होती है कि इनकी ओर से की गई कॉल की लोकेशन नहीं मिलती।

गिरफ्तार किये गये आरोपी

मोहित चोपड़ा निवासी न्यू दिल्ली, अजीत कुमार निवासी सन्तकबीर नगर, सतीश कुमार मौर्य निवासी रामपुर, जगदीश अमेठी, आशुतोष कुमार निवासी श्याम लखनऊ, अमित गुप्ता निवासी आजमगढ, संदीप गुप्ता निवासी नई दिल्ली, यश श्रीवास्तव निवासी लखनऊ, आयुष पाल निवासी लखनऊ, मो. साहिल निवासी लखनऊ, अंकित सिंह निवासी प्रतापगढ को गिरफ्तार किया गया। जबकि फरार चल रहे गोरखपुर निवासी शनि, दिल्ली निवासी अर्जुन व लखनऊ निवासी आयुष शुक्ला की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी को लेकर तेजस्वी पर केस

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ भाजपा महानगर अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाकर केस दर्ज कराया।

भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता की ओर से थाना सदर बाजार में दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री को लेकर अभद्र टिप्पणी की। तेजस्वी ने अपने आधिकारिक अकाउंट से एक कार्टून साझा किया था, जिसमें अभद्रता की गई। उन्होंने इस पोस्ट पर आपत्ति जताई और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बिहार पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया जाए। शिकायत में कहा गया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी देश की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है और इससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। सदर थानाध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया महानगर अध्यक्ष की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। प्रकरण में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अखिलेश दुबे गैंग के 6 अफसरों को एसआईटी का नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- तीन सीओ, एक इंस्पेक्टर व केडीए उपाध्यक्ष के निजी सचिव को भेजा गया नोटिस

अमृत विचार: रंगदारी मांगने और जान की धमकी में जेल में बंद अधिवक्ता अखिलेश दुबे के वफादार और कारनामों में सहयोग देने के आरोप में तीन क्षेत्राधिकारी (सीओ), एक इंस्पेक्टर के अलावा केडीए उपाध्यक्ष के मौजूदा निजी सचिव व पूर्व सचिव को भी एसआईटी के सामने पेश होना पड़ेगा। एसआईटी ने उनको नोटिस भेजा है। अब अखिलेश सिंडिकेट से जुड़े कलेक्ट्रेट, तहसील, नगरनिगम कर्मचारियों को भी नोटिस भेजने की तैयारी है।

अखिलेश दुबे पर शिकंजा कस रही पुलिस ने अब उसके सहयोगियों पर भी निगाह टेढ़ी की है। एडीसीपी राजेश पांडेय के अनुसार अखिलेश दुबे से जुड़े मामलों में जांच के लिए गठित एसआईटी को उसके सिंडिकेट से जुड़े अफसरों के खिलाफ भी पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। इसके बाद मैनपुरी में तैनात सीओ ऋषिकांत शुक्ला, हरदोई में तैनात सीओ संतोष सिंह और लखनऊ कमिश्नरेट में एसीपी सरोजनीनगर विकास पांडेय को एसआईटी की ओर से नोटिस भेजा गया है। अखिलेश के दरबार में खाकी वर्दी की मंडली जुटाने में ऋषिकांत शुक्ला की भूमिका सबसे ऊपर है। चर्चा है कि अखिलेश सिंडिकेट के एक बागी सदस्य के साथ मिलकर ऋषिकांत ने बिठूर सहित शहर के कई इलाको में कीमती विवादित जमीनों को कम कीमत पर हथियाया है। इसका शिकायती पत्र पुलिस कमिश्नर व एसआईटी के पास पहुंचा है। शिकायत में इसका भी जिक्र है कि सीओ ने अपने रिश्तेदारों और मित्रों के नाम से विवादित जमीनों को खरीदा था। इसी तरह हरदोई में तैनात सीओ संतोष सिंह व लखनऊ में तैनात एसीपी विकास पांडेय ने भी शहर में तैनाती के दौरान अखिलेश दुबे से जुड़े रहे थे। एसआईटी ने पुलिस कमिश्नरेट में डॉयल 112 में तैनात इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी को भी नोटिस भेजा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार तैनाती के दौरान आशीष द्विवेदी जेल भेजे गये दीनू उपाध्याय और अखिलेश दुबे के लिए मुखबिरी का काम करता था। पुलिस अधिकारियों की गुप्त सूचनाएं अखिलेश सिंडिकेट तक पहुंचाता था।

बलिया में बिजली अभियंता पर हमला

लखनऊ, अमृत विचार : बलिया में कार्यालय में घुसकर बिजली के अधीक्षण अभियंता पर जानलेवा हमला किया गया। इस मामले में अभियंता की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ ने इस जानलेवा हमले का कड़ा विरोध किया है। साथ ही, सरकार व प्रबंधन से अभियंताओं को समुचित सुरक्षा देने व आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि विभाग में अधीक्षण अभियंता जिले पर सबसे बड़े अधिकारी होते हैं। अगर अभियंता के साथ कार्यालय में घुसकर जानलेवा हमला होता है तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए हमलावरों के खिलाफ एफआईआर तत्काल दर्ज कर गिरफ्तार कराए जाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि इससे पूर्व कुशीनगर में 24 जुलाई को सरकारी कार्यालय में कार्य कर रहे उपखंड अधिकारी (विद्युत) शुभम अग्रहरी पर हमला हुआ था और कार्यालय में तोड़फोड़ हुई थी। उपखंड अधिकारी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट का वीडियो प्रदेश भर में वायरल होता रहा।

तीन छात्राओं ने खाया जहर, एक की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक ही कॉलेज की तीन छात्राओं ने रहस्यमय परिस्थितियों में एक साथ जहर खा लिया। घटना में ग्रीन फील्ड एकेडमी की छात्रा माही वर्मा की मौत हो गई, जबकि उसकी दो सहेलियों का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। मामले में दो युवकों की संदिग्ध भूमिका सामने आई है, जिस पर पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

कनौजिया कॉलोनी निवासी माही वर्मा 15 अगस्त को दोस्तों के साथ पार्टी करने की बात कहकर घर से निकली थी। वह अपनी दोनों सहेलियों और एक परिचित युवक के साथ विलोबी के एक रेस्टोरेंट गई थी। वहां खाना-पीना करने के बाद सभी घर लौट आए। घर पहुंचते ही माही की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों ने पहले झाड़-फूंक कराई, लेकिन जब हालत में सुधार नहीं हुआ तो उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान 19 अगस्त को उसकी मौत हो गई। शुक्रवार देर रात परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। माही की दोनों सहेलियां भी जहर खाने की बात स्वीकार कर रही हैं, लेकिन उन्होंने पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस को शक है कि किसी दबाव या डर की वजह से छात्राएं सच सामने नहीं ला रही हैं। हालांकि पुलिस ने अभी केस दर्ज नहीं किया है।

परिजनों का आरोप, दो युवक जिम्मेदार

मृतका माही के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है। उनका आरोप है कि पार्टी में शामिल दो युवक इस घटना में संलिप्त हो सकते हैं। परिजनों ने कहा कि बेटियों को फंसाकर या बहका कर ऐसा कदम उठाने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर गहराई से जांच कर रही है। घटनास्थल और रेस्टोरेंट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस मृतका और उसकी दोनों सहेलियों की कॉल डिटेल निकालकर भी जांच कर रही है।

मोहल्ले में मातम, सहपाठियों में दहशत

माही की मौत से कनौजिया कॉलोनी और ग्रीन फील्ड एकेडमी दोनों जगह मातम पसरा है। सहपाठी छात्राएं गमजदा हैं और सवाल उठा रही हैं कि आखिर ऐसा कदम उठाने की नौबत क्यों आई। वहीं मोहल्ले के लोग इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

- दो युवकों पर शक, पुलिस हर पहलू पर कर रही जांच

> सर पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। घटना स्थल और रेस्टोरेंट के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल कॉल डिटेल्स भी खंगाली जा रही हैं, ताकि घटना की असली वजह सामने लाई जा सके। जल्द ही पूरी सच्चाई सामने आएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> –हेमंत राय, शहर कोतवाल

खीरी में पीसीएफ के दो बाबू रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- एंटी करप्शन के जाल में फंसे दोनों, 40 लाख भुगतान कराने की एवज में लिए थे 90 हजार

अमृत विचार: सहकारिता विभाग में फैला भ्रष्टाचार एक बार फिर बेनकाब हो गया। प्रादेशिक सहकारी संघ पीसीएफ के दो बाबू ठेकेदार से 40 लाख रुपये का बकाया भुगतान जारी कराने के एवज में 90 हजार की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन की टीम ने शनिवार को दोनों को रंगेहाथ दबोच लिया।

मोहल्ला ईदगाह के रहने वाले ठेकेदार आनन्द कुमार सिंह लंबे समय से पीसीएफ में खाद ढुलाई का काम कर रहे हैं। उनके करीब 40 लाख रुपये विभाग पर बकाया थे। आरोप है कि फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रामापुर निवासी पटल सहायक अनिल वर्मा 70 हजार और लखनऊ के राजाजीपुरम निवासी भंडार नायक हिमांशु शेखर गौतम ने 20 हजार रुपये की मांग की थी। ठेकेदार ने एंटी करप्शन विभाग को पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत सही पाए जाने पर लखनऊ से टीम लखीमपुर खीरी पहुंची और दोनों बाबुओं को रंगेहाथों पकड़ने का जाल बिछाया। योजना के तहत ठेकेदार ने आरोपित बाबुओं को रिश्वत की रकम सौंपी। जैसे ही दोनों ने रुपये हाथ में लिए, टीम ने उन्हें दबोच लिया।

एंटी करप्शन अधिकारियों के मुताबिक अनिल वर्मा को रोडवेज बस अड्डे के पास जबकि हिमांशु गौतम को गुरु नानक इंटर कॉलेज के निकट से गिरफ्तार किया गया। दोनों को कोतवाली लाकर पूछताछ के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है। आगे की कार्रवाई के लिए लखनऊ ले जाया गया। इस कार्रवाई के बाद सहकारिता विभाग में हड़कंप मच गया है। ठेकेदारों का कहना है कि भुगतान टालकर वसूली का खेल लंबे समय से चल रहा था, लेकिन अब पहली बार ऐसे भ्रष्ट बाबुओं पर शिकंजा कसा गया है।

कुत्तों के हमले में युवती घायल, चेहरे पर 10 टांके आए

कानपुर, एजेंसी: कानपुर के श्याम नगर इलाके में 21 वर्षीया कॉलेज छात्रा आवारा कुत्तों के हमले में घायल हो गई। युवती के चेहरे पर 17 टांके आये हैं। पीड़िता की पहचान वैष्णवी साहू के रूप में हुई है। साहू को कांशीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके चेहरे पर 17 टांके लगाए और काटने के कई घावों का इलाज किया। वैष्णवी साहू बुधवार को महाराजपुर स्थित एक संस्थान से घर लौट रही थीं, तभी मधुवन पार्क के पास उन पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया।

साहू के चाचा आशुतोष निगम ने संवाददाताओं को शनिवार को बताया कि बंदरों और आवारा कुत्तों के बीच हुई झड़प के बाद यह हमला हुआ। उन्होंने बताया कि कुत्तों ने वैष्णवी पर झपट्टा मारा, उसे जमीन पर घसीटा और उसके चेहरे को बुरी तरह नोंच डाला। आशुतोष ने कहा कि उसका दाहिना गाल बुरी तरह जख्मी हो गया और नाक पर भी चोटें आईं।

मोटी कहकर चिढ़ाया तो पड़ोसन को चाकू घोंपा

संवाददाता, हल्द्वानी

- हल्द्वानी में सनसनीखेज वारदात हमलावर महिला पर केस दर्ज

अमृत विचार : मोटी कहकर चिढ़ाना एक महिला को इतना नागवार गुजरा कि उसने पड़ोसन के पेट में चाकू घोंप दिया। घायल महिला को डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल (एसटीएच) में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अभियोग दर्ज कर आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, हाथीखाल गोरापड़ाव बरेली रोड निवासी पुष्पा देवी पत्नी निर्मल सिंह ने कुछ दिन पूर्व पड़ोसन दीपा देवी पत्नी नंदन सिंह को मजाक में मोटी कह दिया था। उस दिन तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन यह बात उसे चुभ गई। शुक्रवार देर शाम पुष्पा अपनी देवरानी हेमा और मोहिनी के साथ घर से निकली तो पड़ोसन दीपा वहां पहुंच गई और दोनों में गाली-गलौज व मारपीट हो गई। इसी बीच दीपा ने चाकू निकाला और पुष्पा के पेट में घोंप दिया। चाकू के 3-4 वार से पुष्पा लहूलुहान होकर दर्द से चीखने लगी। एसटीएच की आईसीयू में उसका उपचार चल रहा है।

शनिवार को कोतवाली पहुंचे पीड़ित पक्ष की महिला सिपाही से तीखी तकरार हो गई। पुष्पा के परिजनों के अनुसार, उन्होंने कार्रवाई के लिए महिला सिपाही को तहरीर दी। मामले को गंभीरता से लेने के बजाय सिपाही ने कहा कि ऐसा तो होता रहता है। इस पर पीड़ित पक्ष की महिला सिपाही से तीखी बहस हो गई। कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि घायल की देवरानी हेमा की तहरीर पर आरोपी महिला के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में अभियोग दर्ज कर जांच की जा रही है। घायल महिला का पति सैन्यकर्मी है जबकि आरोपी महिला का पति सेवानिवृत्त फौजी है।

मोमो खाने के बाद स्नातक की छात्रा की हालत बिगड़ी, मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मोमो खाने के बाद बीए में पढ़ने वाली 19 वर्षीय छात्रा की हालत अचानक बिगड़ गई। उसे पेट में तेज दर्द और जलन महसूस होने लगी। परिजन उसे लेकर एसटीएच पहुंचे, जहां उपचार के दौरान छात्रा की मौत हो गई।

जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा निवासी मीनू मौर्या पुत्री भूपराम मौर्या एमबीपीजी कालेज में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी और एनसीसी की ट्रेनिंग कर रही थी। वह रोजाना सुबह 6 बजे एनसीसी के लिए निकलती थी और दोपहर तक घर लौट आती थी। शुक्रवार को भी वह तय समय पर घर से निकली, लेकिन जब दोपहर लौटी तो उसकी हालत खराब थी। उसे पेट में दर्द और तेज जलन महसूस हो रही थी। कुछ ही देर बाद उसने घर में उल्टियां शुरू कर दीं, जिसके बाद परिजनों सकते में आ गए। परिजन उसे नजदीक के एक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे घर भेज दिया गया। घर पहुंचने पर एक बार फिर उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। जिसके बाद आनन-फानन में उसे लेकर एसटीएच पहुंचे, जहां उपचार के दौरान देर शाम उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक घर से अस्पताल लाते वक्त मीनू ने बताया था कि रास्ते में उसने मोमो खाए थे, जिसके बाद उसे पेट में अजीब सा महसूस होने लगा। कोतवाल राजेश कुमार यादव का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह सामने आएगी। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने आपदा परिचालन केंद्र में की समीक्षा, आपदाग्रस्त क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त मकानों को व मृतक आश्रितों को मिलेंगे 5–5 लाख रुपये

आपदा प्रभावितों को तत्काल 10 लाख रुपये की सहायता

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कार सिंह धामी ने शनिवार रात आपदा परिचालन केंद्र देहरादून में थराली (चमोली) आपदा राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि क्षतिग्रस्त मकानों के लिए पांच लाख रुपये की सहायता राशि तत्काल प्रभावितों को जारी की जाए। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को भी 5 लाख रुपये की सहायता राशि तत्काल प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि स्याना चट्टी से पानी की निकासी की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए। अधिकारियों को स्पष्ट किया कि थराली में जो लोग बेघर हुए हैं, तात्कालिक रूप से उनके लिए बेहतरीन व्यवस्था की जाए तथा इसके साथ ही पुनर्वास का काम भी तेजी से आरंभ किया जाए। प्रभावितों को राहत सामग्री तत्परता से मिल जाए और सभी आवश्यक सामान एक साथ दिया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि थराली आपदा प्रभावित क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क नेटवर्क सहित सभी मूलभूत जरूरत को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। प्रभावितों को बांटी जाने वाली राशन सहित सभी प्रकार की राहत सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने मलबे में दबने से युवती के निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना पर उनके सुरक्षित व सकुशल होने की कामना की है। उन्होंने थराली के निवासियों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि राहत व बचाव दल युद्धस्तर पर कार्य कर रहे हैं। सीएम ने निर्देश दिए हैं कि जिन लोगों के भी भवन खतरे की जद में हैं, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए व उनके रहने, भोजन आदि की व्यवस्था की जाए।

थराली में घर में घुसे मलबे को साफ करते सेना के जवान।

थराली में आपदाग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण करते डीएम चमोली और साथ में पुलिसकर्मी।

मथुरा जंक्शन से एक साल की बच्ची का अपहरण, तलाश जारी

मथुरा, एजेंसी: मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने एक वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि युवक को बच्ची को उठा कर ले जाते हुए देखने के बाद महिला ने शोर मचाया लेकिन जब तक कोई उसे पकड़ता, आरोपी उसी प्लेटफार्म पर झांसी जाने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़कर फरार हो गया। राजकीय रेलवे पुलिस थाना प्रभारी यादराम सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात करीब दस बजे की है। ट्रेन सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस आ रही थी। इससे कुछ ही क्षण पहले प्लेटफार्म पर पति आनंद व दो बच्चियों संग सो रही जबलपुर निवासी पूजा शौचालय गई थी और वापस लौटते समय उसकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो उसकी एक वर्षीय बच्ची को उठाकर ले जा रहा था।

न्यूज ब्रीफ

समर्थ पोर्टल पर प्रवेश कन्फर्म कराएं छात्र

मीरगंज, अमृत विचार : राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज मीरगंज में सत्र 2025-26 में बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले जिन विद्यार्थियों ने अभी तक ऑनलाइन समर्थ पोर्टल पर प्रवेश कंफर्म नहीं कराए हैं वे अतिशीघ्र अपने प्रवेश 26 अगस्त तक अवश्य कंफर्म कर लें।प्रवेश कंफर्म नहीं करने की स्थिति में उनका प्रवेश निरस्त हो जाएगा।ये सूचना महाविद्यालय के प्रवेश समिति द्वारा प्रोफेसर विजय बहादुर सिंह बिष्ट के द्वारा दी गई।

गाय को बचाने में खाई में घुसी बस,एक घायल

आंवला, अमृत विचार : अचानक सामने आई गाय को बचाने के चक्कर में सवारियों से भरी एक बस अनयंत्रित हो गयी और खाई में घुस गयी। जिससे बस का हैल्पर महताब घायल हो गया। शनिवार की शाम बस बरेली से आंवला जा रही थी। आंवला भमोरा रोड के मोहम्मदपुर पथरा और रामनगला गांव के मध्य पैट्रोल पम्प के समीप अचानक एक गाय सडक पर आ गयी। उसे बचाने को चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिये।

नरायन नगला में मगरमच्छ की दहशत

बहेड़ी ,अमृत विचार : नरायन नगला स्थित किच्छा नदी में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। मगरमच्छ को देखने के लिए नदी के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। मगरमच्छ काफी देर तक नदी किनारे बैठा रहा और फिर नदी में चला गया। किच्छा नदी में मगरमच्छ दिखाई देने पर प्रशासन ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और नदी की तरफ न जाने की सलाह दी है।

सांड ने मारी टक्कर बाइक सवार घायल

मीरगंज ,अमृत विचार : शनिवार की रात आठ बजे नगरिया सादात निवासी सफदर कुरैशी अपने छोटे लड़के हसन की दवा लेने जा रहे थे। साप्ताहिक बाजार के सामने बीच सड़क पर दो सांड़ आपस में लड़ रहे थे। नजदीक आने पर छुट्टा सांड ने जोरदार टक्कर मार दी,इससे वह बाइक से गिर गये औरगंभीर रुप से घायल हो गये।

पति व ससुर को जेल

नवाबगंज ,अमृत विचार : रिछौला किफायतुल्ला निवासी अंगनलाल की पुत्री पूजा का शव 21 अगस्त को फंदे से लटका पाया गया था। शनिवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पति व ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि सास उर्मिला और चचिया ससुर लाल कुंवर फरार हैं।

ट्रॉली में घुसा ऑटो, चालक की मौत, छह यात्री घायल

सुभाष नगर का रहने वाला था चालक, मनौना धाम से लौट रहे थे

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : मनौना धाम से श्रद्धालुओं को लेकर बरेली लौट रहा एक ई-ऑटो ईंटो से भरी हुई ट्रॉली में घुस गया। जिसमें ऑटो चालक की मौत हो गयी। दो श्रद्धालु गम्भीर और चार घायल हो गये।

ग्रामीणों ने बताया कि चालक ऑटो के अगले भाग में फंस गया। मौजूद लोगों ने ऑटो का अगला भाग काटकर चालक को बाहर निकाला। एस आई कैलाश चन्द्र ने बताया कि शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे ई ऑटो से कुछ श्रद्धालु मनौना धाम से बरेली जा रहे थे। आंवला भमोरा रोड के मोहम्मदपुर पथरा गांव में उच्च प्राथमिक विधालय के समीप सडक किनारे खडी ईंटों से भरी ट्रॉली में ऑटो पीछे से घुस गया। जिससे ऑटो चालक समेत तीन लोग गम्भीर घायल हो गये। जवकि 2 बच्चों और 2 महिलाएं घायल हो गयीं। ग्रामीणों ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। एसएसआई राजेश बाबू मिश्रा ने बताया कि ऑटो चालक रवि (30) निवासी सुभाष नगर बरेली की इलाज के दौरान मौत हो गयी। जबकि मेरठ निवासी जौनी, गौरी बाजार देवरिया निवासी रामानी देवी गम्भीर घायल हैं। अन्य लोग मामूली घायल हैं।

क्षतिग्रस्त आटो। ● अमृत विचार

- मेरठ व देवरिया के लोग गंभीर अन्य मामूली रूप से घायल

श्मशान भूमि पर मिला शव

नवाबगंज : श्मशान स्थल पर सुबह एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना पर हड़कम्प मच गया, पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई शव के पास ही कुछ रुपये , शराब के पौवे ,ताश मिले। शव के सीने पर जूते के निशान हैं। शव की शिनाख्त चाणक्यपुरी के मुनीश कुमार (42) के रूप में हुई है। वह ईको चालक था। परिजनों ने हत्या करने की आशंका जताई है।

अलीगंज :थाना क्षेत्र के गांव गैनी की बाजार में शनिवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान बदायूं के शेखूपुर निवासी चैनी (38) पुत्र अलीजान के रूप में हुई है। वह दो महीने से अपनी ससुराल गैनी में रह रहा था और शराब पीने का आदी था। शाम को वह घर से निकल गया था। सुबह ग्रामीणों ने शव लटका देखा।

शिकायत करनी है तो पत्र देकर करें, मौखिक नहीं

संवाददाता, क्योलडि.या

अमृत विचार : गोशाला में पशुओं की देखभाल नहीं हो रही है। अव्यवस्था से गोशाला में पशु लगातार मर रहे हैं। इनकी तरफ संचालक का ध्यान नहीं है। कुछ दिन पूर्व फिर यहां पशुओं की मौत हुई है। पशुओं को खाने में उचित आहार नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों की इन शिकायतों को सुनकर एडीएम प्रशासन ने कहा कि किसी को कोई शिकायत है तो कार्यालय आकर लिखित शिकायत करे। दोषी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह व एसपी उत्तरी मुकेश चन्द्र मिश्रा शनिवार को मधुनगला गोशाला के निरीक्षण को पहुंचे थे।

गोशाला के निरीक्षण को पहुंचे एडीएम ने यहां पाया कि गोशाला में 17 पशु बिना टैग के मौजूद हैं। उन्होंने सभी पशुओं को टैग लगाने के निर्देश दिये। मौके पर 198 नंदी और 219 गाय मिली। उन्होंने पशुओं को सुबह और शाम को ताजा हरा चारा देने की व्यवस्था करने को कहा। गोशाला में टीन शेड लगाने और सीसीटीवी लगवाने के निर्देश प्रधान को दिये गये हैं।

निरीक्षण के बाद कमियों पर सुधार लाने की चेतावनी दी। पशु चिकित्सा अधिकारी के उपलब्ध न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और अभिलेख चेक किये। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि किसी ग्रामीण को गोशाला में आना है तो उसका मोबाइल गोशाला के बाहर रखवाया जाए। इस दौरान उप जिलाधिकारी उदित पवार, तहसीलदार दुष्यंत कुमार प्रधान अनमोल वर्मा, लेखपाल योगेश कुमार, सुमित वर्मा, प्रभारी निरीक्षक राजबली सिंह समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

मधुनगला गोशाला के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से बातचीत करते अफसर।

- मधुनगला गोशाला में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं
- एडीएम प्रशासन ने किया गौशाला का निरीक्षण

चिटौली गोशाला में गंदगी की भरमार, लगाई फटकार

मीरगंजः गोशाला में गंदगी देखकर तहसीलदार ने केयरटेकर को फटकार लगाई है। तहसीलदार शनिवार को चिटौली गोशाला का औचक निरीक्षण किया ।

तहसीलदार आशीष कुमारसिंह ने गोशाला का निरीक्षण किया तो उन्हें गोशाला में गंदगी की भरमार देखने को मिली। उन्होंने कहा कि गदंगी से मच्छरों के पनपने का खतरा है। उन्होंने केयरटेकर से इस अव्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिये और व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने पर कड़ी कारवाई की बात कही है। नायब तहसीलदार ने शाही गोशाला का निरीक्षण किया। दोनो गोशालाओं में भूसा और चारे की व्यवस्था ठीक मिली है।

पशु चिकित्सकों को कर दिया माफ

बरेली, अमृत विचार : मधुनगला गांव में गोशाला में गोवंशीय पशुओं की मौत के मामले में पशु चिकित्सकों को सिर्फ चेतावनी देकर माफ कर दिया गया है, जबकि सचिव को निलंबित किया गया है। बीते दिनों गोशाला में गोवंशीय पशुओं की मौत का वीडियो वायरल होने पर डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने गोशाला का निरीक्षण किया और डीएम के निर्देश पर पर मधुनगला के प्रधान, सचिव नवाबगंज और क्योलडिया के पशु चिकित्सकों को नोटिस जारी किया था। इनमें सचिव को निलंबित कर दिया गया। सीवीओ मनमोहन पांडेय ने दोनों पशु चिकित्साधिकारियों को नोटिस का जवाब मिलने पर कड़ी चेतावनी देते हुए माफ कर दिया है।

दुकान से टप्पेबाज तीन अंगूठी लेकर फरार

संवाददाता, शीशगढ़

अमृत विचार : ज्वेलर्स की एक दुकान से टप्पेबाज तीन सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गया। थाना में घटना की तहरीर दी गई है।

मोहल्ला पड़ाव में नसीर अहमद की सर्राफ की दुकान है। दुकान के बराबर में ही शफीक अहमद की कपड़े की दुकान है। शनिवार दोपहर शफीक की दुकान पर एक अज्ञात व्यक्ति आया और पैंट के तीन कपड़ेदेखने के बाद सोने की अंगूठी लेने को किसी परिचित की दुकान बताने को कहा। कपड़ा व्यापारी ने पड़ोसी की दुकान बता दी। वहां व्यक्ति ने तीन अंगूठियां पसंद की और उनका वजन कराकर कपड़े की दुकान में बैठी मां को दिखाने की बात कहकर सराफा दुकान से निकला और फरार हो गया। कुछ देर तक नहीं लौटने पर सर्राफ नसीर को ठगी का अहसास हुआ। अंगूठी की कीमत 50 हजार बताई है। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

रिश्तेदार बताकर 50 हजार रुपये ठगे

बहेड़ी, अमृत विचार : ठग ने रिश्तेदार बता एक व्यक्ति से पचास हजार रुपए ठग लिए। मोहितअग्रवाल का कहना है कि उनके मोबाइल पर फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को मोहित का रिश्तेदार बताते हुए कहा कि बेटा अस्पताल में भर्ती बताकर पैसे की जरूरत बताई थी। विश्वास में आकर तीनबार में 50 हजार दे दिये। पैसे ट्रांसफर करने के बाद फोन करने वाले का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया ।

राधा कृष्ण स्वरूप बच्चों ने मनमोहा

इफको में हुई प्रतियोगिता में राधा-कृष्ण रूप में पहुंचे बच्चे । ● अमृत विचार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : इफको पॉलपोथन नगर में श्री राधा-कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चे रंगबिरंगी पोशाकों में सजकर, कान्हा की वंशी थामकर, माखन मटकी के संग मंच पर उतरे। प्रतियोगिता में 40 बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता शुभारंभ इफ्को के वरिष्ठ महाप्रबंधक सत्यजित प्रधान एवं सुबह महिला क्लब की अध्यक्षा केतकी प्रधान ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता चार वर्गों में हुई। अरुण वर्ग, उदय वर्ग, शिशु वर्ग एवं बाल वर्ग में विभाजित की गयी। जिसमें अरुण वर्ग में प्रिशा तिवारी, मिशिका वार्ष्णेय, अक्षरा रस्तोगी, अगस्तय पाल, आव्यान गुप्ता, उदय वर्ग में हिया धांगध्रिवा, कषिका चौधरी, सत्यम यादव, भावेश तिवारी, आयु गंगवार, शिशु वर्ग में आद्विक सिंह, अविका गंगवार, अभिनन्दन गुप्ता, उत्कर्ष, हर्ष, बाल वर्ग में अनाया सक्सेना, अधिरा मिश्रा, निशिका पाण्डेय, अनवी गुप्ता, संस्कृति गंगवार कृमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, और पंचंम स्थान पर रहे।

संरक्षित पशु की हत्या दो गिरफ्तार, नौ फरार

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : एक गैंग बनाकर आवारा संरक्षित पशुओं की हत्या करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो मांस तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब कि नौ लोग चकमा देकर फरार हो गए। मांस तस्करों ने 15 दिन पूर्व धिमनी रोड किनारे मिले अवशेषों की घटना के जुर्म को स्वीकार किया है।

भोजीपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा धौंराटांडा से कुआडांडा धिमनी रोड किनारे 15 अगस्त का संरक्षित पशु के अवशेष मिलने के मामले की रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

शुक्रवार की रात सूचना पर प्रभारी निरीक्षक प्रवीन सोलंकी, निरीक्षक धर्मेश कुमार,चौकी इंचार्ज धौंराटांडा संजय कुमार टीम के साथ धौंराटांडा स्थित दादा मियां की मजार के पास पहुंचे। पुलिस को देखकर नौ लोग अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने छोटे उर्फ़ अब्दुल कय्यूम, निवासी वार्ड 10 व छोटे उर्फ़ एसओ वार्ड, 9 कस्बा धौंराटांडा को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इनके कब्जे से मांस काटने के औजार, एक मोटरसाइकिल व 40,000 रुपये बरामद हुए। मांस तस्करों ने पुलिस को बताया कि वह लोग अवारा पशुओं का वध करके मांस बेच देते हैं। मौके से अजीम,शकील उर्फ पोला, रिजवान उर्फ बंटरा,मोनिश,फईम,शानू,जीशान उर्फ जलीस,जुबैर, पप्पू, निवासी कस्बा धौंराटांडा फरार हो गये। इनकी तलाश जारी है।

धार्मिक टिप्पणी करने पर रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : एक गांव में व्हाट्सएप ग्रुप पर दूसरे समुदाय के द्वारा धार्मिक टिप्पणी किए जाने के मामले में की गई शिकायत पर पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टिसुआ में सामाजिक व्हाट्सएप ग्रुप में तमाम लोग जुड़े हैं । शुक्रवार की देर रात दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति के द्वारा इस ग्रुप पर टिप्पणी कर दी गई । यह मामला एक्स में भेजा तो पुलिस सक्रिय हुई और उसने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

राम ने अयोध्या में शबरी प्रेम की चर्चा की

आंवलाः कथा व्यास पं. बृजेश पाठक ने कथा सुनाते हुए कहा कि रामचरितमानस में शबरी और गिद्ध राज जटायु को जो स्थान और सम्मान प्रभु ने दिया, वह माता कौशल्या और महाराज दशरथ तक को प्राप्त नहीं हो सका। वनवास काल में भूखे निकलने वाले श्रीराम को तृप्त करने का सौभाग्यशबरी को ही मिला। इसी तरह जटायु के अंतिम संस्कार का गौरव प्रभु राम ने स्वयं अपने हाथों से पूरा किया, जो आमतौर पर पुत्र का कर्तव्य माना जाता है।वनवास काल की स्मृतियां पूछीं गईं, तो उन्होंने शबरी और जटायु के प्रेम की चर्चा की। राम की यही विनम्रता और करुणा उन्हें महान बनाती है।

अश्लील हरकत करने पर चप्पल से पीटा

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : शनिवार को ऑटो में महिला से अश्लीलता करना मनचले को उस समय भारी पड़ गया जब महिला ने ऑटो से खींचकर बीच सड़क पर मनचले पर चप्पलों की बरसात कर दी। खुद को बचाने के लिए मनचले ने इधर-उधर भागने का प्रयास किया, तभी ऑटो में बैठे अन्य सवारी ने राहगीरों ने उसे छुड़वा दिया। महिला ने उसे दुबारा पकड़ लिया तो वह सड़क पर महिला से हाथ जोड़ कर माफी मांगता नजर आया। सड़क पर हंगामा होने से एक बार को भीड़ जमा हो गई पास के चौराहे पर बैठे गार्डों ने मौके पर पहुंच कर मामले में दोनों पक्षों को भगा दिया। यह सारा नज़ारा मौजूद लोगों ने कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है।

महिला से अश्लीलता करने पर सड़क पर युवक को चप्पल से पीटा ।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● सरकारी एवं प्राइवेट पॉलिसी से कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

न्यूज डायरी

अंतर विद्यालयी टेबल टेनिस टूर्नामेंट में चिक्कर और जीआरएम विजेता

रिठौरा, अमृत विचार :राजश्री इंस्ट्रीयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी परिसर में द्वितीय अन्तरविद्यालयी टेबिल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबलों में बालिका वर्ग में चिक्कर इन्टरनेशनल स्कूल और बालक वर्ग में जीआरएम डोहरा रोड विजेता रहे। बालिका वर्ग में चिक्कर ने जीआरएम को हराया वहीं बालक वर्ग ने जीआरए डोहरा रोड ने व्यास वर्ल्ड स्कूल को हराया। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी। इस दौरान जिला टीटी एसोसिएशन के सचिव दीपेन्द्र कमथान, राजश्री के क्रीडा प्रभारी इं.सन्तोष खरे,डीन प्रो. साकेत अग्रवाल, ट्रस्टी पीयूष गुप्ता, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, कोच अभिषेक श्रीवास्तव, अभिषेक पटेल, सृष्टि अरोरा, डा. स्वतंत्र गुप्ता आदि रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता में सेंथल की रश्मि रहीं प्रथम

क्योलड़िया, अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सेंथल की कक्षा 10 की छात्रा रश्मि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रश्मि के भ्रूण हत्या पर तैयार किए गए पोस्टर को जनपदीय चयन समिति की तरफ से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है। उनकी इस सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय सिंह, श्रीमती विशाखा कुमारी ने बधाई दी है।

शिवांश मिश्रा बने भाजपा के जिला संयोजक, किया स्वागत

नवाबगंज, अमृत विचार : प्रदेश भाजपा द्वारा शिवांश मिश्रा को पार्टी का जिला संयोजक तथा मदन मोहन को सह - संयोजक घोषित किया गया है। इनके मनोनयन पर विधायक डा0 एमपी आर्य के साथ ही भाजपाईयों पूर्व जिला पंचायत सदस्य लेखराज गंगवार , विधायक प्रतिनिधि बब्लू गंगवार, रोहित गंगवार, योगेश गंगवार , नत्थू लाल आर्य, भूपेन्द्र गंगवार व विक्की गंगवार आदि ने बधाई देते हुए पटका डालकर स्वागत किया ।

हत्याकांड में दो और लोगों के शामिल होने का दावा

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : करीब एक सप्ताह पहले हुए टिटौली आहिल हत्या कांड में वादी ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर हत्या में दो और लोगों का शामिल होने का दावा किया है। साथ ही पुलिस पर सवाल खड़े किए है।

17 अगस्त को गांव टिटौली निवासी शखावत नवी का 10 वर्षीय बेटे आहिल को गायब करने के बाद गला रेतकर उसकी हत्या कर दी थी। शिकायत पर पुलिस ने रात में ही जंगल से शव बरामद करने के बाद मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्यवाही के दौरान आरोपी के सगे फुफेरे भाई वसीम के पैरों में गोली मारकर गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया था।

शनिवार को शखावत ने एसएसपी अनुराग आर्य को शिकायती पत्र देकर गांव के ही दो लोगों का हत्या में शामिल होने का दावा करते हुए बताया उन्हें 10 लाख की फिरौती का जो मेसेज आया था। वह गांव के दोनो युवक ने नई सिम खरीदकर भेजा था। वसीम को तो लालच देकर आहिल को जंगल में लाने को कहा था। जानकारी होने के बाद हत्या के दूसरे दिन उन्होंने पुलिस को दोनों युवकों के बारे में बताया था। लेकिन पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी। बताया पुलिस ने फरार दोनों युवकों में से एक युवक को उठाया लेकिन सांठगांठ करके छोड़ दिया। सिम मिलने के मामले में गांव कुरतरा, लमकन से भी दो लोगों को उठाया था। उन्हें भी पुलिस ने छोड़ दिया। फिलहाल पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है। 10 लाख का मैसेज किस आईडी की सिम से आया था।

आरोपी वसीम पुलिस से आहिल के पिता से मिलवाने की गुहार लगाता रहा। लेकिन पुलिस ने उसकी नहीं सुनी। बल्कि रातभर घुमाकर सुबह उसके दोनों पैरों में गोली मार दी। एसएसपी ने न्याय का भरोसा दिलाया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार ने बताया पीड़ित राजनीति लोगों के चक्कर में फंस गया है। इसीलिए आरोप लगा रहा है। पुलिस, सर्विलांस,एसओजी टीम ने प्रयास करके आरोपी को जेल भेजा है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम पहले शनि शर्मा था जिसे बदलकर अब मैंने अभिनव शर्मा कर दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को अभिनव शर्मा के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **टिंकू शर्मा पुत्र हरि ओम शर्मा निवासी ग्राम दरावनगर पो. गुलेली थाना आंवला तहसील आंवला जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. आतिक अंसारी व पुत्री आयशा खातून को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **कुरैशा खातून पत्नी स्व. मोहम्मद आरिफ निवासी ग्राम जादौपुर थाना व भोजीपुरा जिला बरेली। मो. 8077163761**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 24 अगस्त 2025 www.amritvichar.com

मानव सभ्यता के विकास से ही महिला समानता का प्रश्न सदैव केंद्र में रहा है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 महिलाओं को समानता का अधिकार और भेदभाव से सुरक्षा प्रदान करते हैं। फिर भी प्राचीन काल से आज के डिजिटल युग में दुनिया के प्रवेश करने के बाद भी महिलाओं की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है। आज भी वे पूरी तरह से आत्मनिर्भर नहीं बन पाई हैं। महिला समानता का अर्थ है, महिलाओं और पुरुषों को समाज में समान अधिकार, अवसर और सम्मान मिलना। यानी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, राजनीति और सामाजिक जीवन, हर क्षेत्र में महिलाओं को वही अवसर दिए जाएं जो पुरुषों को प्राप्त हैं। महिलाएं इस समानता को हासिल करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रही हैं। कभी शिक्षा, कभी रोजगार, कभी राजनीति और कभी घरेलू जीवन, हर क्षेत्र में महिलाओं ने बराबरी का हक़ मांगा और अपने संघर्षों से उसे हासिल करने की कोशिश की है। यह बात और है कि इसमें अभी तक पूरी तरह से सफलता नहीं मिली है।

महिला समानता दिवस 26 अगस्त पर विशेष

डिजिटल युग में महिला समानता के मायने

अलका 'सोनी'
पश्चिम बंगाल

आज समय बदला है। हर चीज बस एक क्लिक की दूरी पर है। सवाल है इस बदले समय में महिला समानता कहां है? क्या वह पूरी तरह से मिल पाई है? या आज भी यह डिजिटल क्रांति महिलाओं के लिए एक दिवास्वप्न भर है! यह काफी हद तक सच है कि 20वीं सदी में हुई औद्योगिक क्रांति ने महिलाओं को कामकाजी दुनिया से जोड़ा, तो 21वीं सदी में डिजिटल क्रांति ने उन्हें वैश्विक मंच पर खड़ा किया।

आज इंटरनेट, स्मार्टफोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया ने जीवन की परिभाषा बदल दी है। इसने महिलाओं को नए अवसर दिए, उन्हें रोजगार के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म मिले। लेकिन इस डिजिटल क्रांति ने उनके लिए नए संकट भी खड़े किए हैं।

डिजिटल युग: अवसरों के नए दरवाजे

शिक्षा की पहुंच

सूचना क्रांति के पहले गांवों और छोटे कस्बों की लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंचना मुश्किल था। लेकिन आज उपलब्ध अनगिनत ऑनलाइन कोर्सेस, डिजिटल लाइब्रेरी और वर्चुअल क्लासरूम ने उनकी यह बाधा तोड़ दी है। अब दिल्ली की ही नहीं, दंतेवाड़ा की छात्रा भी हार्वर्ड या आईआईटी के लेक्चर ऑनलाइन देख सकती है।

रोज़गार और आत्मनिर्भरता

आईटी सेक्टर, ई-कॉमर्स, फ्रीलांसिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों ने महिलाओं को घर बैठे काम करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। यह सब इसी डिजिटल क्रांति से संभव हो पाया है। आज यूट्यूबर, ब्लॉगर, फ्रीलांसर, डिजिटल मार्केटर, कोडर और ऑनलाइन टीचर के रूप में महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं।

उद्यमिता का नया अध्याय

महिला समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति से जुड़ा हुआ है। आज 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' अभियानों ने महिलाओं को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर व्यापार खड़ा करने का मौका दिया। लाखों महिला उद्यमी ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर अपने प्रोडक्ट बेच रही हैं और वैश्विक बाज़ार से जुड़ रही हैं।

आवाज़ और पहचान

हमेशा से अपनी राय और विचारों को दबा कर रखती आ रही आधी आबादी को सोशल मीडिया ने अपनी राय और अनुभव साझा करने का ऐसा मंच दिया, जो पहले असंभव था। #मीटू आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसने दुनिया भर की महिलाओं को जोड़कर यौन उत्पीड़न के खिलाफ़ आवाज़ बुलंद की।

समानता की राह में नई चुनौतियां

इसमें कोई शक नहीं कि डिजिटल क्रांति के इस युग ने महिलाओं के लिए संभावनाओं के कई द्वार खोल दिए हैं। आज विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं और नाम व पैसे दोनों कमा रही हैं। फिर भी इस राह में कुछ मुश्किलें भी हैं। जिन्हें समझना और दूर करना बहुत जरूरी है ताकि सभी महिलाओं को रोजगार और समानता का अवसर मिल सके...

डिजिटल गैप

आज जब हम सड़क पर चल रहे लगभग हर इंसान के हाथ में मोबाइल फोन देख सकते हैं, वहीं इसी देश में आज भी करोड़ों महिलाएं इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच से वंचित हैं। जिसकी वजह से ग्रामीण और पिछड़े इलाक़ों की महिलाएं डिजिटल साक्षरता के अभाव में अवसरों से दूर रह जाती हैं।

नेतृत्व में कमी

तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन उच्च पदों और नेतृत्व में उनकी संख्या अब भी कम है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट या बड़ी भारतीय आईटी कंपनियों में महिला सीईओ या बोर्ड सदस्य बहुत सीमित हैं।

डबल बर्डन

घर से बाहर निकल काम पर जा रही महिलाएं अक्सर डबल बर्डन की शिकार होती हैं। क्योंकि नौकरी करने वाली महिलाएं आज भी घर और बाहर दोनों की ज़िम्मेदारियां निभाती हैं। डिजिटल अवसरों के बावजूद असमान घरेलू बंटवारा उनके करियर की गति धीमी कर देता है।

डिजिटल युग और साइबर क्राइम: सबसे बड़ी चुनौती

कहते हैं किसी भी चीज को वरदान से अभिशाप में बदलते देर नहीं लगती। आज जहां डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने महिलाओं को ढेरों अवसर दिए हैं, वहीं इस प्लेटफार्म पर बढ़ते साइबर अपराध ने उनकी सुरक्षा और गरिमा पर नए खतरे खड़े किए हैं। जो कि उनकी सुरक्षा पर एक प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं।

ऑनलाइन उत्पीड़न और ट्रोलिंग

सोशल मीडिया पर सक्रिय महिलाओं को अक्सर अपमानजनक टिप्पणियां, धमकियां और अश्लील संदेशों का सामना करना पड़ता है। यह उनकी स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर सीधा हमला है। इन सबकी वजह से महिलाओं को अनेकों परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

साइबर बुलिंग और मॉर्फिंग

कई मामलों में महिलाओं की तस्वीरें चुराकर उन्हें एडिट कर अश्लील सामग्री के रूप में फैलाया जाता है। यह मानसिक और सामाजिक हिंसा का रूप है। हम आए दिन इस तरह के समाचार पढ़ते हैं। कई बार बड़ी महिला शख्सियतों के भी जाली एआई वीडियो आने की बात हम सुनते हैं।

वित्तीय धोखाधड़ी

महिलाओं को डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान फिशिंग और हैकिंग का शिकार बनाया जाता है। कई बार ऐसा करने वाले जान-पहचान के लोग ही होते हैं।

रील और वायरल कल्चर

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बिना सहमति किसी महिला का वीडियो या फ़ोटो वायरल करना, 'रील' बनाकर मज़ाक उड़ाना या चरित्रहनन करना आज आम हो गया है। इन सब से महिलाओं के समक्ष अजीबोगरीब स्थिति बन जाती है।

गोपनीयता का संकट

अब किसी के बारे में जानकारी इकठ्ठा करना बहुत आसान हो गया है। महिलाओं की व्यक्तिगत जानकारी, लोकेशन और चैट डेटा का लीक होना न केवल उनकी निजता का उल्लंघन है बल्कि उनकी सुरक्षा पर भी खतरा है।

हो रहे हैं सकारात्मक बदलाव!

डिजीटल प्लेटफार्म पर बढ़ते साइबर क्राइम को लेकर कई सरकारी पहलें हुई हैं। भारत सरकार साइबर क्राइम पोर्टल और 155260 हेल्पलाइन नंबर पर महिलाओं को त्वरित मदद प्रदान कर रहे हैं। उनकी सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षा ऐप्स जैसे कि '112 इंडिया', 'हिम्मत' और अन्य ऐप्स भी बनाए गए हैं। जो आपात स्थिति में महिलाओं की मदद करते हैं। इस संदर्भ में एनजीओ और महिला संगठन लगातार डिजिटल सुरक्षा और अधिकारों पर जागरूकता बढ़ाने का प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। आज आईटी एक्ट और आईपीसी की धाराओं को मज़बूत कर ऑनलाइन अपराधियों पर कार्रवाई तेज़ हुई है।

क्या है उपाय

- **डिजिटल साक्षरता**
  विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े इलाक़ों की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना आवश्यक है, ताकि वे तकनीक का सही उपयोग कर सकें और अपराधों से बच सकें।
- **साइबर सुरक्षा कानूनों का कड़ाई से पालन**
  ऑनलाइन अपराधियों को तुरंत सज़ा दिलाने की पारदर्शी प्रक्रिया महिलाओं का विश्वास मज़बूत करेगी।
- **महिला नेतृत्व का विस्तार**
  तकनीकी और डिजिटल क्षेत्रों में अधिक से अधिक महिलाओं को नेतृत्व स्तर तक पहुंचाना ज़रूरी है।

परिवार और समाज का समर्थन

- डिजिटल अवसरों का लाभ तभी मिल सकता है, जब समाज महिला की स्वतंत्रता को सम्मान दे और उसे निर्णय लेने में बराबरी का अधिकार दे।
- डिजिटल युग ने महिला समानता को नई ऊंचाई दी है। अब महिला केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और निर्णायक भी बन रही है। हालांकि साइबर अपराध और असमान अवसर इस राह में बाधा हैं, परंतु यदि हम तकनीकी सुरक्षा, जागरूकता और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करें तो डिजिटल युग सचमुच महिला समानता का युग साबित होगा।
- आने वाले समय में वह दिन दूर नहीं जब डिजिटल क्रांति का नेतृत्व महिलाएं ही करेंगी और तभी यह युग अपने वास्तविक अर्थों में "समानता का युग" कहलाएगा।

मानव सभ्यता के आरंभ से ही स्वस्थ और सुंदर त्वचा को स्वास्थ्य, सौंदर्य और जीवनशक्ति का प्रतीक माना गया है। स्वस्थ एवं चमकती हुई त्वचा न केवल आकर्षण का केंद्र होती है, बल्कि यह शरीर के भीतर की शुद्धता और संतुलन का भी दर्पण है। आज के आधुनिक समय में जहां लोग कॉस्मेटिक उत्पादों और रासायनिक उपचारों के सहारे त्वचा की समस्याओं का समाधान खोजने में लगे हैं, वहीं आयुर्वेद हमें यह सिखाता है कि वास्तविक आभा और सुंदरता भीतर से आती है। आचार्य चरक द्वारा प्रतिपादित वर्ण्य महाकषाय इसी विचार का सशक्त उदाहरण है, जो त्वचा की प्राकृतिक आभा और स्वास्थ्य दोनों को बढ़ाने में सहायक है।

डॉ. जयदेव विजयन
एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, अगदतंत्र एवं विधिवैद्यक विभाग रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली

दमकती त्वचा और स्वास्थ्य के लिए चरक संहिता का "वर्ण्य महाकषाय"

औषधियों के गुणधर्म और कार्यप्रणाली

वर्ण्य महाकषाय में सम्मिलित अधिकांश औषधियां मधुर, तिक्त और कषाय रसयुक्त होती हैं। इनका प्रमुख कार्य रक्त को शुद्ध करना, दोषों को संतुलित करना और त्वचा को स्वस्थ बनाना है।

ये औषधियां रक्तशोधक हैं, जो रक्त की अशुद्धियों को दूर करके दाग-धब्बों और मुंहासों जैसी समस्याओं को कम करती हैं। साथ ही ये शोथहर (एंटी-इन्फ्लामेट्री) होती हैं, जिससे सूजन और जलन में राहत मिलती है। ये कफ-पित्त शामक हैं, जो त्वचा संबंधी विकारों में विशेष रूप से लाभकारी हैं। इनकी एंटीऑक्सीडेंट क्षमता त्वचा को प्रदूषण और धूप से होने वाले नुकसान से बचाती है।

आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण

आज के युग में जब वैज्ञानिक शोध आयुर्वेद की औषधियों का अध्ययन कर रहे हैं, तब यह पाया गया है कि वर्ण्य महाकषाय में सम्मिलित औषधियां आधुनिक चिकित्सा मानकों पर भी प्रभावशाली सिद्ध होती हैं।

उदाहरण के लिए, मुलैठी (यष्टिमधु) में पाए जाने वाले ग्लाब्रिडिन तत्व त्वचा को उज्ज्वल बनाने और हाइपरपिगमेंटेशन को कम करने में सहायक हैं। चन्दन में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा संक्रमण और मुंहासों में लाभकारी हैं। मंजिष्ठा रक्त को शुद्ध करने और विषैले तत्वों को बाहर निकालने में सहायक है। उशीर और सारिवा त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और धूप से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। उशीर खस शरीर में पसीने और दुर्गंध को भी समाप्त करता है।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि चरक संहिता का वर्ण्य महाकषाय आधुनिक समय में भी वैज्ञानिक दृष्टि से प्रासंगिक और प्रभावी है।

प्रयोग की विधियां

- वर्ण्य महाकषाय का प्रयोग आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार से किया जा सकता है।
- आंतरिक प्रयोग–इसका सेवन काढ़े, चूर्ण या वटी (गोलियों) के रूप में किया जाता है। यह रक्त और रस धातु को शुद्ध करके भीतर से त्वचा को स्वस्थ बनाता है।
- बाह्य प्रयोग–लेप, तेल, फेस पैक या स्नान चूर्ण के रूप में इसका उपयोग किया जाता है। इससे त्वचा को सीधा पोषण और कांति मिलती है।

इसका नियमित प्रयोग त्वचा को प्राकृतिक रूप से चमकदार और स्वस्थ बनाता है।

प्रमुख उपयोग और संकेत

वर्ण्य महाकषाय का उपयोग विशेष रूप से निम्नलिखित स्थितियों में लाभकारी है –

विवर्ण्य (हाइपरपिग्मेंटेशन, मेलास्मा) वर्ण विकार, कुष्ठ और अन्य त्वचाविकार, मुंहासे और दाग-धब्बे, त्वचा की शुष्कता और असमान रंगत, प्राकृतिक कांति और चमक बनाए रखना।

चरक संहिता में वर्ण्य महाकषाय का उल्लेख

चरक संहिता आयुर्वेद का एक आधारभूत और प्राचीन ग्रंथ है। इसमें शरीर के संरक्षण और रोग निवारण के लिए वर्गीकृत पचास महाकषायों का वर्णन मिलता है। इन महाकषायों को विशेष समूहों में बांटा गया है, और प्रत्येक समूह का कार्य अलग-अलग है। इसी क्रम में आठवें स्थान पर वर्ण्य महाकषाय का उल्लेख किया गया है। "वर्ण्य" शब्द संस्कृत के "वर्ण" से बना है, जिसका अर्थ है "आभा, रंग, सौंदर्य और उज्ज्वलता"। आचार्य चरक के अनुसार, ये औषधियां केवल त्वचा के रंग को ही नहीं, बल्कि उसकी चमक, मृदुता, समता और स्वास्थ्य को भी बढ़ाती हैं।

वर्ण्य महाकषाय की दस औषधियां

चरक संहिता में वर्ण्य महाकषाय की दस प्रमुख औषधियों का उल्लेख किया गया है, जिनमें से प्रत्येक का अपना अलग महत्व और गुणधर्म है।

- चन्दन-शीतल, सुगंधित और रक्तशोधक गुणों से युक्त है। यह त्वचा की जलन, दाग-धब्बों और पित्तजन्य विकारों को दूर करने में उपयोगी है।
- तुंग-त्वचा रोगों को ठीक करने वाली, सूजन और संक्रमण को कम करने वाली औषधि है।
- पद्मक-त्वचा को गुलाबी आभा और सौंदर्य प्रदान करता है तथा रक्त को शुद्ध करता है।
- उशीर खस-गर्मियों में विशेष रूप से उपयोगी है। यह त्वचा की जलन और रूखापन कम करता है और शीतलता प्रदान करता है।
- मधुक(यष्टिमधु/मुलैठी) त्वचा की आभा बढ़ाने, दाग-धब्बे मिटाने और प्राकृतिक गोरेपन को प्रोत्साहित करने में अत्यंत प्रभावी है।
- मंजिष्ठा-श्रेष्ठ रक्तशोधक औषधि मानी जाती है। यह मुंहासे, एक्जिमा और अन्य त्वचा रोगों में अत्यंत लाभकारी है।
- सारिवा-शीतल और पित्त-कफ शामक गुणों से युक्त है। यह त्वचा को प्राकृतिक चमक और नमी प्रदान करती है।
- पयस्या/क्षीर विदारी-बलवर्धक और पोषक गुणों से भरपूर है। यह त्वचा को भीतर से पोषण देती है।
- सीता (श्वेत दूर्वा)-रक्तस्तंभक, शोथहर और शीतल है। यह त्वचा की जलन और घावों में उपयोगी है।
- लता-श्याम दूर्वा दूर्वा की ही एक अन्य प्रजाति है, जो त्वचा की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है।

इन दस औषधियों का सामूहिक उपयोग त्वचा की आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर सुधार करता है।

आयुर्वेदिक दार्शनिक दृष्टिकोण

आयुर्वेद में वर्ण का अर्थ केवल त्वचा के रंग से नहीं है, बल्कि उसमें चमक, बनावट, समानता और स्वास्थ्य भी सम्मिलित हैं। इसके पीछे भ्राजक पित्त का मुख्य योगदान माना गया है। भ्राजक पित्त त्वचा की रंगत और आभा को नियंत्रित करता है। वर्ण्य महाकषाय की औषधियां भ्राजक पित्त को संतुलित करती हैं और रस एवं रक्त धातु को शुद्ध करती हैं। जब रक्त शुद्ध होता है तो उसका सीधा प्रभाव त्वचा पर दिखाई देता है। इसलिए आयुर्वेद का यह समूह केवल बाहरी सुंदरता तक सीमित न होकर आंतरिक स्वास्थ्य का भी प्रतीक है।

आधुनिक समय में प्रासंगिकता

- आज के समय में प्रदूषण, अस्वस्थ जीवनशैली, तनाव और रसायनिक प्रसाधनों के अत्यधिक प्रयोग से त्वचा की समस्याएं बढ़ रही हैं। त्वचा का असमान रंग, दाग-धब्बे, झुर्रियां और समय से पहले बूढ़ा दिखना आम हो चुका है। ऐसे में लोग महंगे कॉस्मेटिक उत्पादों का सहारा लेते हैं, जो अस्थायी राहत तो देते हैं लेकिन स्थायी स्वास्थ्य नहीं।
- वर्ण्य महाकषाय का महत्व यहीं पर बढ़ जाता है। यह त्वचा की समस्याओं का मूल कारण दूर करता है और शरीर को भीतर से स्वस्थ बनाकर स्थायी क्रांति प्रदान करता है। यह न केवल प्राकृतिक और सुरक्षित है बल्कि इसके कोई दुष्प्रभाव भी नहीं हैं।
- आचार्य चरक द्वारा प्रतिपादित वर्ण्य महाकषाय आयुर्वेद का एक अनमोल उपहार है। यह दस औषधियों का समूह न केवल त्वचा को उज्ज्वल और सुंदर बनाता है, बल्कि भीतर से भी स्वस्थ रखता है। इसमें सम्मिलित औषधियां रक्त को शुद्ध करती हैं, दोषों को संतुलित करती हैं और त्वचा की प्राकृतिक प्रतिरक्षा को मजबूत बनाती हैं।
- आज जब पूरी दुनिया प्राकृतिक और समग्र चिकित्सा की ओर लौट रही है, तब वर्ण्य महाकषाय जैसी परंपरागत औषधियां हमें यह संदेश देती हैं कि सौंदर्य और स्वास्थ्य का वास्तविक आधार केवल बाहरी सज्जा नहीं बल्कि आंतरिक शुद्धता और संतुलन है। इस प्रकार, वर्ण्य महाकषाय प्राचीन आयुर्वेद का उत्तर है दमकती और स्वस्थ त्वचा के लिए, जो आधुनिक युग में भी उतना ही प्रासंगिक और उपयोगी है जितना सहस्रों वर्ष पूर्व था।

बांस का चावल

भारत के लगभग हर रसोई में चावल का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। चावल कई तरह के होते हैं और शरीर के लिए इसके अलग-अलग फायदे होते हैं। बांस के चावल खाने से भी सेहत को कई फायदे मिलते हैं। बेहद दुर्लभ और सैकड़ों सालों में एक बार लगने वाला बांस का चावल शरीर की कई गंभीर समस्याओं को दूर करने के लिए बहुत उपयोगी माना जाता है। बांस का चावल वैसे तो हर किसी के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन अगर पुरुष इसका सेवन करते हैं तो इसके अनेकों फायदे देखने को मिलते हैं।

अनामिका शुक्ला
लखनऊ

पुरुषों की फर्टिलिटी बढ़ाने से लेकर कई अन्य समस्याओ में बांस का चावल खाना पुरुषों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। कई शोध और अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि बांस के चावल का सेवन करने से पुरुषों को कई समस्याओं में फायदा मिलता हैं। बांस के चावल में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए भी इसका इस्तेमाल आयुर्वेदिक औषधि के रूप में भी किया जाता है। बांस का चावल खाने से महिलाओं को भी अनेकों फायदे मिलते हैं।

बांस चावल एक विशेष चावल है जो मुरझाते हुए बांस के अंकुर से उगाया जाता है। जब बांस का अंकुर अपनी अंतिम सांस लेता है, तो उसमें से एक दुर्लभ किस्म के चावल के बीज निकलते हैं, जिन्हें बांस चावल के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि केरल के वायनाड अभयारण्य के अंदरूनी इलाकों में रहने वाले आदिवासी समुदायों के लिए बांस चावल की कटाई आय का एक प्रमुख स्रोत है। यह अभयारण्य बांस के पेड़ों से भरा एक समृद्ध आवास है, जहां कई छोटे आदिवासी समुदाय आज भी रहते हैं।

इस चावल की कटाई और संग्रह उनकी आय का स्रोत होने के साथ-साथ उनका दैनिक भोजन भी है। आपको इस क्षेत्र के इन आदिवासी समुदायों की महिलाएं और बच्चे इन बीजों को इकट्ठा करते और बेचते हुए मिल जाएंगे। बांस चावल के भंडारण की प्रक्रियाबांस के अप्रत्याशित फूल और कांटों को देखते हुए, चावल की कटाई आसान नहीं होती। उत्तम पॉलिश वाले बांस चावल प्राप्त करने के लिए, प्रत्येक बांस के आधार के आसपास के क्षेत्र को साफ़ किया जाता है और उसमें जमा सारा मलबा हटा दिया जाता है। फिर आधार को मिट्टी के मिश्रण से चिकना किया जाता यह अन्य प्रकार के चावल से किस प्रकार भिन्न है? बांस के चावल में धान के चावल जैसा ही एक अद्भुत सादृश्य होता है और है।

ऐसा माना जाता है कि बांस चावल में अन्य चावलों की तुलना में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो मधुमेह रोगियों के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प माना जाता है। इस चावल में वसा बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती और यह विटामिन बी से भरपूर होता है। केरल की जनजातियां इस चावल का उपयोग जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए करती हैं क्योंकि इसमें कैल्शियम और फास्फोरस की प्रचुर मात्रा होती है।

बांस चावल भारत में बहुत लोकप्रिय नहीं हो सकता है, लेकिन इसकी उत्पत्ति और लाभों को देखते हुए, ऐसा लगता है कि यह जल्द ही पूरे देश में मुख्य भोजन बन जाएगा और चावल की अन्य किस्मों की सूची में शामिल हो जाएगा।

डायबिटीज की समस्या में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों को चावल खाने से परहेज करने के लिए बोला जाता है। लेकिन आप इस समस्या में डॉक्टर की सलाह लेने के बाद बांस के चावल का सेवन कर सकते हैं। बांस का चावल खाने से आपको डायबिटीज की समस्या में फायदा मिलता है और ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।

पुरुषों में स्पर्म काउंट बढ़ाने में उपयोगी

बांस के चावल में मौजूद गुण पुरुषों के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। इसका सेवन करने से पुरुषों का स्पर्म काउंट बढ़ता है। बांस के चावल को लेकर हुए कई अध्ययन और शोध भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसका सेवन पुरुषों में प्रजनन से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद होता है। मूड बेहतर बनाने के लिए उपयोगी।

मूड ठीक करने के लिए बांस के चावल का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से शरीर में फील गुड हॉर्मोन रिलीज होते हैं। अगर आप बांस का चावल खाते हैं तो इससे आपके बॉडी में न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटिन और डोपामाइन रिलीज होते हैं। इसका सेवन करने से आपका मूड ठीक होता है और कई मानसिक समस्याओं में भी फायदा मिलता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए बांस का चावल या बैम्बू राइस बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसका सेवन करने से हड्डियों से जुड़ी कई समस्याओं में फायदा मिलता है। पुरुषों में खानपान की कमी की वजह से कैल्शियम की सही आपूर्ति नहीं हो पाती है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या, गठिया और कमजोर हड्डियों की समस्या को दूर करने के लिए इसे बहुत फायदेमंद माना जाता है।

फर्टिलिटी में सुधार

पुरुषों की फर्टिलिटी में सुधार करने के लिए बांस का चावल खाना बहुत फायदेमंद माना जाता है। बांस के चावल में आम चावल और गेंहू से ज्यादा फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है। इसका सेवन करने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ को बहार निकालने में भी फायदा मिलता है। आज के समय में असंतुलित खानपान और जीवनशैली से जुड़े कारणों की वजह से पुरुषों की प्रजनन क्षमता खत्म हो रही है ऐसे में बांस के चावल का सेवन बहुत फायदेमंद हो सकता है। पुरुषों की प्रजनन क्षमता को बूस्ट करने के लिए बांस का चावल बहुत उपयोगी होता है। इसमें मौजूद गुण पुरुष और महिला दोनों की फर्टिलिटी बढ़ाने का काम करता है। –ये लेख सिर्फ जानकारी के लिए है बांस के चावल का उपयोग करने से पहले किसी विशेषज्ञ की सलाह अवश्य ले।

साप्ताहिक राशिफल

–पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान आप व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी।

वृष यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

मिथुन इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह आ रही बाधाएं स्वतः दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

कर्क इस सप्ताह आप किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें। आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

सिंह इस सप्ताह आपको ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नए संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी।

कन्या यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं।

तुला यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है। आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह नौकरीपेशा या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

वृश्चिक इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

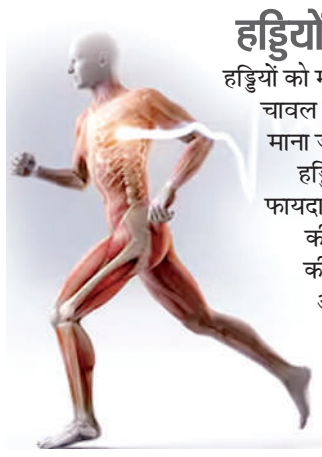

धनु यह सप्ताह जीवन के नए अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं।

मकर यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे।

कुंभ यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह सफलता दायक रहेगा।

मीन यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 23

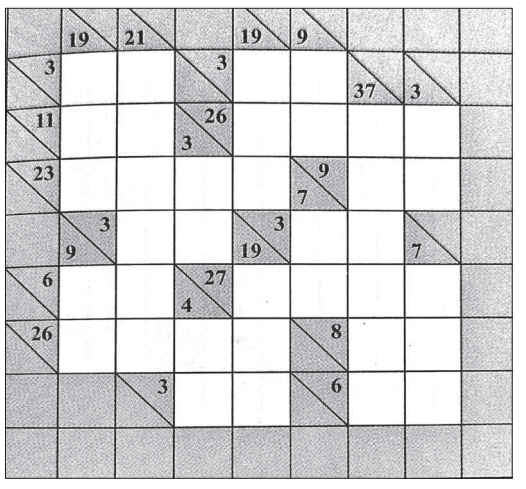

काकुरो 22 का हल

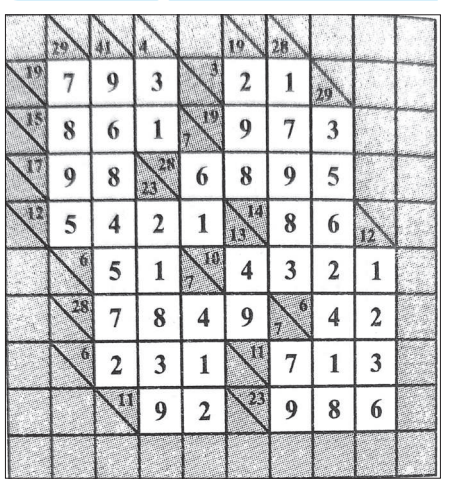

शब्द संसार

कहानी

कलंक का डंक

प्रोन्नति की खुशी में मैं और मेरा परिवार मगन ही था तभी विभाग द्वारा स्थानान्तरण की सूची जारी कर दी गई। उस सूची के अनुसार मेरा स्थानान्तरण बड़ोदरा प्रधान कार्यालय हो गया था और मुझे एक सप्ताह के अंदर नई नियुक्ति पर पहुंचना था। इसकी जानकारी होते ही हम लोगों की प्रसन्नता धूमिल हो गई थी। खैर! नौकरी की है तो आदेश का अनुपालन तो करना ही पड़ेगा, यही सोच कर भोपाल प्रधान कार्यालय से कार्य मुक्त होने पर मैं सपरिवार बड़ोदरा पहुंच गया। बड़ोदरा प्रधान कार्यालय में रिपोर्ट करने पर मुझे भरूच जिले की जंबूसर शाखा में नियुक्ति का आदेश पकड़ा दिया गया। विवश मुझे सपरिवार जंबूसर कस्बे के लिए प्रस्थान करना पड़ा।

डॉ. मृदुल शर्मा
लखनऊ

जंबूसर कस्बे में एक दिन बाजार में सब्जी खरीदते समय मुझे घनश्याम दिखाई पड़ा। मैं जब इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के बाद जहानाबाद में रह रही अपनी मौसी के घर पर रह कर बी.ए. की पढ़ाई कर रहा था तब घनश्याम मेरा सहपाठी और घनिष्ठ मित्र था। घर से सैकड़ों मील दूर किसी मित्र के अचानक मिल जाने पर जो खुशी होती है, उसे शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है।

मैंने घनश्याम को पुकारा तो उसने मुझे देखा। मुझे देखते ही उसका चेहरा मलिन पड़ गया और वह तेजी से साइकिल पर सवार होकर भागा। यह देख कर मुझे दुख भी हुआ और आश्चर्य भी। मैं जब तक उसके पास पहुंचता, वह बहुत दूर जा चुका था। मैं समझ नहीं पा रहा था कि वह मुझे देख कर क्यों घबरा गया और क्यों बिना मिले ही भाग खड़ा हुआ। कुछ दिन बाद घनश्याम मुझे फिर सड़क पर दिखाई दिया। मैंने चुपचाप उसका पीछा किया और शीघ्र ही उसके पास पहुंच कर उसे पकड़ लिया।

मैंने उससे पूछा-"मुझे पहचाना नहीं क्या घनश्याम?"

उसने मेरा हाथ झटक दिया और बोला-"कौन घनश्याम? आपको कोई ग़लत फहमी हुई है। मैं घनश्याम नहीं हूं।"

मैंने हंस कर कहा-"भले ही हम अट्ठारह-बीस वर्ष बाद मिल रहे हैं। मगर मैं तुम्हें पहचान नहीं सकूं, ऐसा नहीं हो सकता।"

यह सुनकर कर वह मुझे किंकर्तव्यविमूढ़ सा देखता रहा फिर मेरे पैर पकड़ कर बोला- "तुम अगर मेरे सच्चे मित्र हो तो किसी से यह न बताना कि तुमने मुझे यहां देखा है।"

"आखिर ऐसा क्यों? और तुम जहांगीराबाद छोड़ कर यहां कैसे रह रहे हो?"- मैंने आश्चर्य से पूछा।

"क्या तुम्हें जहांगीराबाद में हमारे परिवार के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली?"- उसने प्रतिप्रश्न किया।

"बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मेरी नौकरी लग गई और तब से मैं जहांगीराबाद जा ही नहीं सका।"-यह कहते हुए मैं उसे पास में ही चाय की दुकान पर ले गया और वहां उससे पूछा-आखिर तुम जहांगीराबाद से यहां क्यों आ गये और यहां क्या करते हो?

वह फूट-फूट कर रो पड़ा। कुछ शांत होने पर उसने बताया- "यह तो तुम जानते ही हो कि मेरे पिता सेना में सूबेदार मेजर थे। जब उनकी नियुक्ति राजस्थान में थी तो वह हनी ट्रैप में फंस गए और फिर धन के लालच में आई.एस.आई. एजेंट को भारतीय सेना से संबंधित गुप्त सूचनाएं और नक्शे आदि भेजने लगे।

घर में मम्मी को जब उन्होंने बहुत मात्रा में धन देना शुरू किया तो मम्मी ने पूछा कि यह धन तो तुम्हारे कुल वेतन से भी अधिक है तो वह बोले कि अब मैं सेना में बड़ा अधिकारी हो गया हूं। इसके कुछ महीनों बाद उन्हें भारतीय सेना द्वारा शत्रु देश के लिए जासूसी करने के अपराध में गिरफ्तार कर लिया। उन पर मुकदमा चला और उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो गई।

यह बातें जब जहांगीराबाद वालों को ज्ञात हुई जब तो वे सब मेरी मम्मी को गद्दार की बीबी और मुझे गद्दार का बेटा कह कर बुलाने लगे। हमने इस कलंक को धोने के लिए अपने घर को धर्मशाला बना दिया और अपने बाग को आर्य समाज मंदिर को दान कर दिया। मगर लोग धर्मशाला को गद्दार का धर्मशाला और बाग को गद्दार का बाग कह कर संबोधित करने लगे। हमें तो वे लोग पहले से ही गद्दार की बीबी और गद्दार का बेटा कह कर संबोधित करते थे, सारी सम्पत्ति दान करने के बाद भी हमारे सिर पर चढ़े कलंक में कोई कमी नहीं आई।

रोज-रोज के अपमान से त्रस्त होकर मैं अपनी मम्मी को लेकर यहां चला आया और रघुवर दयाल सर्राफ की दुकान पर मुनीम हो गया।.... मगर यहां भी...."

फिर मेरे पैर पकड़ कर वह गिड़गिड़ाने लगा और रोते हुए मुझसे वचन लिया कि मैं यह बात किसी से नहीं कहूंगा कि मुझसे तुम्हारी भेंट जंबूसर में हुई।

मुझे याद आया कि सन 1757 ई. में अंग्रेजों और बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला में ऐतिहासिक युद्ध हुआ था जिसे प्लासी का युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध में नवाब सिराजुद्दौला के सेनापति मीर जाफर ने नवाब और अपनी सेना से गद्दारी कर अंग्रेजों से समझौता कर लिया था और उसकी गद्दारी के कारण अंग्रेज सेना की इस युद्ध में विजय हुई थी और भारत में अंग्रेजी शासन का प्रारंभ हुआ था। आज भी मीर जाफर के महल के खंडहर मौजूद हैं जिन्हें तीन शताब्दियों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मुर्शिदाबाद में जनता नमकहराम की ड्योढ़ी संबोधित करती है। वाकई यह देशद्रोह का कलंक कभी पीछा नहीं छोड़ता और इसका डंक देशद्रोही की आने वाली पीढ़ियों को भी अपमानित करता है।

पन्द्रह-बीस दिन बाद एक दिन उससे भेंट करने के लिए रघुवर दयाल सर्राफ की दुकान पर गया तो पता चला कि पांच-छः दिन पहले ही घनश्याम दुकान से अपना हिसाब करके नौकरी छोड़ गया है। मुझे यह सुनकर बहुत अफसोस हुआ। मेरे मुंह से अकस्मात ही निकल पड़ा- "तुमने मेरा विश्वास नहीं किया मित्र। न जाने तुम कब तक इस कलंक के डंक से बचने के लिए भटकते - भागते फिरोगे।"

लघुकथा

तुम्हारी याद

छलक जाती हैं मेरी आंखें तुम्हें जाते हुए देखकर। अब कब आओगे, यह सोचकर सहम जाती हूं। अगले ही पल खुद को संभाल लेती हूं मैं।

क्या हुआ अगर तुम पास नहीं हो मेरे, तुम्हारा प्यार तो मेरे पास है। जरूरी नहीं मेरे पास रहना तुम्हारा-"भारत मां" को तुम्हारी मुझसे ज्यादा जरूरत है। क्या हुआ अगर बेटा पूछता है मुझसे-"मां, पापा कब आयेंगे?" क्या हुआ अगर बेटी को तुम्हारी याद सताती है-सुला देती हूं अक्सर दोनों को प्यार से लोरी सुनाकर। मां भी तुम्हें बहुत याद करती हैं, बाबूजी भी उदास हैं तुम्हें पास न पाकर। आ रही है फिर से करवा चौथ और दिवाली। सहम जाती हूं फिर से यही सोचकर- कैसे सजाऊंगी बिन तुम्हारे ज़िंदगी के वो पल? फीके हैं बिन तुम्हारे मेरे श्रृंगार। समझा लेती हूं दिल को फिर यही सोचकर- क्या हुआ अगर तुम इस बार नहीं आओगे? कितनी ही मांओं की आस तुम बचाओगे, सिन्दूर बचाओगे कितनी ही बहनों का, दुश्मनों से टक्कर लेकर। "मैं कितनी खुशनसीब हूं, जो पाया तुम्हें जीवन साथी के रूप में। मत होना कभी उदास, ऐ प्यार मेरे।"

वर्षा वार्ष्णेय
अलीगढ़

सलाम करती हूं आज मैं फिर से तुम्हारे जज़्बों को, खुश हूं मैं बहुत तुम्हें अपनी ज़िंदगी में पाकर। यूं तो आसान नहीं होता बिन तुम्हारे अकेले रहना, पर अगले ही पल तन जाता है गर्व से सर मेरा,जब देखती हूं तुम्हें "भारत मां" के लिए अपनी खुशियों की कुर्बानी और सर्वस्व न्यौछावर करते हुए। हां, मुझे पूर्ण विश्वास है-तुम आओगे जरूर, एक दिन हम सबके लिए ढेर सारी खुशियां लेकर, बहुत सारा प्यार लेकर। तुम्हारी अर्धांगिनी, जय हिन्द, जय भारत।

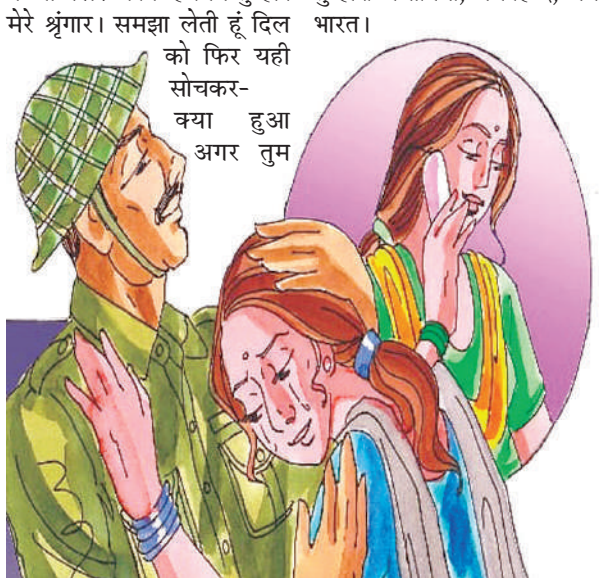

कविताएं/गीत

केशव मेरे...

पाना मुझको
जितना, जो भी
तुमको पाना

तुमसे जानी
जगत-कहानी
ज्ञान-ध्यान की
महिमा-वाणी

सखा सहज तुम
केशव मेरे
हर पल यह मन
तुमको टेरे

बना मुझे जिज्ञासु
डगर में
छोड़ न जाना।

लगे अधूरा,
जीवन का
तुम बिन हर गाना

मन की सच्ची
अभिलाषा को
दया-क्षमा की
परिभाषा को

जितना, जो कुछ
जाना-माना
तुमको माना

अवनीश सिंह चौहान
बरेली

वंदन

शत शत वदंन भारत भू का, अभिनंदन इस माटी का
करो स्मरण इस बेला में बलिदानी परिपाटी का
यूं तो अनगिन दस्यु लुटेरे सदियों से हमलावर हैं।
मिटे मिश्र यूनान औ रोमां पर हम अब भी कायम हैं
कर्ज चुकाना अभी शेष है हमको हल्दीघाटी का
शत शत वंदन भारत भू का, अभिनंदन इस माटी का।

बलिदानों की पूरी श्रंखला आंखों में आ जाती है
बाई रानी जौहर करके बलिवेदी चढ़ जाती
राणा कुम्भा राणा सांगा की तलवारे पूंछ रही।
पृथ्वी राज औ बप्पा रावल की हुंकारें गूंज रहीं
लहू पुकार रहा सीमा से मेजर शैतान सिंह भाटी का
करो स्मरण इस बेला में बलिदानी परिपाटी का।

आओ नमन करे हम झुककर सत्तावन के वीरों को
मंगल पांडे ,नाना साहब, तात्या से-रणधीरों को
चेनम्मा को नमन, नमन है रानी लक्ष्मीबाई को।
झलकारी को नमन, नमन है रानी अवंतिबाई को
नमन का है हकदार हर एक कण, शिखर हो या फिर घाटी का
शत शत वंदन भारत भू का, अभिनंदन इस माटी का।
जाने कितने बिस्मिल शेखर भगत यहां पर लेटे हैं
देश की खातिर समय से पहले कितने ही मृत्यु से भेंटे हैं
कितनी ही बहनों के हाथ की राखी सिसक सिसक टूटी।
कितनी ही वधुओं के कर की चूड़ी असमय ही फूटी
कर्ज हमेशा चढ़ा रहेगा बलिदानी परिपाटी का
शत शत वंदन भारत भू का, अभिनन्दन इस माटी का।

जब भी अरि ने वार किया है, मां ने जब भी पुकारा है
हमने उसको बार बार घर में घुसकर के मारा है
फिर से करेगा दुस्साहस तो फिर से पटक के मारेंगे।
ठीक तरह से अबके आरती कायर रिपु की उतारेंगे
भूल जायेगा ख्वाब देखना तू कश्मीरी घाटी का
शत शत वंदन भारत भू का, अभिनंदन इस माटी का।

अरविंद पथिक
गाजियाबाद

समीक्षा

हिंदी पत्रकारिता भाषा और शिल्प

आम जीवन से लेकर पठन-पाठन तक भाषा के बदलते रंग-ढंग को लेकर चर्चा होती रहती है। ऐसे में 'समकालीन हिंदी पत्रकारिता भाषा और शिल्प' पुस्तक में समाहित पत्रकारिता में भाषायी बदलावों का लेखा जोखा वाकई महत्वपूर्ण है। समाज के हर वर्ग, हर पहलू से संबंधित होने चलते शब्दों की इस दुनिया में होते प्रयोग एवं परिवर्तन और विचारणीय हो जाते हैं। किताब में समकालीन हिंदी पत्रकारिता के संसार में भाषा के बदलते स्वरूप को लेकर गहन विश्लेषण किया गया है। युवा पत्रकार डॉ. शैलेंद्र दुबे की यह पुस्तक पत्रकारिता की भाषा और शिल्प की सार्थक और सारभूत पड़ताल है। चार भागों में आवश्यक विषयों से जुड़े पहलुओं को समेटते हुए लेखक ने सधे ढंग से भाषा के शिल्प, बदलते स्वरूप और 'क्रियोलीकरण' यानि हिंदी के 'हिंग्लिशीकरण' को समझाया है। बाकायदा उदाहरण देने वाले वाक्यों सहित पुस्तक में प्रस्तुत की गई सामग्री बदलते भाषायी परिवेश का संतुलित विवेचन पाठक के समक्ष रखती है।

पुस्तक - समकालीन हिंदी पत्रकारिता भाषा और शिल्प
लेखक- डॉ. शैलेंद्र दुबे
प्रकाशक - कश्यप पब्लिकेशन
मूल्य -250/-
समीक्षक - डॉ. मोनिका शर्मा

विचारणीय है कि भाषा शिल्प के प्रति बदलाव की स्वीकार्यता संग पत्रकारिता से दुनिया से जुड़ाव रखने का भाव लिए लेखक परिवर्तन की सार्थकता को समझते हुए हिंदी भाषा की मूल आत्मा से खिलवाड़ ना करने की बात भी कहते हैं। हिन्दी पत्रकारिता के भाषा शिल्प से जुड़ी महत्वपूर्ण सामग्री लिए यह पुस्तक सहेजने योग्य है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए मार्गदर्शन देने वाला दस्तावेज़ कही जा सकने वाली किताब पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए भी लाभप्रद है। बीते सत्रह वर्षों से हिंदी पत्रकारिता में सक्रिय और हिंदी साहित्य में शोध उपाधि संग जीवन से जुड़े मुद्दों पर मुखरता से लिख रहे पुस्तक के लेखक का हिंदी भाषा के सौंदर्य को सहेजते हुए बदलावों को अपनाने का संदेश किताब को एक आवश्यक दस्तावेज़ बनाता है।

बतकही

भ्रूण मृत्यु

पचपन वर्षीया सोनी जब ओपीडी कक्ष में आई तो बहुत घबराई हुई थी। एक ही सांस में अपनी सारी कहानी कहना चाहती थी। पंद्रह वर्ष से हाईपोथायरॉइड की बीमारी और अब विगत तीन वर्षों से ब्लड प्रेशर और डायबिटीज थी। शरीर अलग से भारी था। कामकाजी महिला हैं। पति भी कर्मशील हैं। प्रोफेसर हैं, संजीदा हैं। उधर से कोई समस्या नहीं है पर मन हमेशा चिंता में डूब रहता है। तीन बच्चे हैं। पहले दो पुत्र हैं। सत्ताईस साल के हैं। जुड़वां हैं। कार्यरत हैं। इनके अतिरिक्त एक पुत्री है जो अब इक्कीस साल की है और पेरिस में वास्तुशिल्प में उच्च अध्ययन के लिए गई हुई है। सोनी जब इक्कीस साल की थी तब इन दो पुत्रों के साथ-साथ एक और भ्रूण सोनी के कोख में पल रहा था जिसके विषय में न तो उसे पता था न ही उसके प्रसूति चिकित्सक को ही।

अल्ट्रासाउन्ड हुआ जरूर था पर जुड़वे बच्चों की ही बात पता थी। तीसरे शिशु की बात तो तब पता चली जब दोनों जुड़वां पुत्र शिशुओं के साथ एक और मृत पुत्र-भ्रूण उन दोनों के साथ पतले कागज की भांति उनसे चिपका मिला (फीटस पैपीरेसियस)। यह देख कर सब अचंभित थे। चिकित्सक गण और परिजन। प्रकृति की इस विचित्र लीला का उत्तर विज्ञान के पास अत्यंत दुष्कर है। विधि की इस लीला को सोनी और उनके पति ने शिरोधार्य मान कर जुड़वां पुत्रों को बड़े मनोयोग से पालना पोसना शुरू किया। तीसरे भ्रूण की बात पति-पत्नी एक खराब स्वप्न की भांति भूल गए। पर इस त्रिज गर्भावस्था का असर सोनी के स्वास्थ्य पर दूरगामी प्रभाव के साथ अपनी छाप छोड़ गया था। सामान्य गर्भावस्था में अनेक हार्मोनल और जलीय असंतुलन की स्थिति बनी रहती है जिसके कारण किसी किसी को गर्भजनित ब्लड प्रेशर और किसी को सगर्भता डायबिटीज की शिकायत हो जाती है। यहां तो एक साथ तीन भ्रूण गर्भ में थे और एक की मृत्यु पांचवे मास में हों गई थी पर उस बीच तो कुछ नहीं हुआ। अलबत्ता अब थायरॉइड, ब्लडप्रेशर और डायबिटीज की बीमारी से सोनी बुरी तरह से घिर हुई थी।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

दो पुत्रों के अतिरिक्त सोनी को एक पुत्री भी है जो अब इक्कीस साल की है और पेरिस में वास्तुशिल्प में उच्च अध्ययन के लिए गई हुई है। जिसकी चिंता उसे हमेशा सालती रहती है। ठीक तो है। खाना खाया है या नहीं। आखिर विदेश में है। वहां कोई समस्या तो नहीं है आखिर मां जो हूं। इसी सोच विचार से मेरा ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों ऊपर नीचे होता रहता है। जहां तक युगल पुत्रों की बात है धीरे-धीरे दोनों बड़े होते गए और अब दोनों सूचना प्रौद्योगिकी में बड़े पदों पर काम कर रहे हैं। त्रिज गर्भ, भ्रूण मृत्यु, चिंतातुरता और बहुरुग्णता का यह अजब उदाहरण था। अब यह देखना महत्वपूर्ण था कि इस त्रिज गर्भता और सह-भ्रूण मृत्यु का मां और जुड़वां दोनों पुत्रों के स्वास्थ्य पर कितना और क्या क्या दूरगामी प्रभाव पड़ा? संयोग से आज बड़ा पुत्र जो अब उन्तीस साल का है माता-पिता के कहने पर मेरे पास सामान्य जांच के लिए आया हुआ था तो मैंने उसका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ पाया-190/80। वजन भारी था 90 किलोग्राम। अच्छी खासी लंबाई थी। शारीरिक गठन सूचकांक (बीएमआई) 38 था। चिकित्सकीय दृष्टि से यह वीभत्स मोटापे की श्रेणी में गिना जाएगा। रक्त शर्करा भी अधिक थी। एचबी1एसी7.8 था। कोलेस्टेरॉल सामान्य से अधिक 219 था। इसीजी में दिल का बांया निलय, सबसे महत्वपूर्ण भाग बढ़ा हुआ था। एक्स रे से भी दिल के बढ़े आकार की पुष्टि होती थी। चिंता की बात यह थी कि इन सब असहज करने वाली चीजों के बावजूद वह प्रतिभाशाली युवक इन सब चीजों से बेखबर था। जम कर धूम्रपान करता है। खाने-पीने में भी असंयमित है। लाल मांस और जंक से कोई परहेज नहीं। चिकित्सकीय दृष्टि से उसे हाईपरटेंशन, मोटापा, कोलेस्टेरॉल दोष और पूर्व-डायबिटीज थी जो आगे चल कर उसके दिल को बीमार बना देंगें। कमोबेश यही दशा उसके जुड़वां छोटे भाई की भी है। उसका भी शारीरिक गठन सूचकांक (बीएमआई)-32 है। उनके पिताश्री ने मुझे आश्वासन दिया है कि विदेश से वापस आने पर उसे पूर्ण और विस्तृत जांच के लिए ले आयेंगें। यह वृतांत एक ऐसे विस्मय पूर्ण त्रिज गर्भ, भ्रूण मृत्यु, चिंतातुरता, बहुरुग्णता की कथा है जिसमें जुड़वां बच्चों में आधुनिक बिगड़ी जीवन शैली के कारण कम उम्र में हाईपरटेन्शन, मोटापे, कोलेस्टेरॉल दोष और पूर्व-डायबिटीज का प्रकोप स्पष्ट दिखाई देता है।

व्यंग्य

घसीटे चच्चा और लोकतंत्र की लस्सी

चुनाव का मौसम था और मोहल्ले की गलियों में फिर से झंडे झूल रहे थे, एक से बढ़कर एक रंग-बिरंगे, जैसे लोकतंत्र कोई शादी का पंडाल हो। घसीटे चच्चा, जो पिछले पांच वर्षों से लोकतंत्र के साथ "आलू पराठा" की तरह चुपचाप पेट भरते रहे थे, इस बार चाय की दुकान पर दहाड़ रहे थे, "ई लोकतंत्र अब लस्सी बन गया है बेटा-मथ डालो, मलाई ऊपर, पानी नीचे!" अब चाय की दुकान पर चच्चा की बातें कौन टाल सकता है? सबने बिस्कुट छोड़कर कान खड़े किए।

वीना सिंह
लखनऊ

देखो भैया, चच्चा ने अंगोछा संभालते हुए शुरू किया, पहले लोकतंत्र में बहस होती थी, अब बहसबाज़ी है। पहले नेता जनता को जवाब देता था, अब जनता को सफाई देनी पड़ती है कि हमने सवाल क्यों पूछ लिया!

छोटेलाल मास्टर बोले, "चच्चा, फिर भी तो हम वोट डालते हैं। चच्चा चौंके, अरे मास्टर, ई-वोट डालना अब 'मोबाइल रीचार्ज' जैसा हो गया है, डालो, फायदा पता नहीं किसे होगा, लेकिन मैसेज जरूर आएगा, 'धन्यवाद! आपने लोकतंत्र को मज़बूत किया।'

सारी दुकान में हंसी फैल गई, पर चच्चा अब गरम हो चुके थे। बोले, भैया, पहले नेता गलियों में घूमते थे, अब ड्रोन से भाषण देते हैं। प्रचार इतना हाईटेक हो गया है कि हमारे मोहल्ले की दीवार पर भी एक नेता की 3डी मूर्ति उभरी थी-गायब होने से पहले वादा कर गई कि हर घर में नौकरी आएगी।

फिर? बनवारी ने पूछा।

फिर क्या, नौकरी तो नहीं आई, पर हर घर में ईएमआई ज़रूर घुस आई। घसीटे चच्चा ने एक लंबा सांस लिया और चाय का घूंट भरा, जैसे लोकतंत्र की लस्सी में से मलाई खुद चूस रहे हों। अब देखो, चच्चा ने कुर्ते की जेब से एक फटा पोस्टर निकाला, "इसमें लिखा है, 'सबका साथ, सबका विकास।' लेकिन विकास तो ऐसा हो गया कि हमारे गली के नाले का भी साथ छोड़ दिया। चार बार फोटो खिंची, तीन बार नारियल फूटा, लेकिन पानी अभी भी वहीं ठहरा है, जैसे जनता की उम्मीदें!

चायवाले मुन्ना ने धीरे से जोड़ा, "चच्चा, अब तो जनता भी आदत डाल चुकी है" हां! चच्चा बोले, अब जनता लस्सी के स्वाद से नहीं, ग्लास के साइज से खुश होती है। वादा जितना बड़ा, वोट उतना पक्का। चाहे वादा झूठा हो या पांच साल पुराना-जैसे होटल में बासी समोसे को फिर से गरम कर परोस दिया जाए।

तो चच्चा, लस्सी का मतलब क्या है? एक लड़के ने पूछ लिया। चच्चा मुस्कराए-पहली बार। देख बेटा, "वे बोले, "लोकतंत्र अब ठोस विचार नहीं, पतली लस्सी है-घुल-मिल तो सब गया है, पर पहचान कुछ भी नहीं बची। सब कुछ मिलावट का शिकार है। नेता, नीतियां, नारों की मिठास-सब नकली शक्कर से बना है। और सबसे ऊपर जो मलाई दिखती है ना, वो चंद लोगों की है। नीचे जनता का पानी है, बेस्वाद, बोझिल और बेहाल। छोटेलाल मास्टर बोले, तो समाधान क्या है, चच्चा? समाधान? चच्चा ने हंसते हुए कहा, "पहले तो ये समझो कि लोकतंत्र 'ठंडा पेय' नहीं है जो चुनावी मौसम में ही पिया जाए। लोकतंत्र एक 'सांझा दायित्व' है, सिर्फ वोट देने से नहीं, सवाल पूछने से, ज़िम्मेदार बनने से, अंधभक्ति छोड़ने से बनता है। लेकिन चच्चा, सरकार जवाब नहीं देती, बनवारी ने धीमे से टोका। तो फिर हम भी चुप क्यों हैं? चच्चा गरज उठे, हमने लोकतंत्र को भोग बना दिया है, जिसमें सिर्फ फायदा चाहिए, ज़िम्मेदारी नहीं। जब तक जनता खुद मलाई बनने का सपना छोड़कर 'मथने वाला' नहीं बनेगी, तब तक नेता मलाई उड़ाते रहेंगे और हम लस्सी का पानी पीते रहेंगे। दुकान पर सन्नाटा छा गया। कोई कुछ नहीं बोला। थोड़ी देर बाद मुन्ना चायवाले ने पूछा, तो चच्चा, अगली बार किसे वोट देंगे? चच्चा ने चाय का आख़िरी घूंट पिया, चश्मा ठीक किया और बोले, "उसे, जो मलाई बांटे नहीं-मिलाकर सबके लिए लस्सी बनाए!"

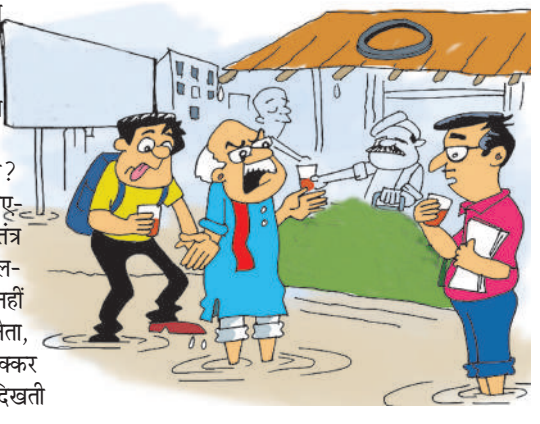

मौसम का इश्क भी बेईमान निकला

क़तील शिफ़ाई का शेर है- "दूर तक छाए थे बादल और कहीं साया न था, इस तरह बरसात का मौसम कभी आया न था।" इस महीने की बारिश भी पुराने उस गाने की तरह हो गई है- "आज मौसम बड़ा बेईमान है।" जी हां, यही हाल है भारत-नेपाल सीमावर्ती तराई इलाकों का, जहां मौसम ने अजीब करवट ली है। कहीं बिन बादल बरसात हो रही है, तो कहीं आसमान बादलों से घिरा रहता है मगर एक बूंद भी नहीं बरसती।

निज़ाम जिलानी
पत्रकार

कभी कड़ाके की धूप झुलसाती है, तो कभी अचानक पुरवैया बहकर ठंडी मौसम सुहाना कर देती है। लगता है जैसे मौसम भी कभी बच्चों की तरह शरारत करता है, अचानक बरसकर खेतों को डुबो देता है, तो कभी ज़िद्दी बूढ़े की तरह आसमान में छाता बनाकर बैठ जाता है, लेकिन बरसता नहीं। मौसम का यह खेल देखकर अक्सर लगता है कि बादल भी नेताओं की तरह हसीन वादे तो कर लेते हैं, लेकिन निभाते नहीं। किसान के लिए यह सबसे कठिन घड़ी है धान और मक्का की फसलें पानी के लिए तरस रही हैं या बाढ़ में बह रही हैं। मानो इंसानों का सब्र और धरती की प्यास दोनों ही इस बेईमान बरसात से की रेस मे दौड़ लगा दे रहे हैं। सुहाना मौसम हो कर बरसात होने लगती है तो बच्चे, खुशी से सड़को पे दौड़ लगाने लगते है तबियत मे भी ताज़गी आ जाती है और जब धुप के तपिश तेज होती है घरों मे दुबक कर बैठे जाते है। एक कस्बे मे अच्छी बारिश तो वहीं थोड़ी दूर जाने पर बस छतों को भीगा कर चले जाते है। नेपाल से सटे तराई इलाकों में किसानो की फसल भी एक सिंचाई का एक मात्र जरिया बरसात से है समय पर अच्छी बारिश से किसानों के अंदर एक ख्वाब पालता है उनकी फसल अच्छी होगी लेकिन उनके सपने पर बट्टा लगा देती है बेईमान मौसम। गांव के होटलो पर बैठे बुजुर्ग चाय की चुस्कीया लेते हुए कहते हैं "पहले मौसम का मिज़ाज समझ में आ जाता था, अब तो बादल भी राजनीति सीख गए हैं।" सड़कों पर कीचड़ और जलभराव की समस्या है, तो दूसरी ओर कुएं और तालाब सूखते जा रहे। तराई की धरती फिलहाल अजीब कशमकश में है-कहीं बादलों का शोर है मगर बरसात नहीं,और कहीं बरसात है तो बेहिसाब।

मदर टेरेसा: जीवन कार्य आलोचना और प्रासंगिकता

26 अगस्त जयंती पर

मदर टेरेसा का मूल नाम एग्नेस गोंझा बोझाक्सु था, बीसवीं शताब्दी की एक प्रमुख मानवीय व्यक्तित्व के रूप में जानी जाती हैं। उनका जीवन गरीबी, दुख और मानवीय सेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जिसने वैश्विक स्तर पर लाखों लोगों को प्रेरित किया। 26 अगस्त 1910 को उस्कुप (वर्तमान स्कोप्जे, उत्तरी मैसेडोनिया) में एक अल्बानियाई परिवार में जन्मीं, एग्नेस का बचपन धार्मिक वातावरण में बीता। उनके पिता एक सफल व्यापारी थे, लेकिन उनकी असामयिक मृत्यु ने परिवार को आर्थिक कठिनाइयों में डाल दिया।

डॉ. नीलिमा पांडेय
प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

युवावस्था में, एग्नेस ने आयरलैंड की लोरेटो सिस्टर्स में शामिल होने का निर्णय लिया, जहां से वे 1929 में भारत पहुंचीं। कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में उन्होंने शिक्षिका के रूप में अपना करियर शुरू किया और 1944 तक सेंट मैरी स्कूल की प्रधानाचार्या बनीं। इस अवधि में, वे गहन प्रार्थना और धार्मिक जीवन से जुड़ी रहीं, लेकिन 1946 में एक ट्रेन यात्रा के दौरान उन्हें एक आंतरिक "कॉल" प्राप्त हुई, जिसे उन्होंने "कॉल विदिन ए कॉल" कहा। यह वह क्षण था जब उन्होंने गरीबों, बीमारों और परित्यक्तों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प लिया।

इस 'कॉल' के पालन में, मदर टेरेसा ने 1948 में लोरेटो ऑर्डर छोड़ दिया और कलकत्ता की झुग्गी-झोपड़ियों में काम करना शुरू किया। उन्होंने सफेद साड़ी में नीली बॉर्डर वाली वेशभूषा अपनाई, जो बाद में उनकी पहचान बनी। 1950 में, वेटिकन की अनुमति से उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की, जो एक धार्मिक संगठन था जो गरीबों की सेवा पर केंद्रित था। इस संगठन का उद्देश्य 'सबसे गरीबों के बीच सबसे गरीब' की मदद करना था। शुरुआत में, उन्होंने निलंबित गली में एक छोटा सा क्लिनिक खोला, जहां मरते हुए लोगों को आश्रय और देखभाल प्रदान की जाती थी। यह 'निर्मल हृदय' नामक होम फॉर द डाइंग था, जहां असहाय लोगों को गरिमापूर्ण मृत्यु प्रदान करने का प्रयास किया जाता था। संगठन का विस्तार तेजी से हुआ, 1960 तक यह भारत के विभिन्न हिस्सों में फैल गया, और 1965 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई। मदर टेरेसा के नेतृत्व में, मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने लेप्रोसी पीड़ितों के लिए 'शांति नगर' नामक कॉलोनी स्थापित की, जहां प्रभावित लोगों को चिकित्सा, आवास

और पुनर्वास प्रदान किया गया। उनके कार्यों का दायरा केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। 1970 के दशक में, संगठन ने वेनेजुएला, रोम, तंजानिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में शाखाएं खोलीं। 1980 तक, यह 610 से अधिक मिशनों में सक्रिय था, जिसमें अनाथालय, एड्स रोगियों के लिए केंद्र और प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य शामिल थे। मदर टेरेसा ने बांग्लादेश युद्ध (1971) और भोपाल गैस त्रासदी (1984) जैसी घटनाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली, 1962 में रामोन मैग्सेसे पुरस्कार, 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार और 1980 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि यह सम्मान 'गरीबों का सम्मान' है और पुरस्कार राशि को गरीबों की सेवा में उपयोग किया।

उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू उनकी आध्यात्मिक गहराई थी, वे दैनिक यूखरिस्ट और प्रार्थना से प्रेरणा लेती थीं, और उनका मानना था कि गरीबों में ईसा मसीह का दर्शन होता है।

दैनिक यूखरिस्ट एक ईसाई धार्मिक अनुष्ठान है, जो विशेष रूप से रोमन कैथोलिक और कुछ अन्य ईसाई समुदायों (जैसे एंग्लिकन और लूथरन) में प्रचलित है। इसे 'होली कम्युनियन' या 'मास' के रूप में भी जाना जाता है। यूखरिस्ट शब्द ग्रीक शब्द 'यूकारिस्टिया' से आया है, जिसका अर्थ है 'धन्यवाद'। यह एक पवित्र संस्कार (सैक्रामेंट) है, जिसमें विश्वासी यीशु मसीह के अंतिम भोज (लास्ट सुपर) की स्मृति में रोटी और दाखमधु ग्रहण करते हैं, जो क्रमशः मसीह के शरीर और रक्त का प्रतीक माने जाते हैं।

कैथोलिक परंपरा में, दैनिक यूखरिस्ट का अर्थ है कि यह अनुष्ठान प्रतिदिन आयोजित किया जाता है, आमतौर पर चर्च में मास के दौरान। इसमें प्रार्थना, पवित्रशास्त्र का पाठ, उपदेश और रोटी-दाखमधु का अभिषेक शामिल होता है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह यीशु मसीह की वास्तविक उपस्थिति में परिवर्तित हो जाता है। यह अनुष्ठान विश्वासियों के लिए आध्यात्मिक पोषण, ईश्वर के साथ एकता और पापों की क्षमा का साधन है।

मदर टेरेसा के संदर्भ में, दैनिक यूखरिस्ट उनके आध्यात्मिक जीवन का केंद्रीय हिस्सा था। वे प्रतिदिन मास में भाग लेती थीं और यूखरिस्ट ग्रहण करती थीं, जिससे उन्हें अपनी सेवा कार्यों के लिए शक्ति और प्रेरणा मिलती थी। उनके लिए, यह अनुष्ठान गरीबों में मसीह की उपस्थिति को देखने और उनकी सेवा करने का आधार था।

आलोचनाएं

मदर टेरेसा के कार्यों की व्यापक प्रशंसा के बावजूद, उन पर कई आलोचनाएं भी की गईं। क्रिस्टोफर हिचेन्स जैसे आलोचकों ने उनकी संस्थाओं में चिकित्सा मानकों की कमी का आरोप लगाया। एक अध्ययन में पाया गया कि उनके होम्स में दर्द निवारण की सुविधाएं अपर्याप्त थीं, और रोगियों को आधुनिक उपचार के बजाय प्रार्थना और बुनियादी देखभाल पर निर्भर रहना पड़ता था। इसके अलावा, संगठन पर प्राप्त दान के उपयोग को लेकर सवाल उठे, लाखों डॉलर की राशि होने के बावजूद, सुविधाओं में सुधार नहीं किया गया। मदर टेरेसा की गर्भपात, गर्भनिरोधक और तलाक के प्रति कट्टर कैथोलिक दृष्टिकोण भी विवादास्पद रहा। उन्होंने गर्भपात को "सबसे बड़ा विनाशक" कहा, जो विकासशील देशों में जनसंख्या नियंत्रण और महिला अधिकारों के संदर्भ में आलोचना का कारण बना। कुछ आलोचकों ने उन्हें राजनीतिक संपर्कों के लिए दोषी ठहराया, जैसे हैती के डॉवलियर परिवार से दान स्वीकार करना, जो तानाशाही शासन के लिए कुख्यात था। इसके अतिरिक्त, मरते हुए रोगियों को बैप्टिज्म कराने की प्रथा पर हिंदू और मुस्लिम समुदायों ने आपत्ति जताई, इसे जबरन धर्मांतरण का प्रयास माना। इन आलोचनाओं ने मदर टेरेसा की छवि को जटिल बनाया, जहां एक ओर वे संत के रूप में पूजनीय हैं, वहीं दूसरी ओर मानवीय कमजोरियों का प्रतीक। फिर भी, उनके समर्थकों का तर्क है कि उनके कार्यों का उद्देश्य चिकित्सा से अधिक आध्यात्मिक सांत्वना प्रदान करना था, और संगठन की सीमित संसाधनों में उन्होंने अधिकतम प्रयास किया।

प्रभाव

मदर टेरेसा का जीवन 5 सितंबर 1997 को समाप्त हुआ, लेकिन उनका प्रभाव आज भी जीवित है। 2016 में पोप फ्रांसिस द्वारा उन्हें संत घोषित किया गया, जो उनके कार्यों की स्थायी मान्यता का प्रमाण था। वर्तमान संदर्भ में, उनके जीवन और कार्यों की प्रासंगिकता अत्यधिक है, विशेष रूप से 2025 के वैश्विक परिदृश्य में जहां असमानता, गरीबी और मानवीय संकट बढ़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व में 800 मिलियन से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं, और जलवायु परिवर्तन, युद्ध तथा महामारियां जैसे कोविड-19 ने असहायों की संख्या बढ़ा दी है। मदर टेरेसा का मॉडल 'व्यक्तिगत स्पर्श के माध्यम से सेवा' की याद दिलाता है। उनका सर्वेंट लीडरशिप का उदाहरण, जहां नेता सबसे अंतिम व्यक्ति की सेवा करता है, कॉर्पोरेट और राजनीतिक नेतृत्व के लिए प्रेरणा स्रोत है। मिशनरीज ऑफ चैरिटी आज भी 130 से अधिक देशों में सक्रिय है, एड्स, लेप्रोसी और प्राकृतिक आपदाओं में सहायता प्रदान करते हुए उनकी दिखाई राह पर सतत क्रियाशील है। उनके कार्यों ने फ़िलेंथरापी के क्षेत्र को प्रभावित किया, जहां व्यक्तिगत समर्पण पर जोर दिया जाता है।

वर्तमान प्रासंगिकता

वर्तमान प्रासंगिकता के संदर्भ में, मदर टेरेसा की विरासत गरीबी उन्मूलन के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जुड़ती है। उनके जैसे कार्यकर्ता आज के सामाजिक न्याय आंदोलनों में दिखते हैं, जहां गरीबों की आवाज उठाई जाती है। हालांकि, क्या उनके जैसा कोई अन्य व्यक्ति उनके बाद उभरा? इस प्रश्न का उत्तर देना जटिल है। मदर टेरेसा की अनोखी विशेषता उनका धार्मिक समर्पण और गरीबों के बीच जीवन व्यतीत करना था, जो दुर्लभ है। कोई भी व्यक्ति ठीक उनकी तरह-झुग्गियों में जीवन व्यतीत कर मरते हुए लोगों की सेवा भाव के साथ नहीं उभरा।

वर्तमान परिदृश्य में, 2025 के वैश्विक संदर्भ में, मदर टेरेसा का महत्व उनकी मानवीय सेवा, निस्वार्थ समर्पण और गरीबों के प्रति करुणा के मॉडल के कारण अत्यधिक प्रासंगिक है। आज का विश्व गहन सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रहा है, जैसे कि बढ़ती असमानता, जलवायु परिवर्तन, युद्ध, प्रवास और महामारियों के दीर्घकालिक प्रभाव। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, 800 मिलियन से अधिक लोग अभी भी अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं और 258 मिलियन से अधिक लोग युद्ध और संघर्ष के कारण विस्थापित हैं। ऐसे में, मदर टेरेसा का जीवन और कार्य कई स्तरों पर प्रासंगिक हैं।

याद रखें कि बचपन एक दौड़ नहीं है

बचपन एक अनमोल समय है, जब बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक विकसित होने की नींव रखते हैं। यह वह समय है जब वे सीखते हैं कि कैसे चलना, बात करना, सोचना और सामाजिक रूप से व्यवहार करना है। यह वह समय भी है जब वे अपनी पहचान विकसित करते हैं और दुनिया के बारे में सीखते हैं। हालांकि, दुर्भाग्य से कई समाजों में, बचपन को एक दौड़ के रूप में देखा जाता है। माता-पिता और शिक्षकों को अक्सर इस बात की चिंता रहती है कि उनके बच्चे अन्य बच्चों के साथ तालमेल में नहीं हैं या वे पर्याप्त तेजी से नहीं सीख रहे हैं। इस दबाव के परिणाम स्वरूप, कई बच्चे कम उम्र में ही स्कूल छोड़ देते हैं या शिक्षा में पीछे रह जाते हैं।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

■ यह महत्वपूर्ण है कि हम याद रखें कि बचपन एक दौड़ नहीं है। प्रत्येक बच्चा अपनी गति से सीखता है और विकसित होता है। कुछ बच्चे दूसरों की तुलना में जल्दी पढ़ना और लिखना सीख सकते हैं, जबकि अन्य बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में अधिक समय लग सकता है। यह सभी ठीक है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम प्रत्येक बच्चे को अपनी गति से सीखने और विकसित होने का अवसर दें।

■ शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में, ऐसे कई सिद्धांत और दृष्टिकोण हैं जो इस विचार का समर्थन करते हैं कि बचपन एक दौड़ नहीं है। उदाहरण के लिए, प्रकृति बनाम पोषण की बहस में, कई शिक्षाशास्त्रियों का मानना है कि प्रकृति और पोषण दोनों ही बच्चों के विकास में एक भूमिका निभाते हैं। कुछ बच्चे जन्म से ही कुछ कौशल या क्षमताओं में अधिक मजबूत हो सकते हैं, जबकि अन्य बच्चों को कुछ कौशल या क्षमताओं को विकसित करने के लिए अधिक समर्थन की आवश्यकता हो सकती है।

■ एक अन्य महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांत यह है कि सीखना व्यक्तिगत होता है। प्रत्येक बच्चा अलग होता है और अपनी गति से सीखता है। कुछ बच्चों को हाथों-हाथ सीखने में अधिक सफलता मिलती है, जबकि अन्य बच्चों को सुनने या देखने के माध्यम से सीखना अधिक पसंद होता है। शिक्षकों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत सीखने की शैली को समायोजित करें और उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करें।

सुझाव

माता-पिता और शिक्षक बच्चों को बचपन को एक दौड़ के रूप में नहीं देखने में मदद कर सकते हैं। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं:

- बच्चों को अपने हितों और जरूरतों के अनुसार सीखने और विकसित होने की अनुमति दें।
- बच्चों की तुलना एक-दूसरे से न करें।
- बच्चों को उनकी गलतियों से सीखने दें।
- बच्चों को अपनी सफलताओं का जश्न मनाने में मदद करें।

■ बचपन को एक दौड़ के रूप में न देखने के लिए शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में कई दृष्टिकोण भी विकसित किए गए हैं। उदाहरण के लिए, प्रगतिशील शिक्षा दृष्टिकोण बच्चों की रुचियों और जरूरतों पर केंद्रित है। शिक्षक बच्चों को उनकी अपनी गति से सीखने और विकसित होने का अवसर देते हैं।

■ एक अन्य दृष्टिकोण जो बचपन को एक दौड़ के रूप में नहीं देखता है, वह है मोंटेसरी शिक्षा। मोंटेसरी शिक्षा में, बच्चों को एक स्व-निर्देशित वातावरण में सीखने की अनुमति दी जाती है। शिक्षक बच्चों को उनके सीखने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, लेकिन उन्हें अपनी रुचियों और गति से सीखने देते हैं।

■ बचपन को एक दौड़ के रूप में न देखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बच्चों के लिए एक खुश और स्वस्थ वातावरण बनाता है। जब बच्चों को उनकी गति से सीखने और विकसित होने की अनुमति दी जाती है, तो वे अधिक सफल होने की संभावना रखते हैं। वे अपने बारे में अच्छा महसूस करते हैं और अपनी क्षमताओं में विश्वास करते हैं।

खाना खजाना

बेसन नारियल की नमकीन बर्फी

उत्तर भारत में बहुत अधिक खाई जाने वाली बेसन नारियल की बर्फी एक बहुत ही स्वादिष्ट और लोकप्रिय मिठाई है। इसे अक्सर लोग किसी भी शुभ मौके या त्यौहार के समय बनाना पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा किसी झंझट की जरूरत नहीं होती, सभी सामग्री आसानी से मिल जाते हैं। साथ ही बेसन नारियल की नमकीन बर्फी बनाना भी बेहद ही आसान होता है और घर पर आप इसे आजमा कर जरूर देखें।

सामग्री

- बेसन कप
- ताजा नारियल बूरा 1/2 कप
- खट्टा दही 1 कप
- हरी मिर्च 2-4
- भुनी हुई दरदरी मूंगफली
- नमक 1 छोटा चम्मच/ स्वादानुसार
- घी 1 बड़ा चम्मच
- पानी लगभग 1 कप
- नीबू का रस स्वादानुसार

एस.बी. मुथा
फूड ब्लॉगर

बनाने की विधि सबसे पहले आप एक कड़ाही में आधा बड़ा चम्मच घी गरम करें, उसमें बेसन डालें और मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। इस प्रक्रिया में 10-12 मिनट का समय लगता है। एक थाली या फिर ट्रे की तली को कुछ बूंदे घी की लगाकर चिकना करके अलग रखें। हरी मिर्च का डंठल हटा कर और उसे अच्छे से धो कर महीन-महीन काट लें। दही को अच्छे से फेटें। अब इसमें तकरीबन 1 कप पानी मिलाएं।

एक कड़ाही में बचा हुआ घी मध्यम आंच पर गरम करे, अब इसमें कटी हरी मिर्च डालें, कुछ सेकेंड्स भूनें और नारियल बूरा डालकर उसे भी हल्का सा भूनें फिर दही का घोल डालें। एक उबाल आने दे, अब इसमें भुना बेसन, और नमक डालें और सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं, अब इसे बराबर चलाते हुए पकाएं, बेसन को पकने में 5-8 मिनट का समय लगता है। मिश्रण सारा पानी सोख लेता है और यह हलुए के जैसे दिखने लगता है। अब आंच बंद कर दीजिए। अब इसमें नीबू का रस मिलाएं। अब मिश्रण को पहले से चिकनी की हुई थाली में आधा इंच मोटी परत में बराबर से फ़ैलाएं। आप घी लगाकर चिकने करे बेलन की मदद से भी इसे बराबर कर सकते हैं। थोड़ी देर के लिए ठंडा होने दें, इसमें तकरीबन 8-10 मिनट का समय लगता है। बर्फी को मनचाहे आकर में काट लें। इस स्वादिष्ट बेसन नारियल की नमकीन बर्फी को मनपसंद गार्निशिंग से सजाएं और ज़ायके का आनंद लें। ये बर्फी मधुमेह रोगियों के लिए भी उपयोगी होती है।

कुछ टिप्स:- नमकीन बर्फी बनाने के लिए दही खट्टा होना चाहिए।

इस बर्फी को फलाहारी बनाने के लिए बेसन के स्थान पर सिंघाड़े का आटा काम में लिया जा सकता है और सेंधा नमक मिलाया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

दोस्तों के साथ बेटी को देख की मारपीट

पुवायां,अमृत विचार : शाहजहांपुर-पलिया हाईवे पर स्थित रेस्टोरेंट में दोस्तों के साथ दावत उड़ा रही बेटी को देखकर परिजन भड़क गए और लड़के को पकड़कर पीट दिया। शनिवार दोपहर एक ग्रामीण क्षेत्र की लड़की दोस्तों के साथ शाहजहांपुर-पलिया हाइवे पर स्थित रेस्टोरेंट में मुफ्त की दावत उड़ा रही थी। उसी समय लड़की के परिजन वहां पहुंच गए, जिसके बाद वहां का पूरा माहौल ही बदल गया। लड़की के परिवार के लोग बेटी को दोस्तों के साथ देखकर आगबबूला हो गए और एक युवक को पकड़ लिया जबकि उसके साथी भाग गए।

जलस्तर बढ़ा, सहसवान के गांवों में घुसा पानी

बदायूं, अमृत विचार : पिछले तीन दिनों से नरौरा बांध से अधिक पानी गंगा में छोड़ा जा रहा है जिससे सहसवान क्षेत्र के आधा दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। साथ ही अब कटान ने भी ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। एसडीएम ने सतर्कता बरतने के निर्देश दिए है। बाढ़ पर जिला प्रशासन नजर बनाए हुए है। उसहैत के दर्जनों गांवों में सैलाब से हाहाकार मचा हुआ है। अब तक स्थिर दिख रही गंगा ने पूरे इलाके में भारी तबाही मचा दी है।

शाहजहांपुर में नकली खाद फैक्ट्री पकड़ी

कृषि और पुलिस विभाग की संयुक्त छापामार कार्रवाई में नकली फैक्ट्री का हुआ भंडाफोड़

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- लगभग दो मिनी ट्रक नकली खाद पकड़ी गई
- इससे पूर्व बंडा क्षेत्र में पकड़ी गई थी नकली खाद की फैक्ट्री

छापेमारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शासन-प्रशासन की कोशिशों और सख्ती के बाद एक बार फिर से जनपद की सदर तहसील क्षेत्र में एक नकली खाद बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ कृषि विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त छापेमारी से हुआ है। जिसके बाद हड़कंप मच गया। नायब तहसीलदार निशि सिंह व कृषि विभाग, पुलिस की मौजूदगी में छापेमारी कर नकली खाद बनाने वाले उपकरण, एक ट्रक सफेद पाउडर, पैकेट, सिलाई मशीन, बोरी आदि मटेरियल मौके पर मिला। जिसको सील करते हुए, रोजा पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए उसे सीज कर दिया है।

शनिवार को थाना रोजा थाना के मोहम्मदी रोड हथौड़ा बुजुर्ग के पास वेयर हाउस गोदाम में मुखबिर की सूचना पर छापेमारी कर पुलिस और कृषि विभाग की टीम ने नकली खाद बनाने की फैक्ट्री को पकड़ लिया। मौके पर पुलिस को गोदाम पर नकली खाद बनाने वाले आदि कोई व्यक्ति नहीं मिला। कृषि विभाग ने नकली खाद बनाने में मिलाए जाने पाउडर की बोरी से भरे एक ट्रक को टीम ने पकड़ कर अपने कब्जे में लिया। पुलिस को सूचना मिली कि मोहम्मदी रोड पर शिव भव्य धाम के अंदर बने एक गोदाम में नकली खाद बनाने की काम हो रहा है। जानकारी पर छापेमारी की गई। जिसमें एक ट्रक सफेद पाउडर जैसी किसी चीज की बोरी उतार कर गोदाम में लगाई जा रही थी। टीम ने अंदर जाकर देखा तो नकली काले रंग का दानेदार पाउडर बना हुआ मिला। कृषि अधिकारी कहते हैं कि इसी काले रंग के दानेदार पाउडर को बोरियो और प्लास्टिक के झोलो में भरकर बिक्री की जाती थी। नकली खाद के कुछ पैकट भी बरामद हुए। टीम ने सभी चीजों के सैंपल भरकर जांच को लैब भेज दिए हैं।बरेली से आए संयुक्त कृषि निदेशक दुर्विजय सिंह भी नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्री गोदाम में पहुंचे। उन्होंने गोदाम का निरीक्षण किया। नकली खाद बनाने में प्रयुक्त सभी चीजों को देखा। कृषि अधिकारी को सैंपल लेकर कारवाई करने के निर्देश दिए।

नकली खाद बनाने का मौके से बरामद मटेरियल

मार्बल 336 बोटी सफेद पाउडर, खाली ड्रम 7, अनवी शक्ति जाइम खाली बाल्टी 10 किग्रा की 500 बाल्टी, सिलाई मशीन 2, तराजू 2, एग्रो बीओपी 639 बोरी, विभा एग्रो इण्डिया दानेदार, काले रंग की दानेदार सामग्री 432 बोरी प्रति 50 किग्रा, आग्रेनिक मैन्योर पैकिंग के लिए 135 पैकेट प्रति 4 किग्रा, आर्गेनिक मैन्योर 453 पैकेट प्रति 4 किग्रा, छलना 1, तसला 4, मग्गे 2 बाल्टी 6, फेरस सल्फेट फ्यूरी ब्राण्ड खाली रैपर 25000 प्रति 10 किग्रा, रुट पावर माइक्रोन्यूट्रियेन्ट खाली रैपर 20000 प्रति 10 किग्रा, रूद्राक्ष हयूमिक पोटाश फ्लूविक खाली रैपर 15000 प्रति 500 ग्राम, ऑटोमेटिक सीलिंग मशीन 1, फेरस सल्फेट खाली रैपर-4800 प्रति 50 किग्रा, हयूमिक एसिड 433 पैकेट प्रति 500 ग्राम, खाली गत्ते 200, मोनोजिंक खाली रेवर 5000, काले दाने की बोरी 617 प्रति 50 किग्रा, क्वालिटी वेस्ड ऑन स्वीड खाली रैपर 5000 प्रति 4 किग्रा, कुर्सी 6, मेज 6, पंखे 2 , हयूमिक एसिड रॉ मैटेरियल 9 बोरी प्रति 50 किग्रा, सील करने की मशीन इलेक्ट्रानिक 1, सफेद पन्नी में पैकिंग 235 पैकेट प्रति 5 किग्रा, पैक करने वाली रवर का पैकेट 1. धागा वण्डल 5, जिंक 33 प्रतिशत 5 पैकेट प्रति 04 किग्रा, 1 ट्रक आरजे 14 जीएच 15754 मिला, जिसमें 362 बोरी सफेद पाउडर लोड थी। परिसर से उर्वरक के 6 नमूने परीक्षण को भरे गये।

हाईकोर्ट के दो अधिवक्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता, बिल्सी

- बिल्सी के मोहल्ला चार निवासी आले नवी ने कोर्ट में दिया था प्रार्थना पत्र

अमृत विचार : हाईकोर्ट के दो अधिवक्ताओं ने एक व्यक्ति के बेटे की जमानत को लेकर धमकाते हुए 35 लाख रुपये मांगे। व्यक्ति ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। कोर्ट के आदेश पर हाईकोर्ट के दो अधिवक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बिल्सी क्षेत्र के मोहल्ला चार निवासी आले नवी ने बदायूं कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें उन्होंने बताया कि बेटा अदनान आईटी, पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म आदि के मामले में साल 2024 से जेल में बंद है। उसकी जमानत का प्रार्थना पत्र हाईकोर्ट में लंबित चल रहा है। उन्होंने मामले की पैरवी के लिए हाईकोर्ट के अधिवक्ता को नियुक्त किया। आरोप है कि अधिवक्ता जानबूझकर पिछली 10 तारीख से सुनवाई के लिए हाईकोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। 11 जून 2024 को अधिवक्ता से फोन पर उनकी बात हुई। अधिवक्ता ने कहा कि अगर वह अपने बेटे की जमानत उनसे कराना चाहते हैं तो 35 लाख रुपये देने होंगे। अगर वह अपने ही अधिवक्ता से जमानत कराना चाहते हैं तो अधिवक्ता को 15 लाख रुपये देने होंगे। वह शांत रहेंगे लेकिन फिर जमानत कराने की जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी। आले नवी ने रुपये देने से इंकार कर दिया। इसके बाद अधिवक्ता अपने और अपने साथी अधिवक्ता के मोबाइल से फोन करना शुरू कर दिया और रुपयों की मांग की।

महात्मा बुद्ध लोक कल्याण एवं ग्राम्य विकास संस्थान
निघासन खीरी (अल्पसंख्यक संस्थान)
(लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)
बी0एड0 2025–27 में प्रवेश हेतु
आवेदन फार्म महाविद्यालय के कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।
प्रवेश अर्हता एन0सी0टी0ई0 एवं लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के मानकानुसार
मो.– 8299368431

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं। **क्रम सं.–1,** ई–प्रापण निविदा संख्याः NER-GKP-RSP-2025-04, **कार्य का नामः** छपरा (सी.पी.आर.)–सीवान (एस.वी.) सेक्शन में कोपा सम्होता (केपीएस)–दाउदपुर (डीडीपी) रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 339/23–26 पर एल.सी. संख्या–57/सी. के स्थान पर दो लेन वाले एंड टू एंड रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण, जिसमें पहुंच मार्ग में आरई वॉल/पीएससी गर्डर/कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और पूर्वोत्तर रेलवे रेलवे के वाराणसी डिवीजन के रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के स्टील कम्पोजिट गर्डर का उपयोग किया जाएगा। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 44,34,75,115.36 बयाना राशि (रू.): ₹ 23,67,400.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू) : 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 महीने।
बिडं प्रारम्भ करने की तिथिः–दिनांक 01.09.2025, उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथिः– दिनांक 15.09.2025, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथिः– दिनांक 15.09.2025, 15.00 बजे। निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी
मुजाधि/डब्लू–212 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की गई जान

संवाददाता, भगतपुर

- भगतपुर के निबाड़ खास में हुआ हादसा, लोगों ने मुरादाबाद-टांडा मार्ग पर लगाया जाम

अमृत विचार : थाना भगतपुर क्षेत्र के ग्राम निबाड़ खास के निकट शनिवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक टांडा बाजपुर मार्ग जाम रखा।

मृतक कपिल।

ग्राम निबाड़ खास निवासी कपिल(27) एवं बबलू उर्फ महेंद्र मुरादाबाद में नौकरी करते थे। शनिवार की सुबह करीब 9 बजे कपिल एवं बबलू उर्फ महेंद्र बाइक द्वारा काम पर जा रहे थे। दोनों घर से कुछ दूरी पर खबड़िया सिरसवां हरचंद मार्ग पर पहुंचे तभी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ट्रैक्टर मार्ग किनारे नहर में घुस गया वह दोनों ट्रॉली के नीचे दब गए।

राहगीर व ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देकर ट्रॉली के नीचे दबे दोनों युवकों को बाहर निकाला। भगतपुर पुलिस मौके पर पहुंची व घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया जहां डॉक्टरों ने कपिल को मृत घोषित कर दिया। खबर जैसे ही निबाड़ खास पहुंची तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने मुरादाबाद टांडा मार्ग पर जाम लगा दिया। थाना डिलारी एवं मूंढापांडे पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के समझाने पर परिजन मान गए एवं उन्होंने जाम खोल दिया जिसके बाद यातायात चालू हो गया।

घायल बबलू उर्फ महेंद्र का उपचार चल रहा है। मृतक कपिल का डेढ़ वर्ष पूर्व विवाह हुआ था उसकी तीन माह की पुत्री है। कपिल तीन भाई बहनों में सबसे छोटा था। पत्नी नेहा एवं मां शांति देवी का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रधान के बेटे का हत्यारोपी 13 साल बाद गिरफ्तार

ओरछी, अमृत विचार : फैजगंज बेहटा पुलिस ने हत्या करने में वांछित चल रहे इनामिया को शुक्रवार देर रात जंगल से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 13 साल पहले ग्राम प्रधान के बेटे की हत्या की थी। इसके बाद से वह फरार हो गया था। पुलिस ने उसपर 25 हजार रुपये इनाम घोषित किया था। बताया जा रहा है कि वह निजी स्कूलों पढ़ाने लगा था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। हत्याकांड के अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव गुजरेला में साल 2012 में खूनी संघर्ष हुआ था। पूरे गांव में हड़कंप मच गया था। गांव निवासी तेजपाल ने ग्राम प्रधान रामौतार के बेटे प्रेमपाल की जंगल में बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्या, षड्यंत्र रचने, एससी-एसटी एक्ट आदि की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने विवेचना की तो गांव के अन्य तीन आरोपियों के नाम भी सामने आए थे। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था, लेकिन तेजपाल फरार हो गया था।

जौनपुर में चाचा ने भतीजे को लाठी से पीटकर मार डाला

जौनपुर, एजेंसी

जिले के एक गांव में एक व्यक्ति ने अपने ही भतीजे की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि तीन लोगों की तलाश जारी है।

केराकत के पुलिस क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक ने बताया कि चन्दवक थानाक्षेत्र के छोटी चिटको राजभर बस्ती निवासी रामदयाल राजभर ने शुक्रवार रात अपने 32 वर्षीय भतीजे राजकुमार को खाना खाने के लिए बुलाया। उन्होंने बताया कि राजकुमार अपने साथियों के साथ घर के बाहर बैठा था और किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो धीरे-धीरे मारपीट में बदल गई। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान रामदयाल घर से लाठी लेकर आया और भतीजे के सिर पर वार कर दिया। उन्होंने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगने से राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई और घटना के बाद आरोपी रामदयाल मौके से फरार हो गया। अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने की कोशिश की लेकिन ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीण मुख्य आरोपी सहित सभी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए, जिसके बाद चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। नगर पुलिस उपाधीक्षक आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि तीन आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की गई है।

बाराबंकी में फुंकनी से वार कर पत्नी की हत्या

बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार दोपहर खाना देने को लेकर हुए विवाद के बाद पति ने लोहे की फुंकनी से पत्नी पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद पति मौके से फरार हो गया। खबर लगने पर सीतापुर से आए मृतका के भाई दहेज न मिलने पर बहन की हत्या करने की तहरीर दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार हत्या की यह घटना बड्डूपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मल्हूपुर मजरे सलेमपुर में शनिवार की दोपहर को हुई। गांव के रहने वाले अम्बरीश गौतम का पत्नी सुमन से खाना देने को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि तैश में आए पति अम्बरीश ने पास ही रखी लोहे की फुंकनी से सुमन के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। अचानक हुए हमले से अचेत सुमन जमीन पर गिरी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अम्बरीश मौके से भाग निकला। उधर ग्रामीणों से इस घटना की सूचना मिलने पर जिला सीतापुर थाना महमूदाबाद क्षेत्र के ग्राम मरहमतनगर से मृतका का भाई संतोष बहन के गांव पहुंचा तो सुमन का मृत शरीर पड़ा देखा। उसने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा कि उसकी बहन का विवाह तीन साल पहले हुआ था।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण/आर.एस.पी. पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र० सं०–1, ई–प्रापण निविदा संख्या :** NER-GKP-RSP-2025-09, **कार्य का नाम** – थावे जंक्शन (टी.एच.ई.)–कप्तानगंज जंक्शन (सी.पी.जे.) खंड में सासामुसा (एस.एस.यू.)–जलालपुर (जे.जी.पी.) रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 43/6–7 पर एल.सी. संख्या 10/बी के साथन पर दो लेन के एंड–टू–एंड रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण,जिसमें पहुंच मार्ग में आरई वॉल/पीएससी गर्डर / कंपोजिट गर्डर शामिल हैं और पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी डिवीजन के रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के स्टील कंपोजिट गर्डर का उपयोग किया जाएगा।, अनुमानित निविदा मुल्य : 478092262.09, बयाना राशि (रू०) : 2540500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०) : 0.00 शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 24 महीने ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि–दिनांक 02.09.2025 ● उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि – दिनांक 16.09.2025 15.00 बजे तक। ● उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि – दिनांक 16.09.2025 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट https://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
अधिशासी अभियन्ता/ निर्माण/आर.एस.पी
मुजाधि/डब्ल्यू – 215 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

प्रकाशन हेतु
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्यासुल इस्लाम पुत्र मो. अशरफ निवासी ग्राम जाम सावन्त जनूवी तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने पंजाब सिंध बैंक शाखा शाहगढ़ बहेड़ी जिला बरेली में ऋण के लिए प्रत्यावेदन दिया है और गारण्टीस्वरूप गाटा सं. 701, 702, 703 रक्बा 140.47 वर्ग मीटर हरूनगला तहसील बरेली जिला बरेली का बैनामा विक्रेता मो0 आरिफ पुत्र रशीद अहमद मो0 नवादा शेखाना बरेली जिला बरेली मुख्त्यारेआम श्रीमती आसिफा जमाल पुत्री हाजी जियाउल्ला पत्नी मो. आरिफ निवासी नवादा शेखाना तहसील बरेली जिला बरेली क्रेता अकील अहमद पुत्र मो0 अहमद निवासी ग्राम खमरिया जिला पीलीभीत जिसका पंजीकरण वही सं0 1 खण्ड 1260 पेज नं0 133–152 नं0 5842 दिनांक 25.08.2005 को उपनिबन्धक बरेली में पंजीकृत हुआ है। यह मूल बैनामा खो गया है। जिसकी रिपोर्ट थाने में दिनांक 21.08.2025 को ग्यासुल इस्लाम ने कराई है। आम जन को सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति संगठन आदि को किसी तरीके की आपत्ति बैनामा दिनांक 25.08.2005 के सम्बन्ध में है तो नोटिस दिनांक के 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्य सहित अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष सामान्य कार्य दिवस में पेश करें। अन्यथा यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है और ऋण आवंटित कर दिया जायेगा।
शाखा प्रबंधक
पंजाब एण्ड सिंध बैंक
शाखा शाहगढ़ बहेड़ी
जिला बरेली

नाम बदलने के प्रकरण में सपा सांसद का सरकार पर हमला

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिले में बैंड संचालकों का नाम बदलने को लेकर उठे विवाद पर सपा सांसद रुचि वीरा ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। सांसद ने कहा कि किसी भी संस्थान को अपना नाम रखने की स्वतंत्रता है। यदि किसी पर दबाव डालकर धर्म के आधार पर नाम बदलने को मजबूर किया जाता है तो यह संविधान के अनुच्छेद 15 का सीधा उल्लंघन है। यह बात उन्होंने अपने कार्यालय प्रेस वार्ता के दौरान कही है। सांसद रुचि वीरा ने अपने कार्यालय पर सरकार के नाम बदलने वाले आदेश पर टिप्पणी करते हुए उदाहरण के साथ कहा कि हमारे देश के महान कलाकार यूसुफ अली, जिन्हें पूरी दुनिया पूरी उम्र दिलीप कुमार के नाम से जानती रही। इसका प्रमाण हैं कि नाम व्यक्ति की अपनी पहचान है।

बीएसएफ जवान ने बेटे के साथ गंगा में लगाई छलांग

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

- 19 अगस्त को उसकी पत्नी भी इसी बैराज से गंगा में कूद गई थी

अमृत विचार : बीएसएफ जवान ने अपने डेढ़ वर्षीय मासूम बेटे प्रणव को गोद में लेकर बिजनौर बैराज से गंगा नदी में छलांग लगा दी। इससे पहले, 19 अगस्त को उसकी पत्नी ने भी इसी बैराज से गंगा में छलांग लगाई थी, जिसकी तलाश अब तक जारी है।

नजीबाबाद की वेदविहार कॉलोनी निवासी बीएसएफ जवान राहुल उर्फ सुमित (31) शनिवार को अपने डेढ़ साल के बेटे को दवा दिलाने के लिए बिजनौर जिला अस्पताल आया था। दवा लेने के बाद वह सीधे बिजनौर बैराज की ओर चला गया। बैराज पर यातायात बंद होने के कारण उसने किराए की कार रोक दी। दोपहर करीब दो बजे वह बेटे को गोद में लिए गेट नंबर 17 की ओर गया। इसके बाद वह बैराज पार कर मुजफ्फरनगर की पुलिस चौकी पर पहुंचा और दरोगा से पत्नी के बारे में जानकारी ली।

वापस लौटते समय अचानक उसने मासूम बेटे के साथ गंगा में छलांग लगा दी। मोबाइल फोन पुल पर ही छोड़ दया राहगीरों ने देखा तो शोर मचाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस, पीएसी और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। गोताखोरों द्वारा पिता-पुत्र की नदी में तलाश की जा रही है। जैसे ही खबर परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। करीब पांच साल पहले राहुल ने मनीषा ठाकुर से प्रेम विवाह किया था। कुछ महीनों से दंपती के बीच कलह थी। इसी तनाव में पत्नी ने गंगा में छलांग लगा दी।

बेगमपुरा एक्सप्रेस में सीट को लेकर यात्रियों में हाथापाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बेगमपुरा एक्सप्रेस में जनरल कोच में सीट पर बैठने को लेकर यात्रियों में मारपीट हो गई। इससे अफरा-तफरी गच गई। रेलवे कंट्रोल के आदेश पर जीआरपी और आरपीएफ ने दोनों पक्षों को नीचे उतार लिया। बेगमपुर एक्सप्रेस के बरेली से चलने के बाद जनरल कोच में सीट को लेकर यात्रियों में कहासुनी हो गई। महिला की सीट पर एक युवक जबरन बैठ गया था। उसके पति ने उससे सीट खाली करने के लिए कहा तो सीट नहीं खाली की। इसी को लेकर मारपीट शुरु हो गई, इससे कोच में अफरा-तफरी मच गई। लोग मारपीट से बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। यात्रियों ने रेलवे के डायल 139 पर शिकायत की।

सांड से टकराकर बाइक सवार की मौत

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : गांव हंसुआ जाजू निवासी छोटे लाल शुक्रवार शाम गांव सरौरा से बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में सांड से बाइक टकरा गई। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे
निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2025–26
अधोलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः
क्रम सं.-1, कार्यो का विवरणः सीसेइ (सिग.)/फतेहगढ़ के खण्ड में TRR, TBR एवं PQRS साइडिंग डिपो कार्यो हेतु विविध सिगनलिंग कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 1,52,79,204.77, बयाना राशिः ₹ 2,26,400/-, कार्य समापन अवधिः 12 माह।
ई-निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः दिनांक 12-09-2025 को 11:00 बजे।
• पूर्ण विवरण वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर अपलोड कर दी गयी है।
• सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिये।
वरि. मण्डल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर,
मुजाधि/सिगनल-47 इज्जतनगर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय : दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0 तिलहर (शाहजहाँपुर)
पत्रांक : 625/ई–निविदा/2025–26 दिनांक : 22.08.2025
ई–निविदा सूचना
सत्र 2025–26 हेतु इस चीनी मिल में विविध सामग्री उपकरणों की आपूर्ति, विभिन्न कार्यपूर्ति, विभिन्न सिविल कार्यो, आउटसोर्स मैनपावर सप्लाई तथा इस मिल के सत्र 2023–24 एवं सत्र 2024–25 में उत्पादित ब्राउन शुगर के विक्रय हेतु इच्छुक/पंजीकृत एवं अनुभवी निविदादाताओं से ई–निविदायें दिनांक 25.08.2025 से पेराई सत्र के समयानुसार तक निर्धारित सारणी/समय–समय पर आमंत्रित की जा रही है, जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.etender.up.nic.in, www.gem.gov.in एवं www.upsugarfed.org से इच्छुक निविदादाता द्वारा डाउनलोड की जा सकती है।
प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर
पत्रांकः 1968/निविदा सूचना/2025–26 दिनांकः 23.08.2025
अल्पकालीन निविदा सूचना
एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा स्वीकृत इण्टरलॉकिंग सड़क व नाली निर्माण आदि कार्यो से सम्बन्धित 05 निर्माण कार्यो के लिये पंचमवार दिनांक 25.08.2025 से दिनांक 01.09.2025 तक समय सायं 05:00 बजे तक सामान्य निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विवरण एवं निविदा संबंधी नियम एवं शर्ते डूडा कार्यालय पर उपलब्ध है। उक्त निविदाएं निर्धारित समयान्तर्गत जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। तदोपरान्त प्राप्त निविदाओं की बिड दिनांक 02.09.2025 को समय अपरान्ह 02:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोली जायेंगी। अगर किसी कारणवश कोई अवकाश पड़ जाता है या कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्यदिवस में उसी समय निविदायें खोली जायेंगी।
परियोजना अधिकारी
जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा)
शाहजहांपुर

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेंस लि0 शाखा प्रथम तल एस0आर0पी0 काम्पलेक्स कर्मचारी नगर मिनीबाईपास रोड इलाहाबाद बैंक के सामने बरेली से श्रीमती परवीन बेगम पत्नी अब्दुल नसीम नि0 मोहल्ला करेंगी रोड बगरैन पर0 सतासी तह0 बिसौली जिला बदायूँ एक किता मकान तादादी 104.68 वर्गमी0 वाकै वगरैन पर0 सतासी तह0 बिसौली जिला बदायूँ जिसकी चौहददी पूरब में मकान राजू, पश्चिम में रस्ता 10 फिट चौड़ा, उत्तर में मकान संजीव व दक्षिण में मकान मुख्तार है को द्वारा बैनामा जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 05.10.2021 को श्रीमान स0र0 बिसौली बदायूँ में बही सं0 1 जिल्द सं0 9432 के पृष्ठ 331 से 350 तक क्रमांक 11860 पर हुई है इकरारी सुरेश जी मेहरोत्रा से क्रय किया था जिसको बंधक रखकर मेरे मुवक्किल से लोन ले रही है उक्त सम्पत्ति की बाबत एक शुद्धि पत्र हुआ जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 27.05.2025 को श्रीमान स0र0 बिसौली बदायूँ में बही सं0 1 जिल्द सं0 11180 के पृष्ठ 335 से 348 तक क्रमांक 6287 पर हुई है उक्त शुद्धि पत्र कहीं खो गया है जिसके खोने की सूचना दिनांक 21.08.2025 को ई–थाना पर दर्ज कराई जा चुकी है।
अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 07 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेंस लि0 शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा श्रीमती परवीन बेगम के पक्ष में ऋण जारी कर दिया जायेगा।
मुनीश कुमार सक्सेना
चैम्बर नं0 27 न्यू बिल्डिंग
बंगलिया सिविल कोर्ट बरेली।
सूचीबद्ध अधिवक्ता
हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेंस लि0 बरेली
मो0नं0 9997389012

अमावस्या पर बृजघाट व तिगरी गंगा में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता, गजरौला

बृजघाट में गंगास्नान करते बड़ी संख्या में श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अमावस्या पर शनिवार को बृजघाट व तिगरीधाम गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। अमरोहा जिला व आसपास जिला सहित कई राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। शनिवार को भोर से ही श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान शुरू कर दिया। हर-हर गंगे के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने स्नान किया तथा घाटों के किनारे विधि विधान से पूजा की। बताया जा रहा है कि तमाम श्रद्धालुओं ने तड़के तीन बजे से ही स्नान शुरू कर दिया। बहुत से श्रद्धालु तो शुक्रवार देर रात बृजघाट पहुंच गए थे, जिन्होंने सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा में स्नान किया तथा सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा की। हरियाणा, दिल्ली राज्यों के अलावा बुलंदशहर, हापुड़, अमरोहा, मेरठ, सम्भल, मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर आदि जनपदों से आए श्रद्धालुओं ने गंगास्नान किया। विधि विधान से पूजा कर जरूरतमंदों को दान देकर पुण्यलाभ कमाया। शाम तक स्नान का सिलसिला जारी रहा। सुरक्षा को लेकर गंगाघाटों पर पुलिस तैनात रही।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी., पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैः **क्रम सं.: 1- ई-प्रापण निविदा संख्याः NER-GKP-RSP-2025-07 कार्य का नामः** गोंडा-बाराबंकी खंड में कर्नलगंज रेलवे स्टेशन यार्ड में किमी 686/4-5 पर एल.सी. संख्या 282 /स्पेशल के स्थान पर दो लेन वाले एंड-टू-एंड रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) का निर्माण, जिसमें पहुंच मार्ग में आर.ई.वॉल/पी.एस.सी. गर्डर/कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और एन.ई. रेलवे के एल.जे.एन. डिवीजन के रेलवे हिस्से में आर.डी.एस.ओ. के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जायेगा, **अनुमानित निविदा मूल्यः** ₹ 56,93,32,534.92, **बयाना राशिः** ₹ 29,96,700.00,**निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0):** ₹ 0.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 24 महीने, **नोटः 1.** बिड प्रारम्भ करने की तिथि - दिनांक. **01.09.2025**, **2.** उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अंतिम तिथि - दिनांक **15.09.2025**, 15:00 बजे तक, **3.** उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - दिनांक **15.09.2025**, 15:00 बजे, **4.** निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है, **5.** निविदा सूचना में यदि हिंदी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
अधिशासी अभियंता/निर्माण/आर.एस.पी.
मुजाधि/डब्लू-214 गोरखपुर
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

कार्यालय उपजिलाधिकारी, अमरिया जनपद-पीलीभीत
पत्रांकः 254/रा.का.–2025 दिनांकः 21.08.2025
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत– भिण्डारा तहसील–अमरिया जनपद–पीलीभीत
अवगत कराना है कि आपकी ग्राम पंचायत भिण्डारा तहसील अमरिया जनपद पीलीभीत के गाटा सं. 54/4 रकबा 0.247 हे. जो कि मरघट के नाम अंकित है तथा गाटा सं. 46 रकबा 0.567 हे. तालाब के नाम अंकित है, उक्त भूमि पर यूकेलिप्ट्स के 40, सेमल के 11 व शीशम के 36 पेड़ खड़े हैं। कुल वृक्षों की संख्या 87 है। वृक्षों का पालन हेतु मूल्यांकन कार्यालय प्रभागीय निदेशक, वन एवं वन्यजीव प्रभाग पीलीभीत के पत्रांक सं. 444/37–5, पीलीभीत दिनांक 18.08.2025 को निर्गत किया गया है। उक्त वृक्षों के पालन हेतु नीलामी के माध्यम से अधिकतम दर पर नीलामी आमंत्रित होनी है। इस नीलामी के लिए तहसीलदार अमरिया को नीलामी अधिकारी नामित किया जाता है। नीलामी अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि नियमानुसार शर्तो का पालन किया जाना सुनिश्चित करें। नीलामी शिविर का आयोजन दिनांक 04.09.2025 को समय सायं 2:00 बजे तहसील सभागार अमरिया में किया जायेगा।
1. नीलामी की सूचना स्थानीय दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से जन सामान्य को नीलामी दिनांक से एक सप्ताह पूर्व उपलब्ध हो।
2. नीलामी प्रक्रिया की पूर्ण वीडियोग्राफी की जाये।
3. नीलामी पत्रावली मूलरूप से नीलामी प्रक्रिया समाप्ति उपरान्त कार्यालय अद्योहस्ताक्षरी में जमा कराया जाये।
उपजिलाधिकारी
अमरिया

अमृत विचार

रविवार, 24 अगस्त 2025

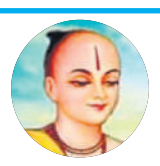

'तुलसी' काया खेत है,
मनसा भयौ किसान।
पाप-पुन्य दोउ बीज हैं,
बुवै सो लुनै निदान॥

गोस्वामी तुलसी दास जी कहते हैं, यह शरीर खेत समान है और मन किसान है। किसान पाप और पुण्य रूपी दो प्रकार के बीजों को बोता है। मन जैसे बीज बोएगा वैसे ही अंत में फल काटने को मिलेंगे।

सभा की शक्ति घटी है, क्या फिर होगी महाभारत!

संसद तमाम प्रयासों के बावजूद ठीक से नहीं चल रही है। इसी तर्ज पर राज्यों के विधानमंडल भी हल्ले-गुल्ले का शिकार हो रहे हैं। बीते बुधवार और गुरुवार को संसदीय कार्यवाही में बाधा डाली गई। कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों ने सदन में विधेयकों की प्रतियां फाड़ दीं। बाधा-व्यवधान के कारण संसद और विधान मंडल में कार्य दिवस घटे हैं। शांतिपूर्ण बहसें नहीं होतीं। पूरा मानसून सत्र घोर अव्यवस्था का शिकार हुआ। मानसून सत्र में लोकसभा सिर्फ 37 घंटे ही चली और राज्यसभा में कुल 41 घंटे 15 मिनट काम हुआ। मूलभूत प्रश्न है कि क्या भारतीय संसदीय व्यवस्था पूरी तौर पर असफल हो गई है? क्या इसको बचाने के लिए कोई उपाय हैं? सदनों की घोर अव्यवस्था राष्ट्रीय चिंता है। समय-समय पर लोकसभा के अध्यक्ष के नेतृत्व में इस विषय पर गंभीर चर्चा होती रहती है। पिछली लोकसभा के समय देश के सभी विधानसभा अध्यक्षों, पीठासीन अधिकारियों और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों का एक सम्मेलन गुजरात के केवड़िया में हुआ था। गंभीर चर्चा हुई थी।

इसके पहले भी लगभग हर साल सदनों के व्यवधान पर पीठासीनों के सम्मेलनों में गंभीर चर्चा हुई थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदनों के व्यवधान की समस्या पर विचार-विमर्श के लिए समिति बनाई थी। मैं इस समिति का संयोजक बना था। एक विधायक के रूप में मैंने छह कार्यकाल और सदन की कार्यवाही को निकट से देखा है। सदनों में अव्यवस्था और व्यवधान की समस्या को आसानी से नहीं सुलझाया जा सकता। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श करना जरूरी है।

संसद और विधानमंडल अपने कार्य संचालन की प्रक्रिया के स्वामी हैं। संविधान में संसद परिपूर्ण विचार स्वातंत्र्य है। कार्यवाही की विधि मान्यता प्रक्रियागत त्रुटि के आधार पर चुनौती न दिए जाने के अधिकार हैं। संसदीय कार्यवाही में अध्यक्ष, पीठासीन का निर्णय सर्वोपरि माना जाता है। अध्यक्ष की एक विशेष गरिमा है। इस गरिमा का मूल आधार तठस्थता और निष्पक्षता है। दलबदल कानून को लेकर अध्यक्षों

> संसद में आए दिन के शोर-शराबे और गतिरोध के कारण वह ठीक से नहीं चल पा रही है। बाधा-व्यवधान की वजह से संसद और विधानमंडल में कार्य दिवस घटे हैं। मानसून सत्र में लोकसभा सिर्फ 37 घंटे ही चली और राज्यसभा में कुल 41 घंटे 15 मिनट काम हुआ। मूलभूत प्रश्न है कि क्या भारतीय संसदीय व्यवस्था पूरी तौर पर असफल हो गई है? क्या इसको बचाने के लिए कोई उपाय हैं?)

पर कई सवाल उठे हैं। बात सर्वोच्च न्यायपीठ तक पहुंची है। यह गरिमा का विषय ही था कि एक समय लोकसभा अध्यक्ष आयंगर ने कहा था, "मैं एक दल और दूसरे दल में भेद नहीं करता।" लेकिन उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल से त्यागपत्र दे दिया। कांग्रेस के सदस्य बने रहे।

संसदीय प्रणाली में आत्म रूपांतरण की शक्ति होती है, लेकिन आत्मसुधार बहुत आसान नहीं होता। स्वयं को अनुशासित बनाए रखना अग्नि पर चलने जैसा कष्ट साध्य है। कुछ परिस्थितियां ऐसी हैं, जिनमें अध्यक्ष, पीठासीन के सामने चुनौती होती है। सरकार सदनों में बजट के सारे बिंदु रखती है। बजट का पारण महत्वपूर्ण संसदीय कार्य है, लेकिन सदनों के भीतर होने वाले शोरगुल और व्यवधान बहस का समय खा जाते हैं, तब भारी व्यवधान के बीच ही बजट का पारण होता है। बजट के महत्वपूर्ण प्रावधान भी बिना बहस पारित होते हैं। यह अच्छी परंपरा नहीं है, लेकिन इसका विकल्प भी नहीं है। विधेयक पारित कराना सरकार की प्राथमिकता है। अव्यवस्थित सदन में बजट पर विचार नहीं हो पाता। समाज को प्रभावित करने वाले विधेयकों पर चर्चा नहीं होती। व्यवस्थित सदन में बिना बहस बजट का पारण होता रहा है। ऐसे ही संसदीय व्यवस्था पिटती रही है।

हृदयनारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश

व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप बहुत खतरनाक होते हैं। असहमति के अधिकार बेशक प्रत्येक के पास होते हैं, लेकिन असहमति और शत्रुता में फर्क करना चाहिए। देश के प्रायः सभी सदनों में व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लगते हैं। शब्द का अपना सामर्थ्य होता है। शब्द की मार बड़ी है। शब्द को गाली-गलौच के लिए उपयोग करना निंदनीय है। पतंजलि ने 'महाभाष्य' में लिखा है, 'शब्द को निश्चित स्थान पर रखने से भाव बदलते हैं।' लेकिन मान्यवर नहीं सुनते। संकट बड़ा है। इसे राष्ट्रीय शर्म, निंदनीय और लज्जाजनक बताने मात्र से परिवर्तन नहीं होगा। दलतंत्र शब्द आक्रमण से नहीं डरता। आरोप-प्रत्यारोप ही उसका मुख्य कौशल है। लोकसभा चुनाव में हजारों प्रत्याशी टिकटार्थी कतारबद्ध रहते हैं। पार्टी के टिकट पर सांसद-विधायक बनने के प्रत्याशी होते हैं। आवेदन पत्र में प्रविष्टि होनी चाहिए कि वे सदन में जाकर कैसा आचरण करेंगे? क्या वे मर्यादा पालन करेंगे? क्या सभी दल संसदीय परंपरा के जानकार लोगों को प्रत्याशी बनाने को तैयार हैं?

भारत प्राचीन काल से ही जनतंत्री है। ऋग्वैदिक काल में सभा समितियां थीं। अथर्ववेद में स्तुति है, 'सभा में सभ्य हों, सभ्यों से सभा चले। सदस्य सभ्य रहें- सभ्यं सभा में पाहि, च सभ्याः सभासद।' अथर्ववेद के रचनाकाल में सभा समिति में सभ्य सभासदों की प्यास है। सभेय होने का अर्थ ही सभ्य होना है। सभ्य से सभ्यता है। डॉ. अंबेडकर ने संविधान बन जाने के बाद संविधान सभा (25.11.1949) में कहा, "यह बात नहीं कि भारत संसदीय प्रक्रिया से परिचित न था। बौद्ध संघ संसद थे। आधुनिक संसदीय प्रक्रिया के सभी नियम उस समय भी थे। भारत से यह लोकतंत्री व्यवस्था मिट गई। क्या वह फिर से इस व्यवस्था को मिटा देगा?" डॉ. अम्बेडकर की शंका निर्मूल नहीं कही जा सकती। संसदीय व्यवस्था का संकट अखिल भारतीय है। संसदीय व्यवस्था के शपथी ही यह व्यवस्था तोड़ रहे हैं। आखिरकार जन-गण-मन निरूपाय और लाचार क्यों है? जनशक्ति आगे आए। सदनों की अव्यवस्था को पटरी पर लाना राष्ट्रीय कर्तव्य है। जनतंत्र भारत की जीवनशैली है। भारत का राजधर्म राष्ट्रधर्म है। राष्ट्रधर्म और सनातन जीवनशैली पर हमला बर्दाश्त करना त्रासद है।

संसदीय कार्यवाही का सौंदर्य अध्यक्ष/पीठासीन पर निर्भर है। दलबदल कानून (52वें संविधान संशोधन अधिनियम 1985) विधायी सदनों के सभी सदस्यों पर लागू है, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष/विधानसभा अध्यक्ष/राज्यसभा और विधान परिषद के सभापति और उक्त सदनों के उपाध्यक्षों/उपसभापतियों को छूट है कि वे निष्पक्ष बने रहने के लिए दल त्याग कर सकते हैं। एन संजीव रेड्डी ने भी लोकसभा अध्यक्ष होते ही कांग्रेस छोड़ दी थी। पीठासीन का दल त्याग बड़ी बात है, लेकिन यहां हाईकमान की इच्छापूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को कुरूप बनाने की लत बढ़ी है। संसद के असभ्य कथानकों में सत्तादल की भी भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। हुल्लड़ सार्वभौम है। विधायी संस्थाओं के भीतर विशेषाधिकार के चीरहरण त्रासद हैं। द्रोपदी का चीरहरण किसी निर्जन वन में नहीं हुआ था। यह सभा ही थी। सभी सभासद दोषी थे। महाभारत सभापर्व में विदुर ने कहा, "सभा में हुए पाप का आधा भाग सभाध्यक्ष पर, एक चैथाई पापकर्मियों पर और शेष एक चौथाई पाप मौन रहने वालों पर होता है।" क्या देश के माननीय पीठासीन विदुर की टिप्पणी पर ध्यान देंगे? राष्ट्र अवाक् है, व्यथित और आहत भी है। सभा की नैतिक शक्ति घटने से ही महाभारत हुआ था। सभा की शक्ति फिर से घटी है, क्या भारत एक और महाभारत की तैयारी कर रहा है?

आवारा इंसान व जानवर दोनों से ही है खतरा

भारत का बहुसंख्यक समाज भावनात्मक रूप से काफी सीधा-साधा तथा प्रकृति व पशु प्रेमी माना जाता है। यहां इंसान से ज्यादा कभी-कभी जानवरों के प्रति करुणा और श्रद्धा दिखाई जाती है। सड़कों पर बैठी गायों को देखकर लोग हाथ जोड़ लेते हैं, कुत्तों को बिस्किट खिलाने पर लोग खुद को दयालु समझते हैं और सोशल मीडिया पर हैशटैग चलाकर खुद को पशु प्रेमी साबित करते हैं। इस चमकीली तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कई मौकों पर यह करुणा खोखली और जिम्मेदारी से बचने का बहाना नजर आती है। भारत की सड़कों पर घूमते लाखों आवारा जानवर इस बात के गवाह हैं कि भावनाओं के नाम पर हम सिर्फ नाटक कर रहे हैं। असल में न तो उनकी देखभाल करते हैं और न ही इंसानों की सुरक्षा का ख्याल रखते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि चाहे आवारा इंसान हों या आवारा जानवर, दोनों ही समाज के लिए बड़ा खतरा हैं। ऐसे लोगों से बच के रहने में ही समाज का भला है।

अजय कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

2019 की पशु गणना के अनुसार, भारत में करीब 50 लाख आवारा गायें हैं। यह संख्या किसी बाहरी संकट की वजह से नहीं, बल्कि हमारी अपनी लापरवाही से है। करीब 95 प्रतिशत गायें वे हैं, जिन्हें डेयरी किसान दूध न देने की स्थिति में खुला छोड़ देते हैं। उनका तर्क यह है कि अगर वे इन्हें पालेंगे तो चारे का खर्च बढ़ेगा, इसलिए उन्हें शहर की सड़कों पर घूमने दिया जाता है।

> सड़कों पर बैठी गायों को देखकर लोग हाथ जोड़ लेते हैं, कुत्तों को बिस्किट खिलाने से खुद को दयालु समझते हैं। इस चमकीली तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी है। कई मौकों पर यह करुणा खोखली और जिम्मेदारी से बचने का बहाना नजर आती है।

कुत्तों की समस्या और भी भयावह है। दुनिया में सबसे ज्यादा करीब 6 करोड़ कुत्ते भारत में हैं। इसका मतलब यह हुआ कि भारत की 1.4 अरब आबादी में हर 23वां इंसान एक आवारा कुत्ते के साथ बंधा हुआ है। हर साल भारत में करीब 37 लाख लोग कुत्तों के काटने का शिकार होते हैं। दुनिया में रेबीज से होने वाली कुल मौतों में 36 प्रतिशत अकेले भारत में ही होती हैं। हाल ही में सिर्फ दिल्ली में ही 2025 के मध्य तक 35,000 से ज्यादा कुत्ता काटने की घटनाएं और करीब 50 मौतें दर्ज की गईं। यानी यह समस्या अब केवल जानवरों की नहीं रही, यह सीधे इंसानों के जीवन के लिए खतरा बन चुकी है। संभवतः इसी सब को ध्यान में रखकर सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए सख्त आदेश जारी किया है।

कुत्तों की आबादी का गणित डरावना है। एक असंक्रमित मादा कुत्ता, अगर लगातार छह साल तक बच्चे पैदा करे, तो उससे सैकड़ों पिल्ले पैदा हो सकते हैं। यानी अभी कदम न उठाया गया तो आने वाले वर्षों में भारत की सड़कें कुत्तों से भर जाएंगी। इसे रोकने का उपाय केवल संगठित नसबंदी और टीकाकरण अभियान ही है।

जयपुर मॉडल इसका सफल उदाहरण है। 1994 में नगर निगम और एक एनजीओ ने मिलकर इसे शुरू किया था। इसमें कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है और फिर उन्हें छोड़ा जाता है। इससे कुत्तों की आबादी नियंत्रित होती है और रेबीज के मामले घटते हैं।

आत्म विकास का अवसर है चातुर्मास

मनुष्य श्रम करता है, किंतु उसका फल पाने के लिए काल की उपयुक्तता-अनुकूलता जरूरी है। जैसे स्वास्थ्य सुधारने के लिए सर्दी का मौसम अनुकूल माना जाता है, वैसे ही धर्माराधना और तप-साधना के लिए वर्षावास, चातुर्मास का समय सबसे अधिक अनुकूल माना जाता है।

संपूर्ण सृष्टि के लिए वर्षाकाल सबसे महत्वपूर्ण है। इन महीनों में आकाश से जलधारा बरसकर धरती की प्यास बुझाती है, धरती की तपन मिटाती है और भूमि की माटी को नरम, कोमल, मुलायम बनाकर बीजों को अंकुरित करने के लिए अनुकूल बनाती है। ये सृष्टि के लिए जीवनदायी है। प्राणिजगत के लिए प्राणसंवर्धक और जीवनरक्षक माने जाते हैं। वर्षावास में तप आराधना का महत्वपूर्ण समय है। पर्युषण पर्व में श्रमण संस्कृति के श्रावक-श्राविकाएं तप आराधना और धर्म-ध्यान के लिए प्रतिदिन उपाश्रय में गुरु भगवंतों के दर्शन कर अनुमोदना कर रहे हैं। पर्युषण पर्व तप आराधना का उपयुक्त समय है, जहां संतों का चतुर्मास है, वहां प्रवचन श्रवण करना, तप के लिए प्रत्याख्यान करना और सामयिक, प्रतिक्रमण की दिनचर्या का सिलसिला जारी रहता है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

वैदिक व बौद्ध परंपरा में भी इस चार मास काल को चातुर्मास कहा गया है। इस चातुर्मास के लिए परिव्राजक, ऋषि, श्रमण, निर्ग्रंथ एक स्थान पर निवास करते हैं। आज भी यह चातुर्मास परंपरा चल रही है। वैदिक संत-महात्मा आज भी वर्षाकाल में चातुर्मास करते हैं, भले ही वे चार महीने के बजाय दो महीने ही एक स्थान पर ठहरते हैं। श्रावण-भाद्रपद तक एक स्थान पर रुकते हैं। जनता को धर्माराधना, भागवत श्रवण, रामायण पाठ, व्रत-उपवास आदि की प्रेरणा देते हैं। बौद्ध भिक्षुओं में भी किसी समय चातुर्मास के चार मास एक स्थान पर ठहरने की परंपरा थी, परंतु अब वे भी दो मास में ही चातुर्मास समाप्त कर देते हैं।

जैन-परंपरा में आज भी चातुर्मास की यह परंपरा अक्षुण्ण चल रही है। आषाढ़ी पूनम से कार्तिक पूनम तक चार महीने तक पादविहारी जैन श्रमण एक ही स्थान पर निवास करते हैं। जैन श्रमणों के लिए नवकल्पी विहार बताया है- मृगसर मास से आषाढ़ मास तक आठ महीने एक-एक मासकल्प तथा श्रावण मास से कार्तिक मास तक चार महीने चातुर्मास का एक नवकल्पी विहार का विधान जैन आगमों में है। जैन समाज में भी वाहन प्रयोग कर धर्म-प्रचार के लिए जाने वाले श्रमण-श्रमणी आज दो मास ही एक स्थान पर बिताकर चातुर्मास पूरा कर लेते हैं। खैर, यह परिवर्तन अपनी-अपनी सुविधानुसार मनचाहा कर लेने के पीछे भले ही कुछ तर्क हों, लेकिन जैन-परंपरा और भगवान महावीर की वाणी के अनुसार अपनी जीवनचर्या बिताने वाले श्रमण आषाढ़ी पूनम से कार्तिक पूनम तक आज भी चार मास एक स्थान पर निवास कर चौमासा करते हैं।

वैदिक ग्रंथों में वशिष्ठ ऋषि का एक कथन है कि चातुर्मास में चार महीने विष्णु भगवान समुद्र में जाकर शयन करते हैं, इसलिए यह चार मास का काल धर्माराधना, योग, ध्यान, धर्म श्रवण, भागवत पाठ और जप-तप में बिताना चाहिए। इन चार महीने में विवाह-शादी, गृह-निर्माण आदि कार्य नहीं करने चाहिए। यात्रा नहीं करनी चाहिए, एक समय भोजन करना और रात्रि-भोजन नहीं करना चाहि। यहां तक भी कहा जाता है कि चार महीने सभी देवता शयन करते हैं।

बच्चों में हिंसा: यह कहां आ गए हम!

अहमदाबाद के एक निजी स्कूल में हाल ही में घटी दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। 10वीं के छात्र नयन की हत्या उसके ही जूनियर छात्र ने स्कूल परिसर में चाकू मारकर कर दी। चौंकाने वाला पहलू यह है कि आरोपी छात्र ने इसे दोस्त से हुई चैट में बताया भी। यह बताता है कि आज का किशोर अपराध करके भी उसे गंभीर बात नहीं मानता, बल्कि उसे अपनी ताकत या 'इमेज' बनाने का जरिया समझता है। यह सोच इस बात का संकेत है कि बच्चों में अपराध को सामान्य मानने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है।

बच्चों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि समाज, परिवार, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य का सम्मिलित संकट है। हमें समझना होगा कि बच्चे अपराधी पैदा नहीं होते। समाज की उपेक्षा, परिवार की उदासीनता और सिस्टम की कमजोरी ही उन्हें अपराध की ओर धकेलती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े भी इसी खतरे की पुष्टि करते हैं। ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार हर साल 11 हजार से ज्यादा गंभीर अपराध नाबालिग करते हैं। 2022 में कुल 78,443 किशोर गिरफ्तार हुए। इनमें से 40,663 के मामले पिछले सालों से लंबित थे और 37,780 उसी वर्ष पकड़े गए।

राजेश जैन
स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी समाजशास्त्री रॉबर्ट मार्टिन की स्ट्रेन थ्योरी कहती है कि जब बच्चों को अपना मनचाहा लक्ष्य या वस्तु नहीं मिलती तो वे दबाव, गुस्से और झुंझलाहट में अपराध का रास्ता चुनते हैं। एक सीनियर साइकोलॉजिस्ट मानते हैं कि कम से कम छह बड़े कारण बच्चों को अपराध की ओर धकेलते हैं- पियर प्रेशर, बेरोजगारी और भविष्य की असुरक्षा, समाज में व्याप्त हिंसा और गैंग संस्कृति, सामाजिक भेदभाव और बेइज्जती, बचपन में झेली गई हिंसा और मानसिक अवसाद। इन कारणों को समझे बिना हम समस्या की जड़ तक नहीं पहुंच सकते।

पियर प्रेशर आज की सबसे बड़ी चुनौती है। किशोर अपने दोस्तों के दबाव और दिखावे की होड़ में गलत कदम उठा लेते हैं। कूल दिखने और महंगी चीजें हासिल करने की चाह उन्हें अपराध की ओर खींचती है। बेरोजगारी और असुरक्षा का माहौल भी उन्हें हिंसक बना देता है। सामाजिक भेदभाव और बेइज्जती भी बच्चों के मन में गुस्सा और बदले की भावना भर देती है। बचपन में झेली गई घरेलू हिंसा और प्रताड़ना उन्हें कंट्रोल और पावर दिखाने की प्रवृत्ति की ओर धकेल देती है। इसके साथ ही मानसिक अवसाद और परिणामों की अनजानियत भी एक बड़ा कारण है।

> महीने भर के भीतर देश के तमाम हिस्सों में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जो चिंता में डालती हैं। बच्चों ने मामूली बात पर अपने साथी का खून कर दिया। एनसीआरबी के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार हर साल 11 हजार से ज्यादा गंभीर अपराध नाबालिग करते हैं।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रिपोर्ट बताती है कि पकड़े गए 70% किशोर अपराधियों को यह तक नहीं पता था कि उनके काम का अंजाम क्या होगा। यानी कई बार वे अपराध सिर्फ भावनाओं के बहाव में कर बैठते हैं। यह स्थिति स्कूलों की सुरक्षा और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल खड़े करती है। जुलाई 2023 में सीबीएसई ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए थे कि वे सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाएं। एंट्री-एग्जिट, कॉरिडोर, क्लास रूम और लैब में निगरानी रखी जाए। यह कदम बुलिंग, हिंसा और दुराचार जैसी घटनाओं पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल कैमरे लगाना पर्याप्त है? निगरानी का इंतजाम जरूरी है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है बच्चों की मानसिकता, उनके व्यवहार और भावनाओं पर समुचित ध्यान देना।

समाधान तलाशने की दिशा में हमें कई स्तरों पर काम करना होगा। सबसे पहले, स्कूलों और समाज को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। हर स्कूल में काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि बच्चे गुस्सा, तनाव और दबाव को सही दिशा में व्यक्त कर सकें। दूसरा, उनको बताना होगा कि जीवन में सम्मान और पहचान पाने के और भी रास्ते हैं। तीसरा, माता-पिता को बच्चों पर सिर्फ पढ़ाई और करियर का दबाव डालने के बजाय भावनात्मक सहयोग देना होगा। परिवार का सुरक्षित और सहयोगी माहौल बच्चे को गलत राह से बचाने की सबसे बड़ी ढाल है। शिक्षा प्रणाली में लाइफ और कम्युनिकेशन स्किल, गुस्से पर नियंत्रण और सहिष्णुता जैसे मूल्य शामिल किए जाने चाहिए। वहीं दूसरी ओर किशोर अपराधियों को सुधारगृहों में शिक्षा, स्किल ट्रेनिंग और काउंसलिंग देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना होगा।

अनैतिक रुपये-पैसे से बिगड़ जाता है रूप और स्वरूप

वास्तविक रुपये उसे ही कहेंगे जो रूप-स्वरूप बेहतर बना दे। आशय है कि रुपये-पैसे के लिए अनैतिक कार्य करने पर रूप-स्वरूप बिगड़ता है। प्रथमतः तो इस मामले में मन ही खराब होता है कि एक अज्ञात भय मन के किसी कोने में समा जाता है। अनैतिक ढंग से रुपये-पैसे लेने वाला कभी सही काम नहीं कर सकता है। उसके गलत कामों का असर जब होने लगता है तब सबसे पहले काना-फूसी होती है कि काम गलत हुआ है। गलत ढंग से रुपये लेने वाला एकांत में ही क्यों न हो जब सोचता है, तब उसके अंदर बैठा मन रूपी न्यायाधीश खुद गलत आदमी होने का फैसला देता है। यह अलग बात है कि इस न्यायाधीश के आगे मन बड़ा हो जाता है और न्यायाधीश की आवाज दबा देता है।

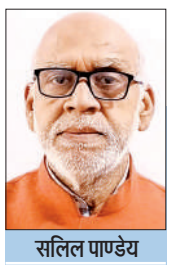

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

अब गलत रुपये लेने का दुष्परिणाम यह होता है कि जिसने गलत काम के लिए गलत तरीके से रुपये दिए, उसकी मुट्ठी में रुपये लेने वाला हो जाता है। गलत कमाई वाला किसी एक से नहीं बहुतों से रुपये-पैसे लेने का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे बात एक कान से दूसरे कान तक जाती है, तब बेईमानी का ठप्पा लगने लगता है। इसी बीच गलत काम करने वाले को ब्लैक-मेल भी लोग करने लगते हैं।

बदनामी न हो, दुष्प्रचार न हो, इसके एवज में एक की नहीं बहुतों की खुशामद करनी पड़ती है। प्रथमतः तो अधीनस्थ सिर पर चढ़ने लगते हैं और जब बात बढ़ती है, तब उच्च पदस्थ लोग भी या तो हिस्सेदारी की बात करते हैं या जांच आदि बैठाकर दंडित करने लगते हैं।

इसे ही कहेंगे कि रुपये ने रूप बदसूरत कर दिया, जबकि नैतिक ढंग से काम करने वाला हमेशा लोगों से आंख में आंख मिलाकर बात करता है, जबकि अनैतिक व्यक्ति जरा-सी बंदर-घुड़की से डर जाता है, इसलिए इतने बहुमूल्य जीवन को रुपये के पीछे बदसूरत नहीं करना चाहिए।

दाता-पाता का नाता निभाते लोकतंत्र के भाग्य विधाता

स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, न्याय, समान अवसर, समान अधिकार और गरिमामय जीवन लोकतंत्र के बुनियादी आधार हैं। प्रकारांतर से राजनीतिक जगत में लोकतंत्र का आविर्भाव ही समानता, स्वतंत्रता, न्याय, समान अधिकार, समान अवसर तथा गरिमामय जीवन के लिए अतीत में हुए सुदीर्घ संघर्षों के फलस्वरूप हुआ। स्वस्थ और सचमुच के लोकतंत्र का परीक्षण इन्हीं बुनियादी आधारों पर किया जाता है। इन समस्त बुनियाद पर आधारित स्वस्थ, समरस और बेहतर समाज बनाने के लिए आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, कानूनी और समाज में व्याप्त अन्य विविध प्रकार की असमानताओं को तिरोहित करना आवश्यक है। आर्थिक असमानता को न्यूनतम करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अन्य सभी प्रकार की असमानताओं का जन्म आर्थिक असमानता की कोख से होता है। हालांकि भारत में जहां हमारा समाज कठोर श्रृंखलाबद्ध जातिवादी संरचना में आबद्ध है, वहां सामाजिक असमानता को विशेषकर अंबेडकरवादी दलित चिंतक जननी मानते हैं।

ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि जब हम असमानता को समाप्त करने की बात करते हैं तो इसका तात्पर्य मानव निर्मित असमानताओं को कमतर करने का प्रयास होना चाहिए। इसके साथ ही असमानता पर विचार करते समय इस तथ्य पर पर भी ध्यान देना चाहिए कि हर देश में हर नागरिक को उसकी प्रतिभा, योग्यता और परिश्रम के अनुरूप आर्थिक और सामाजिक उन्नति का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आर्थिक समानता लाने का तात्पर्य यह कतई नहीं है कि निट्ठल्ले, निकम्मे, कामचोर लोगों को, अपनी उद्यमिता, परिश्रम और प्रतिभा के बल पर उन्नति करने वाले लोगों के समानांतर और समकक्ष खड़ा कर दिया जाए।

किसी भी समाज की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का सूक्ष्मता से विश्लेषण करने पर पता चलता है कि आर्थिक असमानता अन्य समस्त असमानताओं की जननी है। आर्थिक समानता के बिना कानूनी स्वतंत्रता, राजनीतिक स्वतंत्रता और अन्य संविधान प्रदत्त स्वतंत्रताएं और संविधान प्रदत्त समस्त अधिकार व्यर्थ, बेमानी, कागजी और औपचारिक रह जाते हैं। आर्थिक असमानता की खाई जब अत्यधिक गहरी हो जाती है तो समाज में विविध प्रकार की आर्थिक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं तथा उस समाज में राजतंत्रात्मक और सामंती प्रवृत्तियां पुनर्जीवित होने लगती हैं। आर्थिक असमानता बढ़ने से समाज में लोगों के परस्पर संबंध और संवाद स्वस्थ्य, समान, सहज, समरस और स्वाभाविक नहीं रह जाते हैं और गहरे रूप से अमीर और गरीब में विभाजित समाज के रिश्ते-नाते गैर लोकतंत्रिक राजतंत्रीय परंपराओं के अनुरूप दाता और पाता की तरह व्यवहृत होने लगते हैं। स्वाधीनता के 78 वर्ष बाद भी सरकार और आम जनमानस के मध्य रिश्ता दाता और पाता का बना हुआ है।

मनोज कुमार सिंह
लेखक

किसी देश की माली हालत का आकलन करने वाली विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमान के मुताबिक भारत सहित पूरी दुनिया में अमीरी और गरीबी की खाई बढ़ती ही जा रही है। यह स्थिति समानता और न्याय पर आधारित समाज में विश्वास करने वालों के लिए चिंताजनक है। आर्थिक रूप से समान समाज बनाने का प्रयास प्राचीन काल से चिंतकों और विचारकों द्वारा किया जाता रहा है। भारत में आर्थिक समानता और आर्थिक न्याय की स्थापना के लिए भारत की लगभग समस्त दार्शनिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं में अपरिग्रह का सिद्धांत पाया जाता है। विशेष रूप से महावीर स्वामी और महात्मा बुद्ध ने इस पर अत्यधिक जोर दिया था। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के दौर में क्रांतिदृष्टा कबीर ने अपनी रचनाओं के माध्यम से इसे फिर से पुनर्जीवित किया।

स्वाधीनता संग्राम के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आर्थिक न्याय की स्थापना और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए न्यासधारिता का सिद्धांत प्रस्तुत किया। इसके अनुसार संपत्ति स्वामी खुद को संपत्ति का संरक्षक समझे और अपनी जरूरी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही उस संपत्ति से खर्च करे। स्वाधीनता उपरांत प्रसिद्ध गांधीवादी संत विनोबा भावे ने भूदान आंदोलन के माध्यम से आर्थिक असमानता तथा देश में विद्यमान भूमि के असमान वितरण को दूर करने के लिए सराहनीय प्रयास किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है। आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए कृषि के साथ-साथ कृषि आधारित लघु-कुटीर उद्योग-धंधों को मजबूत करना आवश्यक है। इसके द्वारा आर्थिक विकेंद्रीकरण को गति मिलेगी और आर्थिक असमानता को कम किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जमाखोरी, मुनाफाखोरी, काला बाजारी रिश्वतखोरी, आर्थिक भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितताओं पर नियंत्रण कर आर्थिक असमानता को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। कार्ल मार्क्स ने आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए निजी संपत्ति के उन्मूलन का सिद्धांत दिया था। परंतु यह सिद्धांत व्यवहारिक नहीं है और विसंगतियों से भरा हुआ है, लेकिन निजी संपत्ति की अधिकतम सीमा का निर्धारण अवश्य होना चाहिए। अमीरी और गरीबी की बढ़ती दरार को कम करना होगा। दाता और पाता का नाता तोड़ कर भ्राता का नाता बनाकर ही हम स्वस्थ्य समरस भारत बना सकते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

भारतीय फिल्म और ग्लैमर उद्योग, जो अपनी चमक-दमक और सितारों के लिए जाना जाता है, वर्तमान में महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। नई प्रतिभाओं के उदय के साथ पारंपरिक पहचान की रेखाएं धुंधली हो रही हैं। नए चेहरे, चाहे वे फिल्मी विरासत से आ रहे हों या डिजिटल दुनिया से लगातार अपनी पहचान बनाकर बॉलीवुड और फैशन की दुनिया में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं।

नए चेहरे बोल्ड...बिंदास अंदाज
ग्लैमर और फैशन के सरताज

लेखक: मनोज त्रिपाठी

'नेचुरल ब्यूटी व ग्लोइंग स्किन की मलिका नितांशी गोयल

'लापता लेडीज' में अपने प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली नितांशी गोयल अपने डेब्यू के विपरीत, पहले से ही उद्योग में सक्रिय हैं। 2024 में आईफा में 'बेस्ट परफॉरमेंस इन अ लीडिंग रोल (फीमेल)' का पुरस्कार जीता था। नितांशी अपनी एक्टिंग के साथ नेचुरल ब्यूटी और ग्लोइंग स्किन के लिए खूब चर्चा में रहती हैं। स्किन को फ्रेश और खूबसूरत बनाने का राज वह टमाटर के टुकड़े पर शुगर क्यूब लगाकर चेहरे पर धीरे-धीरे रब करना बताती हैं। कम उम्र के बावजूद उनके आउटफिट दमदार ड्रेसिंग सेंस दिखाते हैं। कान्स में नितांशी ने परफेक्ट और इंप्रेसिव लुक दिखाकर बाजी मार ली थी।

'बागी- 4' में झुमाएगी हरनाज की टाइगर श्रॉफ संग केमिस्ट्री

- मिस यूनिवर्स 2021, हरनाज कौर संधू, टाइगर श्रॉफ के साथ 'बागी- 4' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म के गीत बाली सोणी... में उनका डांस सराहा जा रहा है। टाइगर श्राफ के साथ उनकी केमिस्ट्री झूमने को मजबूर करती है। हरनाज कौर के पास कुछ पंजाबी फिल्में भी हैं। एक बीमारी से पीड़ित होने के कारण उनका वजन बढ़ गया था, जिसे हरनाज ने अपनी लाइफस्टाइल बदलकर ऐसा तराशा कि हर कोई उनका बदला लुक देखकर हैरान रह गया था।

आजाद रही फ्लाप पर राशा ने ऊई अम्मा... डांस से दिल जीता

- रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की अजय देवगन के भतीजे आमान देवगन के साथ डेब्यू फिल्म 'आजाद' भले ही बॉक्स आफिस पर नहीं चली, लेकिन इस फिल्म का गीत 'ऊई अम्मा...' सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस गाने पर राशा के डांस ने यूट्यूब पर करीब 40 करोड़ व्यूज के साथ लोगों को दिल जीत लिया है।

'इक्कीस' में अमिताभ के नाती संग अक्षय की भतीजी सिमर का डेब्यू

सुपरस्टार अक्षय कुमार की भतीजी सिमर भाटिया, श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'इक्कीस' से अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ डेब्यू कर रही हैं। यह फिल्म सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। अपने डेब्यू से पहले सिमर रेड कार्पेट कार्यक्रमों तथा ग्लैमरस इवेंट में उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

'तू या मैं' में दिखेंगी शनाया कपूर

- संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर की विक्रांत मैसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' को जहां दर्शकों के बड़े वर्ग ने नकार दिया, वहीं कुछ लोग उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थके। शनाया अब भानुशाली स्टूडियोज की फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगी। शनाया को फैशन ट्रेंड्स के लिए बड़ी संख्या में फॉलो किया जाता है। खासतौर पर बोल्ड ब्लाउज डिजाइन में उनका ग्लैमरस स्टाइल ट्रेंड सेटर रहता है।

आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' बनाई, और भी कमाई

बॉलीवुड किंग शाहरुख खान के बेटे, आर्यन ने अभिनय के बजाय निर्देशन में कदम रखा है। उनका डेब्यू प्रोजेक्ट नेटफ्लिक्स की व्यंग्यात्मक सिरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' है, जो फिल्म उद्योग के अंदरूनी पहलुओं पर एक हास्यपूर्ण और सूचनात्मक नजर डालती है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। इस शो को आर्यन की मां गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। इसके साथ ही आर्यन ने अपने दोस्तों के साथ स्ट्रीट वियर लाइफ स्टाइल ब्रांड डी-यावोल खोल रखा है। इसके कपड़े काफी महंगे आते हैं। यह एक अनपेक्षित मार्ग है, जो दर्शाता है कि स्टार किड्स अपने लिए अलग रास्ते चुन रहे हैं।

फैशन गढ़ रहा नए स्टाइल की कहानियां

जादूगर जैसी डिजाइनों के साथ दिखाते शिल्प कौशल

फैशन डिजाइनर गौरव गुप्ता भी दिल्ली से आते हैं। उनके डिजाइन जादू की तरह हैं, जो उत्कृष्ट शिल्प कौशल और ईथरियल ड्रेप्स के लिए जाने जाते हैं। उनके डिजाइन प्रकृति के तत्वों से प्रेरित रहते हैं। वह बॉलीवुड हस्तियों और फैशनपरस्तों के पसंदीदा हैं, जो शानदार कपड़ों और त्रुटिहीन विवरणों के साथ कृतियां बनाते हैं।

भविष्यवादी ग्लैमर मास्टर को तकनीक ने दी पहचान

- दिल्ली के फैशन डिजाइनर अमित अग्रवाल को भविष्यवादी ग्लैमर के मास्टर के रूप में जाना जाता है। इसकी वजह उनका फैशन के पीछे की गणित समझने का अंदाज है। वह सामग्री के अभिनव उपयोग, तकनीक-प्रेरित डिजाइन और जटिल बनावट के लिए प्रसिद्ध हैं।

आधुनिकता से कालातीत लालित्य का खास मिश्रण

- कनिका गोयल का लेबल ब्रांड परिष्कृत अग्रणी और लग्जरी है। उनके डिजाइन आधुनिकता को दर्शाते हैं जबकि कालातीत लालित्य बनाए रखते हैं, जिसमें साफ लाइनें, चिकना कट और समकालीन सिल्हूट शामिल हैं। कनिका ने अपनी रचनात्मकता से साबित किया है कि डेनिम उनके लिए कपड़ा नहीं, जीने का स्टाइल है।

भारतीय फैशन उद्योग लगातार नए डिजाइनरों और प्रभावशाली मॉडलों के साथ विकसित हो रहा है, जो परंपरा और आधुनिकता का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत कर रहे हैं।

जीवंत और बेबाक रूप से मजेदार चंचल प्रिंट

शुभिका ने अपना फैशन डिजाइन का लग्जरी ब्रांड 'पापा डोंट प्रीच' मुंबई में खोला है। उनके डिजाइन विचित्र, जीवंत और बेबाक रूप से मजेदार हैं, जिनमें चंचल प्रिंट और बोल्ड, अतिरंजित सिल्हूट शामिल रहते हैं। शुभिका परीकथा जैसे ब्राइडल लहंगे तैयार करने के लिए भी जानी जाती हैं।

लेखिका
दृष्टि श्रीवास्तव
कानपुर

तमिलनाडु में द. कोरियाई लगाएगी फुटवियर संयंत्र

चेन्नई। दक्षिण कोरिया के ह्वासेंग फुटवियर ग्रुप ने तमिलनाडु में 1,720 करोड़ का निवेश करके गैर-चमड़े के जूते-चप्पल बनाने की फैक्ट्री लगाने का फैसला किया है। यह भारत में समूह की पहली ऐसी फैक्ट्री होगी। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने बताया कि यह फैक्ट्री तूतीकोरिन में बनेगी, जिससे इस क्षेत्र में 20,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने ह्वासेंग फुटवियर ग्रुप के अधिकारियों से मुलाकात की।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 24 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2675, राज श्री 1840, फॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13 किग्रा 1940, जय जवान 1945, सचिन 2025, सूरज 1945, अवसर 1885, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1865, क्लासिक (किग्रा) 2065, मोर 2135, चक्र टिन 2420, ब्लू 2095, आशीर्वाद मस्टर्ड 2520, स्वास्तिक 2615

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10300, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7500 मलका दाल 7600-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

वीएलसीसी पर लगा 3 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वजन घटाने के इलाजों से जुड़े भ्रामक विज्ञापन के लिए वीएलसीसी लिमिटेड पर तीन लाख का जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने कहा कि यह जुर्माना वीएलसीसी पर कूलस्कल्प्टिंग मशीन का उपयोग करके मोटापे के बारे में भ्रामक विज्ञापन के लिए लगाया गया है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने को सुधार जरूरी

प्रधानमंत्री ने जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की जताई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी बोले- अगली पीढ़ी की जीएसटी सुधार प्रक्रिया इस दिवाली से पहले होगी पूरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा कि सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधार जारी रखेगी। मोदी ने कहा कि अगली पीढ़ी की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार प्रक्रिया इस दिवाली से पहले पूरी हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि इससे जीएसटी कानून सरल हो जाएगा और कीमतें कम होंगी। प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से स्वच्छ ऊर्जा, क्वांटम प्रौद्योगिकी, बैटरी भंडारण, उन्नत सामग्री और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया। 'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। विशेषज्ञों का कहना है कि विश्व की वृद्धि में भारत का योगदान बहुत जल्द 20% होने जा रहा है।

मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में जो वृद्धि दिख रही है, वह पिछले 10 वर्षों में व्यापक आर्थिक स्थिरता के कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत का राजकोषीय घाटा 4.4% तक कम हो गया है। भारतीय कंपनियां पूंजी बाजारों से रिकॉर्ड धन जुटा रही हैं। बैंक अब काफी मजबूत हैं, महंगाई बहुत कम है, ब्याज दरें कम हैं और चालू खाता घाटा नियंत्रण में है। विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर महीने लाखों घरेलू निवेशक एसआईपी के जरिए पूंजी बाजार में हज़ारों करोड़ रुपये लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब आर्थिक बुनियाद मज़बूत होती है, तो सकारात्मक प्रभाव चारों ओर दिखाई देता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के जून के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 22 लाख औपचारिक नौकरियां जुड़ी हैं, जो किसी एक महीने में अब तक की सबसे ज़्यादा संख्या है। खुदरा महंगाई 2017 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर है। हमारे लिए सुधार न तो मजबूरी है और न ही संकट से प्रेरित है।

घरेलू थोक बाजारों में दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में दिखा उतार-चढ़ाव

चावल हुआ सस्ता, गेहूं-चीनी के दाम बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी

- चावल की औसत कीमत 13 रुपये घटी, आटे की 13 रुपये बढ़ी

घरेलू थोक बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमत में कमी देखी गयी जबकि गेहूं के भाव बढ़ गये। चीनी भी महंगी हुई। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब 13 रुपये घटकर 3,831.01 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं छह रुपये महंगा होकर 2,841.88 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 13 रुपये बढ़कर 3,307.05 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। सरसों तेल औसतन 12 रुपये और मूंगफली तेल 92 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। वनस्पति में 69 रुपये तेजी देखी गयी। पाम ऑयल की कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल में 21 रुपये की तेजी रही। सोया तेल 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मसूर दाल औसतन 10 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गयी। तुअर दाल 56 रुपये टूट गयी जबकि मूंग दाल के दाम लगभग स्थिर रहे। चना दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। उड़द दाल की कीमत 26 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ की औसत कीमत करीब 35 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी की कीमतों में 12 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही।

विदेशी बाजारों में तेजी से अधिकांश तेल-तिलहन की कीमतें रहीं मजबूत

- त्योहारी मांग बढ़ने से सरसों तेल तिलहन में दिखा सुधार

नई दिल्ली। विदेशों में कल रात मजबूती के रुख तथा त्योहारी मांग के कारण घरेलू तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। इस सुधार के कारण सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतें मजबूत बंद हुई। साधारण और सुस्त कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। शिकॉगो एक्सचेंज में कल रात 3-3 .5 प्रतिशत से भी अधिक की मजबूती रही थी जिसका मलेशिया एक्सचेंज पर असर सोमवार को दिखेगा।

मांग में सुधार से सोयाबीन तेल को मिली मजबूती

सूत्रों ने कहा कि विदेशों में मजबूती और त्योहारी मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन में सुधार देखा जा रहा है। वैसे देखा जाए तो सरसों के भाव ऊंचा बोले जा रहे हैं लेकिन इस महंगे दाम पर उठाव कम ही है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार शिकागो एक्सचेंज में कल रात की तेजी, सोयाबीन के डी-आयल्ड केक (डीओसी) की स्थानीय मांग सुधरने और त्योहारी मांग से सोयाबीन तेल-तिलहन में भी मजबूती है। एक बात ध्यान योग्य है कि आयातकों के द्वारा बैंकों का ऋण चुकाने की जल्दबाजी के कारण बंदरगाहों पर आयातित तेल लागत से 3-3 .5 प्रतिशत नीचे दाम पर बेचे जा रहे हैं। आयातित तेलों के दाम में मजबूती बने रहने के कारण पाम-पामोलीन तेल कीमतों में भी सुधार दिख रहा है। लेकिन इनके भाव सोयाबीन के आसपास होने के कारण मांग और उठाव प्रभावित है। सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम अपरिवर्तित रहे।

थोक सौदे के मसौदे में संशोधन करने पर विचार कर रहा सेबी

नई दिल्ली, एजेंसी

- न्यूनतम ऑर्डर आकार को मौजूदा 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 25 करोड़ करने का प्रस्ताव

बाजार नियामक सेबी ने थोक सौदों के लिए न्यूनतम ऑर्डर आकार को मौजूदा 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 25 करोड़ करने का प्रस्ताव दिया है। मौजूदा सीमा 2017 से लागू है।

थोक सौदों की शेयर बाजार के कुल कारोबार में बड़ी हिस्सेदारी है। ये सौदे शेयर बाजार में एक ही लेनदेन के जरिये खरीदार और विक्रेता के बीच होते हैं। इसे शेयर बाजार द्वारा दिन में सिर्फ दो बार खोली जाने वाली 15-मिनट की विशेष विंडो के दौरान ही किया जा सकता है। सेबी ने परामर्श पत्र में कहा कि थोक सौदों के लिए न्यूनतम ऑर्डर आकार 25 करोड़ होगा। थोक सौदा विंडो में निष्पादित प्रत्येक कारोबार डिलीवरी के लिए होना चाहिए। न्यूनतम ऑर्डर आकार बढ़ाने के साथ ही सेबी ने ऐसे कारोबार के लिए मूल्य निर्धारण तंत्र की समीक्षा करने का प्रस्ताव दिया है। सेबी गैर-डेरिवेटिव शेयरों के लिए मूल्य दायरे को 3% बढ़ाने पर विचार कर रहा है, जबकि वायदा और विकल्प (एफएंडओ) शेयरों के लिए मौजूदा 1% के दायरे को बरकरार रखा जाएगा। इस कदम से बाजार में हेरफेर का जोखिम कम होने की उम्मीद है।

जापान की एसएमबीसी को यस बैंक में 24.99% हिस्सेदारी लेने के लिए आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने शनिवार को कहा कि आरबीआई ने जापान स्थित सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) को बैंक में 24.99% हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले यस बैंक ने 9 मई को एसएमबीसी द्वारा भारतीय स्टेट बैंक से 13.19% और 7 अन्य शेयरधारकों से 6.81% हिस्सेदारी खरीदने के साथ बैंक में 20% हिस्सेदारी हासिल करने के प्रस्ताव के बारे में बताया था। अन्य शेयरधारकों में एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक हैं। यस बैंक ने शेयर बाजार को बताया, एसएमबीसी को 22 अगस्त के पत्र के माध्यम से बैंक की चुकता शेयर पूंजी/ मतदान अधिकारों के 24.99 प्रतिशत तक अधिग्रहण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है।

देश का समुद्री खाद्य निर्यात 2024-25 में 7.45 अरब अमेरिकी डॉलर पर स्थिर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का समुद्री खाद्य निर्यात 2024-25 के दौरान 7.45 अरब अमेरिकी डॉलर पर स्थिर रहा। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, मात्रा के हिसाब से देखें तो पिछले वित्त वर्ष में समुद्री खाद्य की खेप घटकर 16,98,170 टन रह गई।

मंत्रालय के 19 जून के बयान के अनुसार, 2023-24 में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात 17,81,602 टन था, जिसकी कीमत 60,523.89 करोड़ रुपये (7.38 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश ने 16,98,170 टन समुद्री खाद्य का निर्यात किया, जिसकी कीमत 62,408.45 करोड़ रुपये (7.45 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। समुद्री खाद्य पदार्थों में, 'फ्रोजन श्रिम्प' मात्रा और मूल्य दोनों लिहाज से सबसे ज्यादा निर्यात की जाने वाली वस्तु रही। वहीं, अमेरिका और चीन भारत के समुद्री खाद्य के प्रमुख खरीदार बनकर उभरे। फ्रोजन श्रिम्प का निर्यात 5.17 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इसका मात्रा में 43.67% और कुल कमाई में 69.46% योगदान था। निर्यात के लिहाज से फ्रोजन फिश का दूसरा स्थान रहा, जिससे 62.26 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कमाई हुई। मंत्रालय ने बताया कि मूल्य के लिहाज से अमेरिका भारतीय समुद्री खाद्य का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है।

राष्ट्रीय

क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है : मेघवाल

केंद्रीय मंत्री ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को प्रगतिशील कानून बताते हुए विरोध कर रहे विपक्ष से पूछे सवाल

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

- कानून के दुरुपयोग पर केंद्रीय कानून मंत्री बोले- विपक्ष पूरा विधेयक पढ़ता नहीं

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को 'प्रगतिशील कानून' बताया और पूछा कि विधेयक को लेकर विरोध जता रहा विपक्ष क्या भ्रष्टाचार के पक्ष में है? मेघवाल ने देश के सबसे स्वच्छ शहर में 'अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

उन्होंने इसके बाद 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर कहा कि मेरे ख्याल में यह बहुत शानदार और प्रगतिशील कानून है। विपक्ष को इस कानून का समर्थन करना चाहिए, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध किया। क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है? विपक्ष की ओर से इस प्रस्तावित कानून के दुरुपयोग की आशंका जताए जाने पर केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि विपक्ष पूरा विधेयक पढ़ता नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमने देखा है कि दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने के बावजूद अपना पद नहीं छोड़ा था। मेघवाल ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया और इस अभियान को लेकर संसद के मॉनसून सत्र में शानदार चर्चा हुई।

उन्होंने इंदौर में पौधारोपण अभियान में शामिल होने के दौरान सिंदूर का पेड़ लगाया। केंद्रीय कानून मंत्री ने इस मौके पर एक सभा में कहा, ''पेड़ धरती मां का शृंगार हैं। धरती को हरा-भरा रखने के लिए हमें एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के कबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे।

विधेयकों पर जेपीसी 'तमाशा', सदस्य नामित नहीं करेंगे : टीएमसी

नई दिल्ली। टीएमसी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को हटाने की रूपरेखा तय करने वाले तीन विधेयकों पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को शनिवार को 'तमाशा' करार दिया और कहा कि वह इसमें अपना कोई सदस्य नहीं भेजेगी।

केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए। इन्हें संसद की एक संयुक्त समिति को भेज दिया गया है। टीएमसी ने कहा कि हम 130वें संविधान संशोधन विधेयक का पेश होने के चरण से ही विरोध कर रहे हैं और हमारा मानना है कि जेपीसी दिखावा है। इसलिए हम तृणमूल से किसी को नामित नहीं कर रहे हैं। प्रस्तावित विधेयक गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए कानूनी रूपरेखा प्रदान करते हैं।

मानसून सत्र के समापन से ठीक पहले लाए इन विधेयकों का विपक्ष से विरोध किया है। समिति को शीतकालीन सत्र में सदन को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सत्र संभवत: नवंबर के तीसरे सप्ताह में आयोजित होगा। इससे पहले राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि केंद्र पूरे मानसून सत्र में रक्षात्मक मुद्रा में रहा और उसने कार्यवाही में व्यवधान डालने के लिए अनेक उपाय किए। ओ'ब्रायन ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में सत्तारूढ़ गठबंधन को कमज़ोर करार दिया। पूरे मानसून सत्र, 239 सीटों वाला मोदी गठबंधन रक्षात्मक मुद्रा में रहा। भारत के उपराष्ट्रपति लापता रहे और भाजपा को अभी तक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं मिला।

संशोधन विधेयक का अर्थ विपक्ष का उत्पीड़न

सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक की खिलाफत करते हुए कहा कि इसका मतलब विपक्ष के नेताओं का उत्पीड़न करना है। इडी और सीबीआई में जो केस दर्ज हैं वो विपक्ष के नेताओं के खिलाफ हैं। मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को हटाना एक सूत्र कार्यक्रम है। केंद्र 130 वें संविधान संशोधन विधेयक पास कराना चाहती है जिसमें किसी मंत्री या मुख्यमंत्री किसी आपराधिक मामले में 30 दिन जेल में रहता है तो उसका पद समाप्त हो जाएगा। इस विधेयक के खिलाफ विपक्ष लगातार विरोध जता रहा है।

काल गणना, बीजगणित

यूजीसी स्नातक मसौदा पाठ्यक्रम में प्राचीन गणित पढ़ाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। काल गणना (पारंपरिक भारतीय समय गणना), भारतीय बीजगणित, भारतीय परंपरा में पुराणों का महत्व, नारद पुराण में पाए जाने वाले बुनियादी अंकगणितीय संक्रियाओं व ज्यामिति से संबंधित गणितीय अवधारणाओं और तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना, उन अवधारणाओं में शामिल है जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) चाहता है कि स्नातक छात्र गणित में अध्ययन करें। मसौदा पाठ्यक्रम के अनुसार, यूजीसी ने भारतीय बीजगणित के इतिहास और विकास को पढ़ाने की सिफारिश की है, जिसमें परावर्त्य योजयात सूत्र (एक पारंपरिक वैदिक गणित तकनीक) का उपयोग करके बहुपदों का विभाजन शामिल है। मसौदा पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लर्निंग आउटकम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (एलओसीएफ) के साथ संरेखित है।

प्रौद्योगिकी से भारतीय कृषि को बनाएं आत्मनिर्भर

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी

- भागवत ने ज्येष्ठ पशुवैद्य प्रतिष्ठान के 28वें स्थापना दिवस को किया संबोधित

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि भारत आधुनिक प्रौद्योगिकी को पारंपरिक कृषि व पशुपालन के साथ मिलाकर तथा देशी मवेशी पालन करके कृषि में आत्मनिर्भर बन सकता है। भागवत ने ज्येष्ठ पशुवैद्य प्रतिष्ठान के 28वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया, जहां किसानों, पशु चिकित्सा स्नातकों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया।

भागवत ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताएं भारत के लिए कृषि में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। कृषि और पशुपालन की भारतीय पद्धतियों के साथ आधुनिक पद्धतियों को मिश्रित करने से किसानों को लाभ होगा और देश आत्मनिर्भरता प्राप्त करेगा। पशु चिकित्सकों को उन जीवों के दर्द को समझने की कला आती है, जो न तो बोल सकते हैं और न ही इलाज के दौरान विरोध कर सकते हैं, फिर भी वे उन्हें ठीक कर देते हैं। उन्होंने कहा, प्राचीन पशु चिकित्सा विशेषज्ञ शालिहोत्र ने घोड़े की आयु और गुण निर्धारित करने का विज्ञान बताया था। यह परंपरा हमारे लिए गर्व की बात है। यदि जहां आवश्यक हो, पश्चिमी तकनीक और आधुनिकता को अपनाया जाए और भारतीय कृषि एवं पशुपालन पद्धतियों के साथ समन्वय किया जाए, तो किसानों को लाभ होगा। स्वदेशी मवेशियों और पारंपरिक कृषि प्रणालियों में लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। भारतीय कृषि के आधुनिक स्वरूपों को विकसित करके हम कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकते हैं।

हिज्ब-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादियों का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस के राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) ने आतंकवादी संगठन हिज्ब-उल-मुजाहिदीन के लिए 'स्लीपर सेल' के रूप में काम करने वाले व्यक्ति को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

एसआईए ने कहा, एसआईए कश्मीर ने शोपियां में बेहराम के रेबन गुंड क्षेत्र निवासी अल्ताफ हुसैन वागे को गिरफ्तार किया है। वह आतंकवादी संगठन हिज्ब-उल-मुजाहिदीन के लिए 'स्लीपर सेल' के रूप में काम करता था। एसआईए कश्मीर ने ऐसे साक्ष्य जुटाए, जिनसे गिरफ्तार आरोपी का संबंध हिज्ब-उल-मुजाहिदीन से जुड़े एक आतंकी आका से स्थापित होता है।

प्रगति के लिए एक चुनाव कराना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- चौहान बोले- एक साथ चुनाव के लिए लोगों को कर रहे जागरूक

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को यहां 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को देश की प्रगति के लिए जरूरी बताते हुए देशवासियों से इस अभियान के लिए लोगों में अलख जगाने की अपील की। राष्ट्रीय राजधानी के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को चौहान ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' को लेकर देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम हो रहे हैं, लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं और देश में एक साथ चुनाव होना चाहिए इसके लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने इसका समर्थन करते हुए इसे देश की प्रगति और विकास के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के संसाधनों, समय और ऊर्जा की बर्बादी के साथ ही इससे विकास कार्य बाधित होते हैं। चौहान ने सभा में मौजूद लोगों से अपील करते हुए कहा कि गांव-गांव जाना है, जागरण का मंत्र फूंकना है और एक राष्ट्र-एक चुनाव और स्वदेशी की अलख जगाना है।

उन्होंने कहा कि इसका परिणाम यह होगा कि देश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ने के साथ दुनिया का नंबर एक देश बन जाएगा। इसलिए हमें हम सभी को इसके लिए संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में सभी वर्ग आगे आ रहे हैं। इससे राष्ट्र के विकास की गति तेज होगी और चुनावी हिंसा में भी कमी आएगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा चुनाव के दौरान आचार संहिता लगने और पूरे देश की मशीनरी चुनाव संपन्न कराने में जुट जाती है जिससे दैनिक कामकाज प्रभावित होता है और विकास कार्य बाधित होता है। चुनाव में कलेक्टर से लेकर शिक्षक, इंस्पेक्टर और पूरा सरकारी महकता मतदाता सूची से लेकर मतगणना होने तक व्यस्त हो जाता है।

धर्मस्थल में लोगों को दफनाने का दावा करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

मंगलुरु (कर्नाटक)। कर्नाटक के धर्मस्थल नामक स्थान पर पिछले दो दशकों के दौरान कथित तौर पर हुई कई हत्याओं, दुष्कर्म और शवों को दफनाने का आरोप लगाने वाले शिकायतकर्ता को जांच के लिए गठित एसआईटी ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों ने बताया कि जांच दल के समक्ष नकाब पहनकर पेश होना वाला सीएन चिन्नैया है। चिनैय्या को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट विजयेंद्र के समक्ष पेश किया गया और एसआईटी ने विस्तृत जांच के लिए 10 दिन की हिरासत की मांगी। अदालत ने एसआईटी का अनुरोध स्वीकार कर लिया।

वैन और ट्रक की भिड़ंत में आठ की मौत, चार गंभीर

पटना, एजेंसी

पटना के बाहरी इलाके में शनिवार को एक मिनी वैन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना तड़के पटना-नालंदा बॉर्डर के पास शाहजहांपुर में हुई।

उसने बताया कि मृतकों में सात महिलाएं शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) विक्रम सिंह ने बताया कि घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुर्घटना में हुई लोगों की मौतों पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने पटना में हुई इस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से 11 लोगों की मौत

नई दिल्ली। झारखंड, जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु समेत देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से संबंधित घटनाओं में पिछले 24 घंटे में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। झारखंड में शनिवार को भारी बारिश से पांच लोगों की जबकि जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में दो-दो लोगों की मौत हुई। वहीं, तमिलनाडु में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उत्तराखंड में भी एक महिला की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई सड़कें बंद कर दी गईं हैं जबकि राजस्थान में मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

अंतरिक्ष दिवस

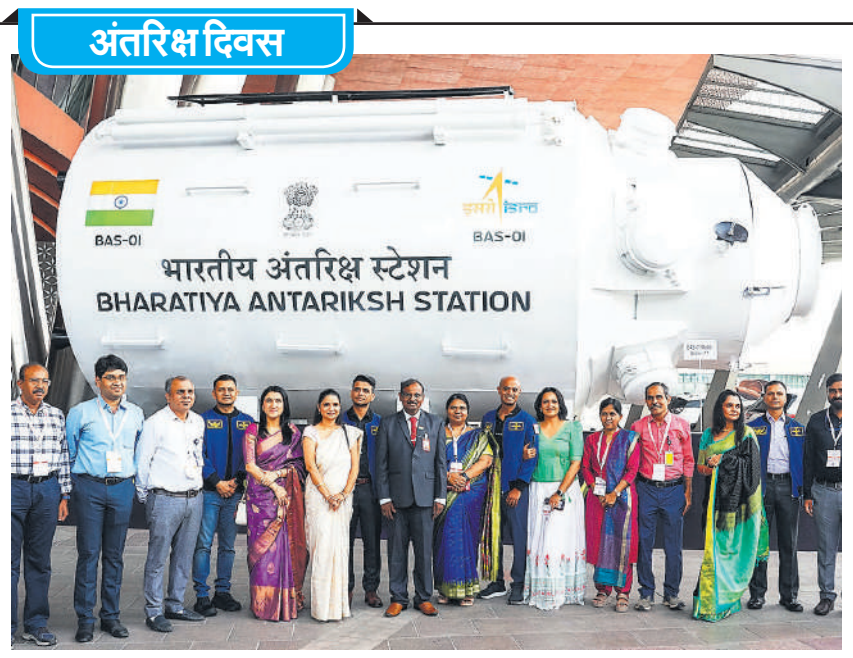

नई दिल्ली के भारत मंडपम में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के प्रथम स्वरूप के अनावरण के दौरान ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर और ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन व अन्य।

वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग

हिंद महासागर

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है, जो एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थित है। यह महासागर कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह भारत और दुनिया के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि यह वैश्विक व्यापार के एक प्रमुख मार्ग का प्रतिनिधित्व करता है, जहां अधिकांश वैश्विक कंटेनर यातायात होता है। यह भारत को भू-राजनीतिक और सामरिक लाभ प्रदान करता है, भारत की अनन्य आर्थिक क्षेत्र का विस्तार करता है, मानसून लाता है जो कृषि को संचालित करता है, और खनिज और मछली जैसे प्राकृतिक संसाधनों का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके अतिरिक्त, दुनिया का एकमात्र महासागर जिसका नाम किसी देश के नाम पर है, हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि का आधार है। भारत ऊर्जा सुरक्षा के लिए महासागर पर बहुत निर्भर करता है तथा इसका 80% कच्चा तेल आयात इसी जलमार्ग से होता है।

चीन की चुनौती

- चीन हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जिसमें नौसैनिक गश्त और पनडुब्बियों की तैनाती शामिल है।
- भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए अपनी नौसेना को मजबूत करने और 'क्वाड' देशों के साथ सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है ।

भारत की रणनीति

- भारत हिंद महासागर में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक्ट ईस्ट पॉलिसी और सागर पहल जैसे प्रयास कर रहा है।
- यह कदम चीन की बढ़ती उपस्थिति के जवाब में उठाया जा रहा है, जो भारत के लिए एक सुरक्षा चुनौती बन गई है। नौसेना को मजबूत करने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- भारत हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है, जिसमें पनडुब्बियों और युद्धपोतों की तैनाती शामिल है।

भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

भू-राजनीतिक महत्व :

- **व्यापारिक मार्ग :** यह मार्ग मध्य पूर्व, अफ्रीका व एशिया के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाता है।
- **ऊर्जा संसाधन :** तेल, गैस के विशाल भंडार हैं, जो दुनिया की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भूमिका निभाते हैं।

आर्थिक महत्व :

- **मछली पालन :** मछली पालन एक महत्वपूर्ण उद्योग है, जो लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।
- **पर्यटन :** महासागर के तटीय क्षेत्र पर्यटन के लिए आकर्षक हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देते हैं।

रणनीतिक महत्व

- **सैन्य महत्व :** हिंद महासागर का रणनीतिक महत्व है, क्योंकि यह दुनिया के प्रमुख जलमार्गों में से एक है।
- **क्षेत्रीय सुरक्षा :** हिंद महासागर में क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए कई चुनौतियाँ हैं, जैसे कि समुद्री डकैती और आतंकवाद।

पर्यावरणीय महत्व

- **जैव विविधता :** हिंद महासागर में जैव विविधता बहुत अधिक है, जिसमें कई प्रजातियों के पौधे और जानवर पाए जाते हैं।
- **जलवायु :** हिंद महासागर परिवर्तन के प्रभावों को महसूस कर रहा है, जैसे कि समुद्र के स्तर में वृद्धि व तटीय क्षरण।

वर्ल्ड ब्रीफ

न्यूयॉर्क में बस पलटने से एक भारतीय समेत पांच लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। नियाग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी लौट रही एक बस के अंतरराज्यीय राजमार्ग पर पलटने से उसमें सवार एक भारतीय समेत पांच यात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बस में भारतीय और चीनी नागरिकों समेत कुल 54 लोग सवार थे। 'एबीसी न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों की पहचान बिहार के शंकर कुमार झा (65), ईस्ट ब्रंसविक, न्यू जर्सी की पिंकी चांगरानी (60), बीजिंग, चीन के झी होंगझुओ (22), न्यू जर्सी के झांग शियाओलान (55) और जियान मिंगली (56) के रूप में हुई है।

चीन में पुल ढहने से 12 श्रमिकों की मौत

बीजिंग। चीन में शुक्रवार को एक प्रमुख नदी पर निर्माणाधीन रेलवे पुल के ढह जाने से कम से कम 12 श्रमिकों की मौत हो गई और चार अन्य लापता हो गए। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की ओर से जारी तस्वीर में पुल के घुमावदार नीले मेहराब का एक बड़ा हिस्सा गायब दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में पुल का एक मुड़ा हुआ हिस्सा नीचे पीली नदी में लटका हुआ नजर आ रहा है। शिन्हुआ के अनुसार, शुक्रवार देर रात लगभग तीन बजे उत्तर-पश्चिमी चीन के किंघई प्रांत में एक पुल पर 16 मजदूर काम कर रहे थे, तभी एक स्टील केबल टूट गई, जिससे वे (मजदूर) नदी में गिर गए। शिन्हुआ के मुताबिक, नावों, हेलीकॉप्टर और रोबोट की मदद से लापता श्रमिकों की तलाश की जा रही है।

विक्रमसिंघे हिरासत के बाद आईसीयू स्थानांतरित

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को जेल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, क्योंकि एक अदालत ने उन्हें उनके कार्यकाल के दौरान सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में गिरफ्तारी के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया। विक्रमसिंघे (76) को कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा 26 अगस्त तक हिरासत में भेजे जाने के बाद शुक्रवार आधी रात के करीब मुख्य मैगजीन रिमांड जेल ले जाया गया। जेल प्रवक्ता जगत वीरसिंघे ने शनिवार को बताया कि विक्रमसिंघे को जेल अस्पताल में भर्ती कराया गया, क्योंकि उनकी रक्त शर्करा और रक्तचाप का स्तर अधिक था। पूर्व राष्ट्रपति को शुक्रवार को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) मुख्यालय में गिरफ्तार किया गया था, जहां उन्हें 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की जांच के संबंध में बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया था।

अमेरिकी व्यापार समझौते में भारत के समक्ष हैं कुछ सीमाएं : जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा- किसानों व छोटे उत्पादकों के हितों से नहीं करेंगे कोई समझौता

- बोले- राष्ट्रपति ट्रंप का दुनिया से व्यवहार का तरीका पारंपरिक तरीके से अलग

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत की कुछ सीमाएं हैं और भारत किसानों तथा छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं करेगा। जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है।

इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में जयशंकर ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दुनिया के साथ व्यवहार करने का तरीका पारंपरिक तरीके से बहुत अलग है और पूरी दुनिया इसका सामना कर रही है। उन्होंने कहा, अब तक ऐसा कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं रहा, जिसने विदेश नीति को मौजूदा राष्ट्रपति की तरह सार्वजनिक रूप से संचालित किया हो।

यह अपने आप में ऐसा बदलाव है, जो केवल भारत तक सीमित नहीं है। ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। विदेश मंत्री ने कहा कि व्यापार दोनों देशों के बीच वास्तव में सबसे बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा, बातचीत अभी भी जारी है और मुख्य बात यह है कि हमारे बीच कुछ सीमाएं हैं। जयशंकर ने कहा कि सीमाएं मुख्य रूप से देश के किसानों और कुछ हद तक छोटे उत्पादकों के हित में हैं।

उन्होंने कहा, इसलिए जब लोग कहते हैं कि हम सफल हुए या असफल... इस पर मेरा जवाब है-एक सरकार के रूप में हम अपने किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस पर पूरी तरह से दृढ़ हैं। विदेश मंत्री ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों का भी जवाब दिया कि भारत रूस से रियायती मूल्य पर कच्चा तेल खरीदकर तथा फिर परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों को यूरोप और अन्य स्थानों पर ऊंची कीमतों पर बेचकर मुनाफाखोरी कर रहा है।

इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम में विदेश मंत्री जयशंकर विचार रखते हुए।

अगर आपको कोई समस्या है तो भारत से परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद न खरीदें

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को वाशिंगटन के इन आरोपों को जोरदार तरीके से खारिज कर दिया कि नई दिल्ली रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदकर और फिर परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों को यूरोप और अन्य स्थानों पर ऊंची कीमतों पर बेचकर मुनाफाखोरी में शामिल है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली की खरीद प्रक्रिया न सिर्फ उसके राष्ट्रीय, बल्कि वैश्विक हित में भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत इस मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका का पिछला प्रशासन नयी दिल्ली के रूस से कच्चे तेल की खरीद का समर्थन करता था, क्योंकि इससे तेल बाजार में स्थिरता आती है। उन्होंने कहा, यह हास्यास्पद है कि व्यापार-समर्थक अमेरिकी प्रशासन के लोग दूसरों पर व्यापार करने का आरोप लगा रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा, यह वाकई अजीब है। अगर आपको भारत से तेल या परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने में कोई समस्या है, तो उसे न खरीदें। कोई आपको खरीदने के लिए मजबूर नहीं करता। लेकिन यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है, लेकिन अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो उसे न खरीदें।

पाक-अमेरिका संबंधों पर बोले- उनके इतिहास को नजरअंदाज करते हैं

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान का एक दूसरे के साथ इतिहास रहा है, लेकिन वे उस इतिहास को नजरअंदाज भी करते रहे हैं। उन्होंने 2011 में इस्लामाबाद के निकट अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को मार गिराए जाने की याद दिलाई। जयशंकर की यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों के बारे में पूछे जाने पर आई। अमेरिका-पाकिस्तान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, उनका एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है। और उस इतिहास को नजरअंदाज करने का भी उनका इतिहास रहा है। यह पहली बार नहीं है जब हमने ऐसी चीजें देखी हैं। विदेश मंत्री ने कहा, यह वही सेना है, जो एबटाबाद गई थी और वहां, आप जानते हैं, कौन मिला। लादेन को अमेरिकी नौसेना के सील्स ने दो मई, 2011 को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पास स्थित छावनी क्षेत्र एबटाबाद में मार गिराया था। अमेरिका ने इस अति-गोपनीय अभियान को अंजाम देने से पहले पाकिस्तान को इसकी सूचना नहीं दी थी। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, स्पष्टत:, मैं परिस्थिति या चुनौती के अनुसार प्रतिक्रिया करता हूं।

गैंगस्टर मयंक को अजरबैजान से किया प्रत्यर्पित

रांची। अजरबैजान से प्रत्यर्पण के बाद झारखंड आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा गैंगस्टर मयंक सिंह को शनिवार सुबह रांची वापस लाया गया। झारखंड एटीएस के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषव कुमार झा के नेतृत्व में एटीएस के दल ने दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के अनुसार औपचारिकताएं पूरी कीं और फिर सिंह उर्फ सुनील मीणा को वापस लाने के लिए आजरबैजान का दौरा किया।

रांची हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद झा ने कहा, झारखंड पुलिस के इतिहास में यह पहला सफल प्रत्यर्पण है। ह में उम्मीद है कि विदेश में मौजूद बाकी अपराधियों को भी जल्द ही प्रत्यर्पण या निर्वासन के जरिए वापस लाया जाएगा। यह एक बड़ी उपलब्धि है और इसका श्रेय हमारे पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री और राज्य व केंद्र सरकार के सहयोग को जाता है।

ट्रंप के करीबी सर्जियो भारत में अमेरिकी राजदूत नामित

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नामित किया है। सर्जियो गोर वर्तमान में 'व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस' के निदेशक हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गोर (38) मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं और कई वर्षों से मेरे साथ हैं।

उन्होंने कहा, सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में नामित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। ट्रंप ने कहा कि गोर दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की भूमिका भी निभाएंगे। यह घोषणा अमेरिका और भारत के बीच शुल्क को लेकर जारी तनाव के बीच की गई है। ट्रंप ने कहा कि गोर और उनकी टीम ने संघीय विभागों और एजेंसियों में लगभग 4,000 अधिकारियों की भर्ती रिकॉर्ड समय में की है जिससे 95 प्रतिशत से अधिक पद भरे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गोर के नाम पर मुहर लगने तक वह 'व्हाइट हाउस' में अपनी वर्तमान भूमिका में बने रहेंगे। इससे पहले एरिक गार्सेटी मई 2023 से जनवरी 2025 तक भारत में अमेरिका के राजदूत थे।

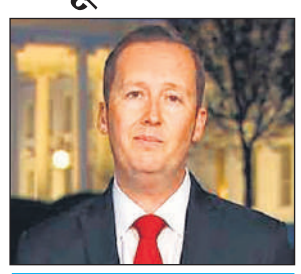

- व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस के निदेशक पद पर तैनात थे अब तक

भारत को अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों के मजबूत समूह की आवश्यकता : एसआईएमसी

सिंगापुर, एजेंसी

सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएमसी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत को व्यापार और अनुबंध विवादों के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों का एक मजबूत समूह बनाना होगा।

एसआईएमसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चुआन वी मेंग ने शुक्रवार को कहा, हम भारत में मध्यस्थता मामलों की बढ़ती संख्या देख रहे हैं। भारत एक वैश्विक बाजार व वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक प्रमुख सदस्य है। इसका मतलब है कि देश में मध्यस्थता क्षमता का निर्माण करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता विवादों को सुलझाने का पसंदीदा तरीका बनता जा रहा है क्योंकि यह तेज और कम खर्चीला है। एसआईएमसी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत के कानून विशेषज्ञों समेत अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

केंद्र ने इससे पहले 2018 और 2023 में भारत में ऐसे दो सत्र आयोजित किए थे। चुआन ने कहा कि एसआईएमसी ने विवाद समाधान को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद में स्थित अंतर्राष्ट्रीय माध्यस्थम एवं मध्यस्थता केंद्र जैसे भारतीय संगठनों के साथ काम किया है।

- सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र के शीर्ष अधिकारी ने दी प्रतिक्रिया

गाजा में इजराइल के हमले में 25 की मौत, भुखमरी का संकट बढ़ा

खान यूनिस, एजेंसी

गाजा में शनिवार को इजराइल के हमलों और गोलीबारी में कम से कम 25 लोग मारे गए। स्थानीय अस्पतालों ने यह जानकारी दी। नासिर अस्पताल के मुर्दाघर के रिकॉर्ड और स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, तड़के दक्षिणी गाजा पट्टी में इजराइली हमलों में कम से कम 14 लोग मारे गए।

हमलों में खान यूनिस में विस्थापित लोगों के लिए बने तंबुओं को निशाना बनाया गया। गाजा के अन्य स्थानों से भागकर आए लाखों लोगों ने यहां शरण ले रखी है। मृतकों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे थे। शेख रादवान फील्ड अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी गाजा में ज़िकिम क्रॉसिंग के पास इजराइली गोलीबारी में पांच लोग मारे गए। ये लोग वहां राहत सामग्री के लिए इकट्ठा हुए। इस क्रॉसिंग के जरिये संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों के काफिले एन्क्लेव में प्रवेश करते हैं। शनिवार को गाजा में अन्य जगहों पर हुए हमलों में छह लोग मारे गए। राहत समूह महीनों से आगाह कर रहे हैं कि युद्ध से भुखमरी का संकट पैदा हो रहा है।

भारत स्वास्थ्य संकट के कगार पर, मधुमेह, हृदय रोग व कैंसर बढ़ रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

पद्म पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टरों के एक समूह ने कहा कि भारत स्वास्थ्य संकट के कगार पर खड़ा है, जहां मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसी गैर-संक्रामक बीमारियां (एनसीडी) महामारी के स्तर पर पहुंच रही हैं।

हाल में पैसिफिक वनहेल्थ द्वारा आयोजित एक सत्र में, डॉक्टरों ने चेताया कि तत्काल कार्रवाई के बिना, भारत इस एनसीडी महामारी से बहुत ज्यादा प्रभावित होगा। सर गंगाराम अस्पताल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ डी एस राणा ने सार्वभौमिक

- पद्म पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टरों के समूह ने चेताया

पहुंच और नैतिक विनियमन की आवश्यकता पर बल दिया। पद्मश्री से सम्मानित डॉ राणा ने कहा, हमारा अंतिम लक्ष्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा होना चाहिए। भारत ने प्रगति की है, लेकिन असमानताएं अभी तक बनी हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा को समतापूर्ण बनाने के लिए हमें मजबूत नैतिक प्रथाओं और नियामक साहस की आवश्यकता है, विशेष रूप से दवाओं के मूल्य निर्धारण और अस्पताल की लागत के मामले में। हृदय रोग के बढ़ते मामलों पर, मेदांता के इंटरवेंशनल और स्ट्रक्चरल हार्ट कार्डियोलॉजी के अध्यक्ष, डॉ प्रवीण चंद्रा ने कहा कि हृदय कई रोगों के लिए जिम्मेदार है। पद्मश्री से सम्मानित डॉ चंद्रा ने निवारक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा, गोल्डन ऑवर (जान बचाने के लिहाज से कीमती समय) के दौरान आपातकालीन एंजियोप्लास्टी से अनगिनत लोगों की

दिल्ली में हर तीन में से एक मधुमेह से पीड़ित

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित एंडोक्राइनोलॉजिस्ट और मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. अनूप मिश्रा ने मधुमेह पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। 'फोर्टिस सी-डॉक हॉस्पिटल फॉर डायबिटीज एंड एलाइड साइंसेज' के चेयरमैन और दिल्ली एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के पूर्व प्रोफेसर (मेडिसिन) ने कहा, दिल्ली में हर तीन में से एक निवासी मधुमेह से पीड़ित है, जबकि 30 प्रतिशत लोग प्री-डायबिटिक हैं। यह गर्व करने लायक बात नहीं है- रोकथाम और प्रारंभिक नियंत्रण बेहद महत्वपूर्ण हैं। ओजेम्पिक जैसी दवाएं आशाजनक परिणाम दे सकती हैं, लेकिन जीवनशैली और जागरूकता ही हमारे पास सबसे मजबूत हथियार हैं। सर गंगाराम अस्पताल में इंटरनल मेडिसीन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. मोहसिन वली ने विश्वास आधारित देखभाल के महत्व पर जोर दिया और अपने अस्पताल के गैर-लाभकारी मॉडल का हवाला देते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य सेवा जैसी होनी चाहिए के आदर्श वाक्य को मूर्त रूप देता है। पद्मश्री से सम्मानित डॉ. वली ने कहा, "ऐसे मॉडल को अपनाकर हम गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं और स्वस्थ भारत की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर सकते हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 11.48 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

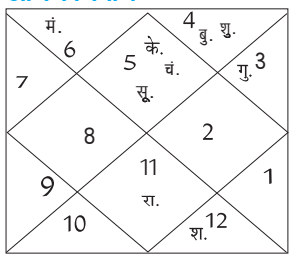

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 25 अगस्त 02.05, तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष आज अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। मित्र के साथ आप गूढ़ चर्चा कर सकते हैं। मन में कुछ नया करने की इच्छा जागृत होगी। संतान को लेकर शुभ समाचार मिल सकते हैं। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष आज आप जो भी काम करेंगे उसे अच्छी तरह से करेंगे। बौद्धिक कार्यों में आपकी रुचि जागृत होगी। नई डील करने में जल्दबाजी न करें। जीवनसाथी की आपको उत्तम सलाह प्राप्त होगी। लेकिन उनसे वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं।

मिथुन आज का दिन उत्साह से पूर्ण रहेगा। किसी परिजन के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। दोस्तों और भाई-बहनों के साथ संबंध मजबूत होंगे। नए अनुबंध होने के योग बन रहे हैं।

कर्क आज आपको सहकर्मियों से सावधानी रखनी चाहिए। घर के सदस्यों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा। घर में अनुशासन का वातावरण रहेगा। विवाहेतर संबंधों में रुचि न लें।

सिंह आज रुके हुए कार्यों में गति आयेगी। कठोर परिश्रम के माध्यम से स्थितियों को अपने पक्ष में कर लेंगे। जीवनसाथी का उचित सहयोग प्राप्त होगा। संतान की सफलता से उत्साहित रहेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत ही अच्छा रहेगा।

कन्या आज परिजन आपसे किसी कारणवश नाराज हो सकते हैं। प्रेम संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। दोस्तों के साथ व्यर्थ कार्यों में समय बर्बाद न करें। गलत खानपान के कारण पेट में अपच हो सकता है।

तुला आज दांपत्य जीवन में प्रेम और रोमांस बढ़ेगा। आपके व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। रचनात्मक लेखन और प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी तालमेल अच्छा रहेगा। व्यवसाय में धन लाभ हो सकता है।

वृश्चिक आज आपकी प्रतिभा लोगों के सामने आयेगी। घर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। धर्म-कर्म और अध्यात्म में आपकी रूचि बढ़ेगी। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे। कारोबार को लेकर दूरदर्शी निर्णय ले सकते हैं। समाज में छवि अच्छी बनेगी।

धनु आज घर में सुकून और शांति का वातावरण रहेगा। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। छात्रों को नया अनुभव और ज्ञान प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में अपने लक्ष्यों को समय से पहले प्राप्त कर लेंगे। महिलाओं को मायके पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है।

मकर आज आप गलत कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। किसी व्यक्ति की आर्थिक सहायता करनी पड़ सकती है। इसके कारण आपको आत्मिक प्रसन्नता मिलेगी।

कुंभ आज पति-पत्नी के मध्य के आपसी संबंध और मधुर होंगे। बड़े-बुजुर्ग लोगों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपके विनम्र स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। होटल कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। बेरोजगार युवकों को नई नौकरी मिल सकती है।

मीन आज आप नई ऊर्जा के साथ अपने काम में लगेंगे। अध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ समय बिताने का प्रयास करें। किसी बात को लेकर आप उलझन में रहेंगे। नई संपत्ति में आप निवेश कर सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको अच्छा धन लाभ मिलेगा।

सुडोकू-78

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3		9		1		2
		5					7	
8				1		4		
6			4	2			5	
9		2				6		3
	4			5	6			
		1		3				9
	6					8		
2		4		6		5		

सुडोकू-77 का हल

9	3	8	6	7	5	1	4	2
7	5	1	9	4	2	3	6	8
6	4	2	1	8	3	9	7	5
3	2	5	7	1	8	6	9	4
8	6	4	3	2	9	7	5	1
1	7	9	4	5	6	8	2	3
5	1	7	8	9	4	2	3	6
4	9	6	2	3	1	5	8	7
2	8	3	5	6	7	4	1	9

मैं सोच रहा था कि श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में कहां जगह दी जाएगी। वह परिपक्व हो गया है। उसने नेतृत्व के गुण भी दिखाए है, लेकिन बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, कौन जानता है? कोई नहीं। मैं नहीं। आप लोग नहीं।
-एबी डिविलियर्स

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 24 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मारिया शारापोवा। एजेंसी

शारापोवा टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगी

लंदन : रूस की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी मारिया शारापोवा और अमेरिका के युगल विशेषज्ञ बॉब और माइक ब्रायन को टेनिस हाल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाली 10 महिला खिलाड़ियों में से एक शारापोवा ने 2004 में दो बार की गत चैंपियन सेरेना विलियम्स को हराकर विम्बलडन जीता था। उन्होंने 2006 में अमेरिकी ओपन, 2008 में आस्ट्रेलियाई ओपन और 2012 तथा 2014 में फ्रेंच ओपन जीता था ।वह डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली रूसी खिलाड़ी भी रहीं। वहीं ब्रायन बंधुओं ने 16 पुरूष युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं जो एक रिकॉर्ड है।

सुप्रीम कोर्ट ने विवाद खत्म करने को कहा

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से मास्टर राइट्स समझौते के नवीनीकरण से संबंधित मुद्दे को सुलझाने को कहा है क्योंकि इससे ही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का आगामी सत्र शुरू नहीं हो सका है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए एआईएफएफ और एफएसडीएल को इस मुद्दे पर चर्चा करने और अगली सुनवाई की तारीख 28 अगस्त तक समाधान निकालने का निर्देश दिया।

केरल आएंगे मेसी खेलेंगे दोस्ताना मैच

तिरुवनंतपुरम : केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने शनिवार को पुष्टि की कि फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी समेत अर्जेंटीना की टीम इस साल नवंबर में केरल में दोस्ताना मैच खेलने आएगी। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि मैनेजर लियोनेल स्कालोनी की अर्जेंटीना टीम अंगोला के लुआंडा और केरल में दोस्ताना मैच खेलेगी। इसके बाद केरल के खेलमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि केरल ने एएफए से मैच इस साल अक्टूबर या नवंबर में खेलने का अनुरोध किया था।

इस बार यूएस ओपन 15 दिन खेला जाएगा

न्यूयॉर्क : इस बार रविवार से शुरू हो रहा वर्ष का चौथा और आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन 15 दिनों तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट आयोजकों ने कहा कि अतिरिक्त दिन से न केवल खिलाड़ियों पर कार्यक्रम संबंधी दबाव में कमी आएगी और बल्कि प्रशंसकों का अनुभव भी बेहतर होगा। पिछले साल 2024 के संस्करण 832,000 से अधिक रिकार्ड दर्शकों को आकर्षित किया था। इस बार साल 70 हजार अतिरिक्त प्रशंसकों के आने की उम्मीद है।

भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ महिला टीम खेलेगी वर्ल्ड कप

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व हरफनमौला रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को शानदार करार देते हुए कहा कि यह विश्व कप में अब तक की सबसे मजबूत और घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने की दावेदार टीम है।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का आयोजन 30 सितंबर से दो नवंबर तक होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज शुरुआती दिन गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ करेगी। भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के शानदार मिश्रण का जिक्र करते हुए रीमा ने कहा यह किसी भी महिला विश्व कप को देखे तो भारत की सबसे मजबूत टीम है। इसमें हरमनप्रीत (कौर), स्मृति मंधाना, जैमी (जेमिमा रोड्रिग्स), दीप्ति (शर्मा) जैसी अनुभवी खिलाड़ी है तो वहीं अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे दमखम वाले युवा भी है।

उन्होंने कहा टीम में जोश और होश का अच्छा मिश्रण है। मुझे नहीं लगता कि आपको विश्व कप के लिए इससे अच्छी टीम मिलेगी। आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा टीम में जगह बनाने में नाकाम रही लेकिन रीमा ने उनकी जगह प्रतिका रावल के चयन को सही करार देते हुए कहा कि दिल्ली की इस बल्लेबाज के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। प्रतिका ने भारत के लिए 14 एकदिवसीय में 54.07 के औसत से 754 रन (एक शतक और पांच अर्धशतक) रन बनाए हैं।

शेफाली के नाम 29 एकदिवसीय में लगभग 23 के औसत से 644 रन (चार अर्धशतक) है। इस दौरान शेफाली का स्ट्राइक रेट 83.20 का रहा है तो वहीं प्रतिका ने इस मामले में भी बेहतर करते हुए 87.43 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। भारत के लिए 41 एकदिवसीय और 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली रीमा ने कहा शेफाली बड़ा नाम है। वह ऐसा एक्स फैक्टर (अपने दम पर मैच पासा पलटने वाला खिलाड़ी) है जिसे आप अपनी टीम में चाहते हैं। जब एक्स फैक्टर का सामना प्रदर्शन में निरंतरता से होता है तो मुझे लगता है कि कप्तान और चयनकर्ताओं ने नियमित अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को तरजीह दी है और यह सही भी है।

उन्होंने कहा प्रतिका ने मौकों को भुनाकर टीम में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने पिछली कुछ श्रृंखलाओं में खुद को साबित किया है। रीमा ने कहा कि भारत की बल्लेबाजी हमेशा मजबूत रही है लेकिन मौजूदा टीम में अब तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज के साथ गेंदबाजी भी में काफी विविधता है। उन्होंने कहा इस टीम में तेज गेंदबाजी में रेणुका सिंह ठाकुर, अमनजोत और अरुंधति रेड्डी का विकल्प है तो वहीं स्पिन में दीप्ति और राधा यादव के साथ स्नेह राणा भी है। स्नेह राणा सफेद गेंद के मैचों के लिए काफी परिपक्व हो चुकी है और उन्हें पता है कि वनडे में कैसी गेंदबाजी करनी है। भारतीय परिस्थितियों में यह तिकड़ी काफी कारगर साबित होगी।

दो बार फाइनल खेल चुका है भारत

- भारत दो बार फाइनल में पहुंचने के बावजूद महिला क्रिकेट विश्व कप अभी तक नहीं जीत पाया है। 2017 के फाइनल में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ नौ रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2005 के फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया ने 98 रनों से हराया था। आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर रीमा ने कहा हम कुछ मौकों पर खिताब के करीब पहुंचे, लेकिन चैंपियन बनने से दूर रह गए। लेकिन यह अलग टीम है। जब आप अच्छा करके बड़े टूर्नामेंट में जाते है तो आपका आत्मविश्वास काफी बढ़ा होता है। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने के लिए आपको मजबूत आत्मविश्वास चाहये। इस टीम के पास विश्व कप जीतने का आत्मविश्वास है।

• पूर्व खिलाड़ी रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला टीम को ट्रॉफी का सबसे बड़ा दावेदार बताया

रीमा मल्होत्रा।

विशाखापट्टनम से महिला विश्व कप अभियान का आगाज करेगा भारत

एक सप्ताह के शिविर में ऑस्ट्रेलिया से खेले जाएंगे तीन वनडे मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का विश्व कप 2025 से पहले विशाखापट्टनम में 25 अगस्त से एक सप्ताह का शिविर शुरू होगा। शिविर के बाद तैयारी के तहत भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगी। एक सप्ताह तक चलने वाला यह शिविर 25 अगस्त से शुरू होगा और इसके लिए खिलाड़ियों को एक दिन पहले रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

इस शिविर में विश्वकप के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम के अलावा, स्टैंड-बाय के रूप में घोषित छह खिलाड़ी भी शामिल होंगे। इनमें सयाली सतघरे भी हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए घोषित टीम में शामिल हैं। वह विश्वकप में ऑलराउंडर अमनजोत कौर की जगह लेगी। वर्तमान में ब्रिस्बेन में लाल गेंद के मैच में भारत ए की कप्तानी कर रही राधा यादव 24 अगस्त को मैच समाप्त होने के बाद सीधे शिविर से जुड़ जाएंगी।

इस शिविर में बाद में भारत ए टीम के भी शामिल होने की संभावना है, जिसका अधिकांश हिस्सा वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट मैच खेल रहा है। भारत ए टीम को अपना पहला आधिकारिक विश्व कप अभ्यास मैच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंट (सीओई) में न्यूजीलैंड से भिड़ना है। श्रीलंका, पाकिस्तान, बंगलादेश और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शुरुआत में सह-मेजबान शहर कोलंबो में ठहरेंगी और अपने दोनों अभ्यास मैच वहीं खेलेंगी। इस शिविर के लिए स्थल का चुनाव एक रणनीतिक कदम है, क्योंकि भारत को घरेलू विश्व कप के राउंड-रॉबिन चरण में विशाखापट्टनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में दो प्रतिद्वंद्वियों, नौ अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार 2014 में विशाखापट्टनम में एकदिवसीय मैच खेला था।

विशाखापट्टनम के अलावा, गुवाहाटी, इंदौर और नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम आठ टीमों के इस वैश्विक आयोजन की मेजबानी करने वाले अन्य भारतीय शहर हैं। 14 सितंबर को मुल्लांपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू सीरीज से पहले टीम के एक छोटे ब्रेक के लिए रवाना होने से पहले दूधिया रोशनी में मैच भी खेले जाने की उम्मीद है।

भारतीय टीम

ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है:- **हरमनप्रीत कौर (कप्तान),** स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा। स्टैंडबाय खिलाड़ी: तेजल हसब्निस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा। **महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए भारतीय की टीम इस प्रकार है:-** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा स्टैंडबाय खिलाड़ी: तेजल हसब्निस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, उमा छेत्री, मिन्नू मणि, सयाली सतघरे।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगातीं शेफाली वर्मा। एजेंसी

भारत ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया पर कसा शिकंजा

ब्रिस्बेन : मध्यक्रम बल्लेबाज राघवी बिष्ट (86 रन) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (52 रन) के अर्धशतकों की बदौलत भारत ए महिला टीम ने शनिवार को चार दिवसीय एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ए पर अच्छी पकड़ बना ली। शेफाली और राघवी की पारियों की बदौलत भारत ए ने दिन का खेल समाप्त होने तक आठ विकेट पर 260 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 254 रन तक पहुंचा ली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह पांच विकेट पर 158 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। पूरी टीम अपनी पहली पारी में 305 रन पर सिमट गई जिससे उसने छह रन की मामूली बढ़त हासिल की।

सियाना जिंजर ने 24 रन को शतक में तब्दील कर ऑस्ट्रेलिया को उबारने में मदद की। उन्होंने निचले क्रम की बल्लेबाजों के साथ भागीदारी बनाते हुए 138 गेंद में 103 रन की शतकीय पारी खेली। जिंजर और निकोल फाल्टम ने छठे विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की जिससे ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भारत के स्कोर को पार करने में सफल रही। ऑफ स्पिनर एम एडगर ने फिर भारत के नियमित अंतराल पर विकेट झटके।

उन्होंने 53 रन देकर चार विकेट हासिल किए। लेकिन पहले शेफाली और फिर बिष्ट ने छोटी ही सही लेकिन महत्वपूर्ण साझेदारियां करके भारतीय पारी को आगे बढ़ाया। इनमें सबसे अहम साझेदारी बिष्ट और तनुश्री सरकार के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की रही। बिष्ट दिन के अंत में एडगर का शिकार हुईं। तब सात ओवर का खेल बचा था। उन्होंने 119 गेंद में अर्धशतकीय पारी खेली।

अर्जुन-इलावेनिल ने मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी

भारत के अर्जुन बाबूता और इलावेनिल वालारिवन ने यहां चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता तथा जूनियर वर्ग का स्वर्ण पदक भी देश की झोली में आया। भारत की इस सीनियर जोड़ी ने चीन के डिंगके लू और शिनलु पेंग को 17.11 से हराया।

भारत की शांभवी श्रवण और नारायण प्रणव की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता । उन्होंने चीन को 16 . 12 से हराया। इन दो स्वर्ण पदकों के बाद भारत की पदक संख्या 22 हो गई है। सीनियर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में इलावेनिल (316.3) और बाबुता (317.7) ने 27 टीम के बीच क्वालीफिकेशन में 634.0 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि भारत की दूसरी जोड़ी मेहुली घोष (317.7) और रुद्रांक्ष पाटिल (314.9) ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 632.6 अंक हासिल किए जिससे वे दूसरे स्थान पर रहे।

हालांकि टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार मेहुली और रुद्रांक्ष पदक जीतने का मौका हासिल करने से चूक गए क्योंकि इलावेनिल और अर्जुन का स्वर्ण पदक मुकाबला पेंग शिनलू और लू डिंगके की युवा चीनी जोड़ी से तय हो गया था और एक देश से एक ही टीम भाग ले सकती है। चीन की जोड़ी 632.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। फाइनल में चीनी जोड़ी शुरुआती दौर में आगे थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 9.5 और 10.1 के स्कोर से उबरते हुए शानदार वापसी करके स्वर्ण जीता। इलावेनिल इससे पहले महिला वर्ग में 10 मीटर एयर राइफल स्वर्ण जीत चुकी हैं। वहीं बाबूता ने रूद्रांक्ष पाटिल और किरण जाधव के साथ पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में पीला तमगा जीता है ।

एशियाई निशानेबाजी

अय्यर को नहीं चुना जाना अजीब : एबी

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को यह अजीब लगा कि श्रेयस अय्यर जैसी क्षमता वाले बल्लेबाज को भारत की एशिया कप टीम में जगह नहीं दी गई है। अय्यर ने घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के लिए 170 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाकर फाइनल में पहुंचाया था। वह इस सप्ताह की शुरुआत में घोषित 15 सदस्यीय टीम में जगह पाने में असफल रहे।

इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया और समोआ के बीच 2025 महिला रग्बी विश्व कप के ग्रुप ए मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया की सेसिलिया स्मिथ (बीच में) को समोआ की सुई पौराइसा ने पकड़ लिया। एजेंसी

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड का दूसरी बार डूरंप कप पर कब्जा

कोलकाता, एजेंसी

डूरंड कप-2025 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाड़ी। एजेंसी

गत विजेता नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 134वें डूरंड कप के फाइनल में पदार्पण करने वाले डायमंड हार्बर एफसी को 6-1 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया।

विवेकानन्द युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के लिए अशीर अख्तर ने 30वें मिनट, पार्थिब गोगोई ने 45+1वें मिनट में, थोई सिंह ने 50वें मिनट में, जैरो समपेरियो ने 81वें मिनट में, एंडी ने 86वें मिनट में और अलादिन अजाराई ने 90+3वें मिनट में गोल किए। वहीं डायमंड हार्बर एफसी के लिए एकमात्र गोल माजसेन ने 68वें मिनट में किया।

फाइनल की शुरुआत काफी तेज रही जिसमें दोनों टीमें गेंद पर कब्जा रखने की कोशिश में जुटी थीं। लेकिन सफलता गत चैंपियन टीम को मिली जब अशीर अख्तर ने 30वें मिनट में गोल कर बढ़त दिला दी।

• पदार्पण करने वाले डायमंड हार्बर एफसी को 6-1 से रौंदा

34 साल बाद खिताब को बचाने वाली टीम बनी

- नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 1991 के बाद 34 साल में पहली बार अपने खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बन गई। पिछली बार ईस्ट बंगाल ने 1989, 1990 और 1991 में जीत की हैट्रिक लगाई थी। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी डूरंड कप के इतिहास में लगातार दो खिताब जीतने वाली 12वीं टीम बन गई।

परेशानी भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल कथित तौर पर हैं अस्वस्थ

दलीप ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं गिल

नई दिल्ली, एजेंसी

शुभमन गिल कुछ दिनों में बेंगलुरु में शुरू होने वाली आगामी दलीप ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं, क्योंकि भारतीय टेस्ट कप्तान कथित तौर पर अस्वस्थ हैं। उन्हें उत्तर क्षेत्र टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था।

उत्तर क्षेत्र की चयन समिति पिछले कुछ दिनों से बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में 28 अगस्त से शुरू होने वाली अंतर-क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए गिल की अनुपलब्धता की संभावना पर विचार कर रही है। हालांकि, शुक्रवार (22 अगस्त) तक उन्हें उत्तर क्षेत्र संघों से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली थी। हालांकि, क्रिकबज को पता चला है कि फिजियो ने हाल ही में उनकी जांच की और लगभग 24 घंटे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को स्वास्थ्य स्थिति रिपोर्ट सौंपी। फिलहाल, गिल (25) चंडीगढ़ में हैं और घर पर आराम कर रहे हैं। बीसीसीआई और चयन समिति (राष्ट्रीय और क्षेत्रीय) के अधिकारियों ने गिल की उपलब्धता के बारे में पूछे गए विशिष्ट सवालों का तुरंत जवाब नहीं दिया, लेकिन भारतीय टेस्ट कप्तान के करीबी सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। गिल किसी भी हालत में पूरे दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल पाते, क्योंकि उन्हें 9 सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना था। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से 15 सितंबर तक चलेगी, और ज्यादा से ज्यादा वह केवल शुरुआती मैच के लिए ही उपलब्ध हो सकते थे। उत्तर क्षेत्र को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर अपने क्वार्टर फाइनल में पूर्व क्षेत्र का सामना करना है। इस महीने की शुरुआत में, गिल इंग्लैंड के बेहद सफल दौरे से लौटे थे, जहां उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में 754 रन बनाए थे, जिसके बाद राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने उन्हें एशिया कप के लिए भारत की ट्वेंटी-20 टीम में चुना।

शुभम को चुना गया था गिल की जगह

- उत्तर क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने गिल के प्रतियोगिता से बाहर रहने की स्थिति में उनके प्रतिस्थापन की व्यवस्था पहले ही कर ली थी। टीम की घोषणा के समय शुभम रोहिल्ला को गिल की जगह चुना गया था। अंकित कुमार को उत्तर क्षेत्र की टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, जिसका अर्थ है कि अब वह दलीप ट्रॉफी में क्षेत्र की कप्तानी करेंगे। एशिया कप टीम में शामिल अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा, दोनों ही पहले मैच के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए क्षेत्रीय टीम छोड़ देंगे। अगर उत्तर क्षेत्र पहले मैच, जो एक नॉकआउट मैच है।